महिलाएं तय करें कि राजद व उसके सहयोगी सत्ता में न लौटें - 12

भारत-रूस के कारोबारी रिश्तों को उड़ान यूपी अहम किरदार- 12

यूएन में नेतन्याहू ने दिखाए तेवर बोले-गाजा में हमास के खिलाफ काम खत्म करके रहेंगे - 13

यह दबाव लिए बिना परिस्थितियों का लुत्फ उठाने के बारे में है : हरमनप्रीत - 14

आज का मौसम

36.0⁰ अधिकतम तापमान

27.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.06

सूर्यास्त 06.06

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

| मुरादाबाद |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष पंचमी उपरांत 12:04 षष्ठी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 27 सितंबर 2025, वर्ष 6, अंक 180, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

स्वदेशी 4जी का आज लोकार्पण करेंगे मोदी

भोपाल। बीएसएनएल अपने रजत जयंती वर्ष में स्वदेशी 4जी युग में प्रवेश करने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कल 27 सितंबर को ओडिशा के झारसुगुड़ा से देश को बीएसएनएल की स्वदेशी 4जी सेवा राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इस अवसर पर लगभग 37 हजार करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 97,500 मोबाइल टावरों का उद्घाटन किया जाएगा। यह सेवा टीसीएस और तेजस नेटवर्क के साथ सी-डॉट कोर पर आधारित है। यह तकनीक पूरी तरह से स्वदेशी है और 5जी में अपग्रेड करने की क्षमता भी रखती है।

प्रदूषण निधि का 75 % उपयोग करना अनिवार्य

नई दिल्ली। पर्यावरण मंत्रालय ने राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत शामिल शहरों के लिए यह अनिवार्य कर दिया है कि वे अब तक वितरित की गई राशि का कम से कम 75 प्रतिशत उपयोग करें, तभी उन्हें वित्त वर्ष 2025-26 के लिए धन आवंटित किया जाएगा। कार्यक्रम के क्रियान्वयन की निगरानी कर रही समिति ने 29 अगस्त को बुलाई गई एक बैठक में कहा कि एनसीएपी के तहत 130 शहरों को वितरित कुल 13,236.80 करोड़ में से केवल 769.83 करोड़ रुपये (74%) का ही उपयोग किया गया है।

प.बंगाल के पूर्व मंत्री पार्थ को दी जमानत

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने शिक्षक भर्ती अनियमितता मामले में पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी को शुक्रवार को जमानत दे दी। इस मामले की जांच केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) कर रहा है। पश्चिम बंगाल के सरकारी स्कूलों में नौकरी के लिए नकदी मामले के मुख्य आरोपी चटर्जी को प्राथमिक स्कूल भर्ती में अनियमितताओं के मामले में जमानत दी गई। सीबीआई ने पिछले साल 27 दिसंबर को आरोप-पत्र दायर किया था। यह घोटाला हजारों करोड़ रुपये का है।

कैदी के दिल से निकाली गईं तीन सुइयां

इंदौर। इंदौर के एक सरकारी अस्पताल के चिकित्सकों ने 29 वर्षीय कैदी के दिल में धंसी तीन सुइयों को जटिल सर्जरी से निकालकर उसे नया जीवन दिया। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि ये सुइयां एयरगन से दागी गई थीं। उसका अब तक जिंदा रहना करिश्मे से कम नहीं है। शल्य चिकित्सक डॉ. सुमित प्रताप सिंह ने बताया कि मरीज को छाती के बाईं तरफ चुभन और दर्द की शिकायत थी।

निकायों में होंगी तीन हजार भर्ती, महिलाओं को दिवाली पर फ्री सिलेंडर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

यूपी कैबिनेट के फैसले

- **स्कॉलरशिप से वंचित छात्रों के लिए 647.38 करोड़ रुपये**

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक में 22 प्रस्तावों को पेश किया गया। इन प्रस्तावों में पर्यटन, शिक्षा, खनन, कृषि, बुनियादी ढांचा, और सामाजिक कल्याण जैसे क्षेत्रों को मजबूत करने की योजनाएं शामिल रहीं।

शुक्रवार शाम लोक भवन में हुई इस बैठक में राज्य के निकायों में तीन हजार कर्मियों की भर्ती का रास्ता भी साफ किया गया। निवेशकों को प्रोत्साहन देने की योजनाओं के साथ दिवाली में उज्जवला योजना के तहत लगभग 1.85 करोड़ महिलाओं को फ्री में सिलेंडर और साल 2024 में विभिन्न कारणों से छात्रवृत्ति पाने से वंचित रह गए लगभग पांच लाख बच्चों को छात्रवृत्ति देने को मंजूरी दी गई। इस हेतु 647.38 करोड़ की व्यवस्था की गई है।

कैबिनेट ने स्थानीय निकायों में लगभग तीन हजार पदों पर भर्ती नीति को मंजूरी दी है। निकायों में कॉडर पुनर्गठन के बाद बढ़े इन पदों के लिए मानक तय करने का प्रस्ताव भी पारित किया है। इससे हजारों युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। निवेशकों को अनुदान प्रदान करने के प्रस्ताव पर भी मुहर लगाई गई। विभिन्न विभागों के निवेश प्रोत्साहन योजनाओं को मंजूरी दी गई है।

मोटा अनाज खरीद नीति को मंजूरी

खरीफ विपणन साल 2025-26 में मूल्य समर्थन योजनान्तर्गत धान क्रय नीति निर्धारण को स्वीकृति दी गई। 1 अक्टूबर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक पश्चिमी उप्र. में, 15 अक्टूबर से 28 फरवरी 2026 तक पूर्वी उप्र. में, धान क्रय किया जाएगा। इस साल कॉमन धान का क्रय मूल्य 2369 रु./क्विंटल तथा ग्रेड ए धान के लिए 2389 रु./क्विंटल तय किया गया है। 60 लाख मीट्रिक टन खरीद का लक्ष्य रखा गया है। मक्का क्रय 2400 रुपये क्विंटल, बाजरा 2775 रुपये क्विंटल, ज्वार (हाइब्रिड) 3699 रुपये तथा ज्वार का खरीद मूल्य 3749 रुपये क्विंटल तय किया गया है।

मृतक आश्रित को उसी कैडर में नौकरी

सुप्रीम कोर्ट में दायर मृतक आश्रित संबंध में अपील ''प्रेमलता बनाम उप्र. सरकार'' के आधार पर मृतक आश्रित योजनांतर्गत जो व्यक्ति जिस कैडर अंतर्गत मृत होगा उसके आश्रित को उसी कैडर अंतर्गत नौकरी मिलेगी, उदाहरण के तौर पर समूह ग आश्रित को उसी श्रेणी में, समूह घ आश्रित को उसी श्रेणी में नौकरी मिलेगी। इस संबंध में प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

ग्रीनफील्ड लिंक एक्सप्रेस वे का प्रस्ताव पास

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे से गंगा एक्सप्रेस वे तक लिंक एक्सप्रेस वे वाया फर्रुखाबाद 90 किमी का ग्रीनफील्ड लिंक एक्सप्रेस वे प्रस्ताव को मंजूरी मिली है। मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण नए शहर प्रोत्साहन परियोजना अंतर्गत रामपुर, अयोध्या, लखनऊ, बागपत विकास प्राधिकरण को धनराशि प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई है।

तीन नए निजी विवि की स्थापना को मंजूरी

लखनऊ। कैबिनेट ने प्रदेश में उच्च शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ बनाने के लिए तीन नए निजी विश्वविद्यालय स्थापित किए जाने का निर्णय लिया है। उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि संभल के चन्दौसी क्षेत्र में राधा गोविंद विवि की स्थापना के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान करते हुए, उप्र. निजी विवि (पंचम संशोधन) अध्यादेश, 2025 लाने का निर्णय लिया गया। यह विश्वविद्यालय 22.05 एकड़ भूमि पर स्थापित होगा। झांसी में गांधी विवि की स्थापना के लिए आशय-पत्र निर्गत किया गया है। यह विवि 20.21 एकड़ भूमि पर स्थापित होगा। फतेहपुर में ठाकुर युगराज सिंह विवि की स्थापना को आशय-पत्र जारी किया गया है।

बरेली में बवाल, पुलिस पर पथराव और फायरिंग के बाद लाठी चार्ज

आई लव मोहम्मद के पोस्टर पर कार्रवाई के विरोध में जुटी थी भीड़

- **शरारती तत्वों ने गलियों और छतों से पुलिस पर किया पथराव**
- **उपद्रवियों पर काबू पाने को पुलिस ने छोड़े आंसू गैस के गोले**
- **पथराव-फायरिंग में पुलिस कर्मियों को लगे छर्रे, 10 घायल**
- **बवाल के बाद शहर के तमाम बाजार हुए बंद, कई गिरफ्तार**

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : आई लव मोहम्मद के पोस्टर लगाने पर कानपुर में हुई कार्रवाई के विरोध में आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के आह्वान पर जुमे की नमाज के बाद जुटी भीड़ में शामिल उपद्रवियों ने शहर में पांच जगहों पर भारी बवाल किया।

उपद्रवियों ने पुलिस पर पथराव कर फायरिंग की। दुकानों में तोड़-फोड़ और कई वाहन भी क्षतिग्रस्त कर दिए। बिहारीपुर पुलिस चौकी के पास पुलिस पर फायरिंग की। पथराव और छर्रे लगने 10 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हो गए। भीड़ नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़ने के साथ लाठी चार्ज किया। कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बवालियों से कई असलहे भी बरामद किए गए हैं। घटना के बाद आधे से ज्यादा शहर के बाजार बंद हो गए। कानपुर की घटना के विरोध में मौलाना तौकीर रजा खां ने जुमे की नमाज के बाद समुदाय के लोगों के साथ इस्लामिया इंटर स्कूल के ग्राउंड पर धरना प्रदर्शन का एलान किया था। इसकी अनुमति पुलिस-प्रशासन ने नहीं दी थी। जिले में धारा 163 लागू होने के बावजूद शुक्रवार दोपहर लोगों का हुजूम इस्लामिया पहुंचने लगा। इसी बीच भीड़ की शक्ल में उपद्रवियों ने पुलिस के सामने नारेबाजी और तकरीर शुरू कर दी। उपद्रवी बेकाबू होते दिखे तो पुलिस ने उन्हें रोकने-समझाने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया गया। कई दुकानों में तोड़-फोड़ भी की। हालात काबू में करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले छोड़े। उपद्रवियों ने गली और छतों से पुलिस पर पथराव किया।

बरेली में जिला पंचायत रोड पर लाठीचार्ज के बाद मची भगदड़ में सड़क पर छूटे लोगों के जूते-चप्पल।

माहौल खराब करने की थी साजिश : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बरेली में माहौल खराब करने की साजिश थी। इसके पीछे पश्चिम में उद्योग धंधों और प्रगति के खिलाफ एक नकारात्मक माहौल बनाना था। सरकार पता लगा रही है कि साजिश के पीछे किसका हाथ है। साजिश के पीछे नोएडा के इंटरनेशनल ट्रेड शो को दंगों की आड़ में कमतर दिखाना और ये जाहिर करना था कि प्रदेश अभी भी सुरक्षित नहीं है, ताकि विदेशी निवेश यूपी में न आ पाए।

उपद्रवियों ने पथराव और फायरिंग कर शहर का माहौल खराब करने की कोशिश की। बवाल में 10 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। पुलिस ने लाठी चार्ज करते हुए आंसू गैस के गोले छोड़े, जिससे भीड़ तितर-बितर हुई। घटनाक्रम की वीडियोग्राफी कराई गई है। उपद्रवियों को चिन्हित किया जा रहा है। कई लोगों को गिरफ्तार किया है। असलहे बरामद किए हैं। इस घटनाक्रम में शामिल किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

-अजय कुमार साहनी, डीआईजी बरेली

ट्रंप ने अब दवाओं पर लगाया 100 % टैरिफ

वाशिंगटन/नई दिल्ली, एजेंसी

- **दवाओं पर शुल्क उन कंपनियों पर लागू नहीं होगा जो अमेरिका में लगा रहीं संयंत्र**
- **किचन कैबिनेट, फर्नीचर और भारी ट्रकों पर भी आयात कर लगाने की घोषणा की**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह एक अक्टूबर से आयातित वस्तुओं पर भारी कर लगाएंगे, जिनमें दवाइयों पर 100 प्रतिशत, किचन कैबिनेट और बाथरूम वैनिटी (सिंक और सामान रखने के लिए उसके साथ बनी हुई अलमारी) पर 50 प्रतिशत, अपहोल्स्टर्ड फर्नीचर पर 30 प्रतिशत और भारी ट्रकों पर 25 प्रतिशत कर लगाया जाएगा। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर गुरुवार को एक पोस्ट में यह घोषणा की। ट्रंप ने इन शुल्कों को लगाने का कोई कानूनी आधार नहीं दिया। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि आयातित किचन कैबिनेट और सोफों पर कर राष्ट्रीय सुरक्षा और अन्य कारणों से जरूरी है।

ट्रंप ने कहा कि दवाओं पर शुल्क उन कंपनियों पर लागू नहीं होगा जो अमेरिका में संयंत्र लगा रही हैं। लेकिन यह स्पष्ट नहीं कि पहले से मौजूद कारखानों पर कर कैसे लागू होगा। अमेरिका ने 2024 में लगभग 233 अरब डॉलर की दवाएं आयात कीं। ऐसे में दवाओं की कीमत दोगुनी होना स्वास्थ्य खर्च और इलाज की लागत को बढ़ा सकता है। इस घोषणा ने सभी को चौंकाया है क्योंकि पहले ट्रंप ने कहा था कि दवाओं पर कर धीरे-धीरे लागू होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस का कहना है कि इस साल की शुरुआत में शुल्क की धमकी से जॉनसन एंड जॉनसन, एस्ट्राजेनेका, रोशे, ब्रिस्टल मायर्स स्क्विब और एली लिली जैसी कंपनियों ने अमेरिका में निवेश का एलान किया। कनाडाई चेंबर ऑफ कॉमर्स ने चेतावनी दी है कि शुल्क से दवाओं की कीमत तुरंत बढ़ेगी, बीमा व्यवस्था और अस्पतालों पर दबाव बढ़ेगा और मरीजों को दवाओं से वंचित होना पड़ सकता है।

भारतीय दवा कंपनियों पर होगा सबसे ज्यादा असर

उल्लेखनीय है कि भारत से बड़ी मात्रा में अमेरिका को दवाओं का निर्यात होता है। अमेरिका में अधिकांश सस्ती और जेनेरिक दवा भारत से ही जाती हैं। ट्रंप प्रशासन के इस फैसले का सबसे अधिक असर भारतीय दवा कंपनियों पर पड़ेगा। इससे पहले अमेरिका ने अगस्त में दो बार में भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत आयात शुल्क लगा दिया था।

आसमान में आखिरी बार गरजा मिग-21

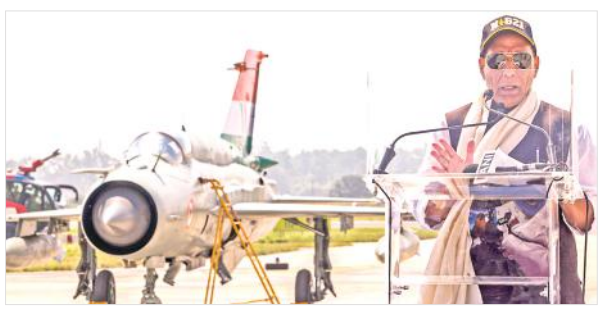

मिग-21 के सेवामुक्ति समारोह के दौरान संबोधन करते रक्षामंत्री राजनाथ सिंह।

चंडीगढ़, एजेंसी

- **छह दशक सेवा के बाद वायुसेना से गौरवपूर्ण विदाई**
- **रक्षामंत्री राजनाथ ने इसे राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक बताया**

छह दशकों से भी अधिक समय से भारतीय वायुसेना के लड़ाकू बेड़े की ताकत रहे प्रसिद्ध लड़ाकू विमान मिकोयान-गुरेविच मिग-21 ने शुक्रवार को अंतिम बार भारतीय आकाश में उड़ान भरी और इसकी विदाई इतिहास और स्मृतियों में दर्ज हो गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मिग-21 को एक शक्तिशाली विमान और राष्ट्रीय गौरव बताते कहा कि इस विमान ने हमारे आत्मविश्वास को आकार दिया है।

मंत्री ने कहा कि मिग-21 केवल एक विमान या मशीन ही नहीं, बल्कि यह भारत-रूस के मजबूत संबंधों का प्रमाण भी है। सिंह ने समारोह में कहा कि मिग-21 ने हमारी सैन्य विमानन यात्रा में कई गौरवपूर्ण क्षण जोड़े। उन्होंने कहा कि विश्व के सैन्य विमानन के इतिहास में इतनी बड़ी संख्या में कोई लड़ाकू विमान नहीं बनाया गया है। कहा कि 11,500 से अधिक मिग-21 विमान बनाए गए और उनमें से 850 लड़ाकू विमान भारतीय वायुसेना का हिस्सा बने। यह संख्या इसकी लोकप्रियता, विश्वसनीयता और बहुआयामी क्षमता का प्रमाण है।

उन्होंने पाकिस्तान के साथ 1971 के युद्ध, 1999 के कारगिल संघर्ष और 2019 के बालाकोट हवाई हमलों में इस विमान की भूमिका को याद किया। कहा कि इतिहास में ऐसे कई मौके आए हैं जब मिग-21 ने अपनी निर्णायक क्षमता साबित की है। इस मौके पर राजनाथ सिंह के अलावा वायुसेना के पूर्व प्रमुख एवाई टिपनिस, एसपी त्यागी और बीएस धनोआ तथा वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला भी मौजूद थे।

गोरखपुर में छात्र दीपक गुप्ता का हत्यारा जुबैर रामपुर में ढेर

संवाददाता, रामपुर

- **एक लाख के इनामी जुबैर ने पशु तस्करी के विरोध में की थी नीट के छात्र की हत्या**

गोरखपुर और रामपुर पुलिस को थी तलाश

जुबैर को पुलिस काफी समय से तलाश रही थी। उसके ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही थी, लेकिन आरोपी पकड़ में नहीं आ रहा था। जुबैर कोतवाली थाना क्षेत्र के घेर मर्दन का रहने वाला था। उस पर काफी मुकदमे थे।

अमृत विचार : गोरखपुर की पिपराइच के जंगल धूसड़ महुआचाफी गांव में छात्र दीपक गुप्ता की हत्या मामले में फरार चल रहे पशु तस्कर जुबैर को पुलिस ने रामपुर में मुठभेड़ में ढेर कर दिया। पशु तस्कर जुबैर पिछले दिनों हुई दीपक गुप्ता की हत्या में मुख्य आरोपी था। जुबैर पर एक लाख रुपये का इनाम रखा गया था।

गोरखपुर में 19 साल के दीपक गुप्ता की उस समय हत्या कर दी गई थी जब वह तस्करों को जानवरों की चोरी करने से रोक रहा था। दीपक मेडिकल एंट्रेस एग्जाम नीट की तैयारी कर रहा था। इस हत्या के पीछे रामपुर के शहर कोतवाली के मोहल्ला घेर मर्दान खां निवासी जुबैर का नाम सामने आया था। पुलिस सूत्रों के अनुसार जुबैर सिर्फ गोरखपुर ही नहीं, बल्कि गोंडा, बहराइच, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर से लेकर बिहार तक पशु तस्करी में सक्रिय था। शुक्रवार रात एसटीएफ और रामपुर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए जुबैर की तलाश में घेराबंदी की। एसपी रामपुर विद्या सागर मिश्र ने बताया गंज थाना क्षेत्र में रात में मुठभेड़ में जुबैर मारा गया। पुलिस अग्रिम कार्रवाई कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने दी हरित पटाखे बनाने की मंजूरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने प्रमाणित विनिर्माताओं को इस शर्त पर हरित पटाखे बनाने की शुक्रवार को अनुमति दे दी कि उनकी बिक्री दिल्ली-एनसीआर में बिना मंजूरी के नहीं की जाएगी। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने केंद्र से दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में पटाखों के विनिर्माण पर पूर्ण प्रतिबंध पर नए सिरे से विचार करने को भी कहा। पीठ ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को अंतिम निर्णय से पहले दिल्ली सरकार, सभी हितधारकों से परामर्श का निर्देश दिया।

- **दिल्ली एनसीआर में बिक्री पर रहेगी रोक**

यूपीईएसएससी अध्यक्ष प्रो. कीर्ति पांडेय का इस्तीफा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग (यूपीईएसएससी) की अध्यक्ष प्रोफेसर कीर्ति पांडेय ने पद से त्यागपत्र दे दिया है। शासन ने त्यागपत्र स्वीकार करते हुए आयोग के वरिष्ठ सदस्य रामसूचित को वैकल्पित कार्यभार सौंपा है। प्रो. पांडेय ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला दिया है। हालांकि, उनके निर्णय पर तमाम कयास लगाए जा रहे हैं।

ऐसे समय में जब कई परीक्षाएं संभावित हैं। आयोग के अध्यक्ष के त्यागपत्र देने से परीक्षा संबधी तैयारियों पर असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है। उच्च शिक्षा विभाग के विशेष सचिव गिरिजेश त्यागी के अनुसार एक सितंबर 2024 को प्रो. कीर्ति अध्यक्ष नियुक्त हुई थीं।

जवाबदेही तय होगी | मुख्यमंत्री ने 3,96,602 छात्र-छात्राओं को वितरित की 89.96 करोड़ रुपये छात्रवृत्ति

बख्शे नहीं जाएंगे छात्रवृत्ति रोकने वाले अफसर : योगी

- **पांच लाख छात्रों को दिवाली से पहले मिलेगी स्कॉलरशिप**

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित समारोह में एक छात्रा को छात्रवृत्ति देते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को सख्त चेतावनी दी कि छात्रवृत्ति रोकने वाले अफसरों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि संस्थानों की लापरवाही से अनुसूचित जाति-जनजाति के पांच लाख से अधिक छात्र-छात्राएं छात्रवृत्ति से वंचित रह गए।

डाटा अपलोड न होने के कारण स्कॉलरशिप रोक दी गई थी, मगर अब सरकार ने दिवाली से पहले सभी के खाते में छात्रवृत्ति भेजने का फैसला किया है। आईजीपी में शुक्रवार को समाज कल्याण विभाग की ओर से आयोजित छात्रवृत्ति वितरण समारोह में मुख्यमंत्री योगी ने 3,96,602 छात्र-छात्राओं को 89.96 करोड़ रुपये की स्कॉलरशिप वितरित की। उन्होंने साफ कहा कि जिन अफसरों की वजह से बच्चों को स्कॉलरशिप नहीं मिली, उनकी जवाबदेही तय होगी। भविष्य में ऐसी गलती दोहराने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा। योगी ने कहा कि 2017 से पहले छात्रवृत्ति में भारी गड़बड़ियां होती थीं। राशि समय पर नहीं मिलती थी और भेदभाव भी होता था। लेकिन 2017 में भाजपा सरकार आने के बाद 2016-17 और 2017-18 की छात्रवृत्ति हर बच्चे तक पहुंचाई गई। सीएम ने जोर देकर कहा कि अब डीबीटी से पैसा सीधे खाते में जाता है, न कोई बिचौलिया, न भ्रष्टाचार। सीएम ने बताया कि 2017-18 से 2024-25 तक एससी-एसटी वर्ग के 1.23 करोड़ छात्रों को 9,150 करोड़ रुपये छात्रवृत्ति दी गई। सामान्य वर्ग के 58.90 लाख छात्रों को 5,945 करोड़ रुपये और पिछड़े वर्ग के 2.07 करोड़ छात्रों को 13,535 करोड़ रुपये छात्रवृत्ति दी गई। मंत्री नरेंद्र कश्यप, असीम अरुण, राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी, संजीव गौड़, अनुसुचित जाति-जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत आदि इस अवसर पर मौजूद रहे।

स्कॉलरशिप दोगुनी बजट की कमी नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017-18 में 1,648 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति दी जाती थी, 2025-26 में यह बढ़कर 3,124 करोड़ रुपये हो गई है। यानी स्कॉलरशिप दोगुनी हो चुकी है। 2017 से अब तक 2 करोड़ से ज्यादा छात्रों को छात्रवृत्ति का लाभ मिल चुका है।

आत्मनिर्भर भारत आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश

मिशन 2047

विज़न 2047 हमारे लिए एक संकल्प है। एक ऐसा संकल्प कि हम उत्तर प्रदेश को न केवल भारत का सबसे सशक्त और समृद्ध राज्य बनाएँगे, बल्कि दुनिया के सामने विकास, संस्कृति और मानवीय मूल्यों का आदर्श भी पेश करेंगे। हम वो प्रदेश बनाएंगे जो न केवल भारत में, बल्कि पूरी दुनिया में अपने विकास, अपनी तकनीकी ताकत, अपने उद्योग और अपनी अद्वितीय संस्कृति के लिए जाना जाएगा। यहाँ विकास की गंगा व परंपरा की यमुना साथ-साथ बहेंगी। आइए, हाथ से हाथ, मन से मन और कदम से कदम मिलाकर हम सब इस महान यात्रा का शुभारंभ करें।

चिन्हित 12 सेक्टर

कृषि एवं संबद्ध	पशुधन संरक्षण	स्वास्थ्य	शिक्षा	पर्यटन	सुरक्षा एवं सुशासन
अवस्थापना	समाज कल्याण	संतुलित विकास	नगर एवं ग्राम्य विकास	औद्योगिक विकास	आईटी एवं इमर्जिंग टेक्नोलॉजी

पर्यटन सेक्टर

1947-2017 तक उपेक्षा के कारण उत्तर प्रदेश की राष्ट्रीय पर्यटन हिस्सेदारी घटकर 13.1% रह गई

2017 के बाद तीव्र उछाल से यह 18.99% पहुँची

श्रीकाशी विश्वनाथ धाम, श्रीराम जन्मभूमि, दीपोत्सव, ब्रज विकास, पर्यटन परिपथ और हेलीपोर्ट सुविधाओं से यूपी बना धार्मिक-सांस्कृतिक पर्यटन का वैश्विक केंद्र

महाकुंभ 2025 ने यूपी को विश्व मानचित्र पर स्थापित कर अर्थव्यवस्था व रोजगार को नया आयाम दिया

2047 तक पर्यटन के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश

लघु अवधि (2029-30 तक)

नैमिषारण्य, विंध्याचल, मथुरा जैसे नए पर्यटन कॉरिडोर, रामायण-कृष्ण-बौद्ध सर्किट का विस्तार, ईको टूरिज्म और विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ाने पर फोकस

मध्यम एवं दीर्घ अवधि (2030-47)

यूपी को विश्व की सांस्कृतिक राजधानी के रुप में स्थापित कर परंपराओं और समृद्ध वैभव को वैश्विक पहचान दिलाना

नगर एवं ग्राम्य विकास सेक्टर

1947-2017 तक शहरीकरण अव्यवस्थित रहा

निकाय और बजट आबादी के अनुरुप नहीं थे, बुनियादी सुविधाएँ अधूरी और विकास असंतुलित था

2017 के बाद योजनाबद्ध और तकनीक-सक्षम शहरीकरण शुरु हुआ

नए व विस्तारित निकाय, स्मार्ट सिटी मॉडल बने

राज्य राजधानी क्षेत्र और क्षेत्रीय विकास योजनाओं से जल-सीवर का संयोजन

हरित क्षेत्र और स्वच्छता में हुआ सुधार

2047 तक नगर विकास

लघु अवधि (2029-30 तक)

हर शहर को आधुनिक स्मार्ट सिटी बनाना, जहाँ स्वच्छ पेयजल व स्वच्छता उपलब्ध हो

24x7 बिजली और पक्का आवास उपलब्ध हो

मेट्रो, लाइट मेट्रो और इको-फ्रेंडली पब्लिक ट्रांसपोर्ट से शहरी कनेक्टिविटी सुदृढ़ करना

तीन नए रीजनल आर्थिक जोन, पारदर्शी नगर वित्तीय प्रबंधन, आधुनिक सीवेज व अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली लागू करना

मध्यम एवं दीर्घ अवधि (2030-47)

पाँच अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्मार्ट शहर विकसित करना, जो कनेक्टिविटी, जीवन स्तर और निवेश के मामले में वैश्विक मानकों के अनुरुप हों

पूरे प्रदेश में 100% ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन तथा वैज्ञानिक पुनर्चक्रण व्यवस्था सुनिश्चित करना

आपके सुझाव से बनेगा विकसित उत्तर प्रदेश

UP 2047

मिशन

समग्र विकास
हर नागरिक को घर, पानी, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य

आर्थिक नेतृत्व
उद्योग, कृषि और सेवा क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी बढ़त

सांस्कृतिक पुनर्जागरण
परम्परा और आधुनिकता का संतुलित संगम

पशुधन संरक्षण सेक्टर

वर्ष 2017 तक अपार संभावनाओं के बाद भी पशुधन और दुग्ध विकास सेक्टर उपेक्षित रहा

पहले दुग्ध, अंडा और मत्स्य क्षेत्र में योगदान सीमित था

2017 के बाद नस्ल सुधार, कृत्रिम गर्भाधान, चारा व चिकित्सा प्रबंधन और गोवंश संवर्धन- संरक्षण से बड़ा बदलाव आया

प्रदेश में 414 लाख मी. टन दुग्ध उत्पादन हो रहा है (राष्ट्रीय योगदान 16.2%, देश में प्रथम)

अंडा उत्पादन में दोगुनी वृद्धि, मत्स्य उत्पादन में क्रांतिकारी बदलाव का साक्षी बना उत्तर प्रदेश

यह सेक्टर रोजगार-सेवायोजन के नए अवसरों का सहज माध्यम बन कर उभरा है

2047 तक पशुधन संरक्षण

लघु अवधि (2029-30 तक)

प्रदेश में दुधारु पशुओं की उत्पादकता दोगुनी, अंडा उत्पादन एवं मत्स्य उत्पादन में देश का शीर्ष राज्य बनना

गोवंश नस्ल सुधार, सॉर्टेड AI, प्रोटीनयुक्त आहार और निर्यातोन्मुख मछली प्रजातियों का विस्तार करना

मध्यम एवं दीर्घ अवधि (2030-47)

उत्तर प्रदेश को दूध व अंडा उत्पादकता में विश्वस्तरीय स्तर पर पहुँचाना

मत्स्य व पशुपालन को निर्यातोन्मुख बनाना और पशुधन विज्ञान व प्रबंधन के अंतरराष्ट्रीय संस्थानों की स्थापना करना

अवस्थापना सेक्टर

1947-2017 तक प्रदेश में आधारभूत ढांचा लगभग ठहरा रहा

सीमित सड़क और हवाई कनेक्टिविटी, औद्योगिक विकास हेतु कोई ठोस नीति नहीं थी और ऊर्जा उत्पादन मात्र 12,000 मेगावॉट तक सीमित था

2017 के बाद जल, थल और नभ तीनों मोर्चों पर अभूतपूर्व प्रगति हुई। 22 एक्सप्रेसवे, 16,000 किमी रेल लाइन, मल्टीमोडल लाजिस्टिक्स हब, 16 संचालित व 5 निर्माणाधीन हवाई अड्डे तथा जेवर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट जैसे प्रोजेक्ट्स ने उत्तर प्रदेश को इंफ्रास्ट्रक्चर पॉवरहाउस बना दिया

ऊर्जा उत्पादन 20,000 मेगावॉट से अधिक और विद्युतीकृत मजरों की संख्या दोगुनी हो गई

2047 तक अवस्थापना

लघु अवधि (2029-30 तक)

जेवर एयरपोर्ट को आधुनिक कार्गो ट्रांजिट हब बनाना

सभी जिलों को एक्सप्रेसवे से जोड़ना

स्मार्ट ग्रिड और नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार तथा नेपाल सीमा पर ट्रांजिट हब और पर्यटन स्थलों पर रोपवे विकसित करना

मध्यम एवं दीर्घ अवधि (2030-47)

"एक मंडल-एक एयरपोर्ट" के तहत हर मंडल में विश्वस्तरीय हवाई अड्डे का विकास

उत्तर प्रदेश को वैश्विक विमानन और अवसंरचना का केंद्र बनाने पर फोकस

अपने विचार और संकल्प साझा करने के लिए अभी QR कोड स्कैन करें या विज़िट करें:

https://samarthuttarpradesh.up.gov.in

शिक्षा सेक्टर

1947-2017 तक शिक्षा अवसंरचना कमजोर रही ड्रॉपआउट दर अधिक और तकनीकी-कौशलपरक शिक्षा का अभाव था

बेरोजगारी, भर्तियों में भेदभाव और महिलाओं की सीमित भागीदारी बड़ी चुनौतियाँ थीं

2017 के बाद व्यापक सुधार हुए, स्कूल चलो अभियान और ऑपरेशन कायाकल्प से विद्यालयों में बुनियादी सुविधाएँ पहुँचीं

अटल आवासीय विद्यालय, मुख्यमंत्री अभ्युदय कंपोजिट विद्यालय और प्रोजेक्ट अलंकार जैसे अभिनव प्रयास हुए

10 नए राज्य विश्वविद्यालय, आधुनिक आईटीआई और लगभग 50 लाख टैबलेट-स्मार्टफोन से युवाओं का डिजिटल सशक्तिकरण हुआ

पारदर्शी भर्तियों से लाखों युवाओं को रोजगार और महिला श्रम भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई

2047 तक शिक्षा क्षेत्र

लघु अवधि (2029-30 तक)

थीम आधारित विश्वविद्यालयों की श्रृंखला, ग्लोबल स्किल यूनिवर्सिटी की स्थापना

IIT-IIM समकक्ष संस्थानों की स्थापना, साथ ही अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के कैम्पस व एक्सचेंज प्रोग्राम से युवाओं को वैश्विक अवसर देना

मध्यम एवं दीर्घ अवधि (2030-47)

उत्तर प्रदेश को शिक्षा व कौशल विकास का वैश्विक केंद्र बनाना

प्रदेश में विश्वस्तरीय अनुसंधान और नवाचार केंद्र स्थापित हों और प्रदेश की उच्च शिक्षा संस्थाओं को अंतराष्ट्रीय ख्याति दिलाने पर जोर

समाज कल्याण सेक्टर

1947-2017 तक योजनाओं का लाभ सीमित और अपारदर्शी रहा

2017 के बाद लक्षित व पारदर्शी मॉडल से 6 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए

जीरो पावर्टी अभियान, पेंशन, सामूहिक विवाह, उज्ज्वला, अन्नपूर्णा भवन व राशन कार्ड बना सुरक्षा कवच

2047 तक सामाजिक सुरक्षा एवं गरीब कल्याण

लघु अवधि (2029-30 तक)

वंचित वर्गों को शिक्षा स्वास्थ्य आवास-आजीविका में समान अवसर

महिलाओं की श्रम भागीदारी को 50% तक बढ़ाना, बहुआयामी गरीबी का उन्मूलन और हर नागरिक को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने का लक्ष्य

मध्यम एवं दीर्घ अवधि (2030-47)

पूर्वांचल बुंदेलखंड का संतुलित विकास

युवाओं को नवाचार, खेल-संस्कृति में वैश्विक अवसर

यूपी को स्किल्ड मानव संसाधन का प्रमुख आपूर्तिकर्ता बनाना

ADVERTORIAL

पंचम स्कंदमाता

पहाड़ों पर रहकर सांसारिक जीवों में नवचेतना का निर्माण करने वाली स्कंदमाता। नवरात्रि में पांचवें दिन इस देवी की पूजा-अर्चना की जाती है। कहते हैं कि इनकी कृपा से मूढ़ भी ज्ञानी हो जाता है। स्कंद कुमार कार्तिकेय की माता के कारण इन्हें स्कंदमाता नाम से अभिहित किया गया है। इनके विग्रह में भगवान स्कंद बालरूप में इनकी गोद में विराजित हैं। देवी स्कंदमाता की पूजा से बुध ग्रह का दोष कम होता है।

बीज मंत्र...ह्रीं क्लीं स्वमिन्यै नमः।

बरेली बवाल के बाद जिलेभर में हाईअलर्ट

डीएम-एसएसपी खुद मैदान में उतरे, पुलिसबल ने संभाला मोर्चा, ड्रोन व फ्लैग मार्च से की निगरानी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : आई-लव-मोहम्मद को लेकर प्रदेश में अलर्ट जारी है। किसी भी दशा में माहौल न बिगड़े, इसके लिए जुमे की नमाज को लेकर पहले से ही भारी फोर्स के साथ जिलाधिकारी और एसएसपी मैदान में थे। इस दौरान शांतिपूर्ण नमाज अदा हुई और लोग घरों को निकल गए। इस बीच बरेली में बवाल की जानकारी के बाद प्रदेश भर में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया। जिसके बाद दोबारा पुलिस सड़कों पर उतरी और मोर्चा संभाला। हालांकि, जिले में माहौल शांतिपूर्ण है। पल-पल की स्थिति पर नजर रखने के लिए ड्रोन से निगरानी की जा रही है। अधिकारियों ने सभी से अपील की है कि किसी के भी बहकावे में न आए। खुराफात करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

प्रकरण को लेकर जिले में संभावित जुलूस निकालने की सूचना के मद्देनजर शुक्रवार को पुलिस-प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जिले में कड़े इंतजाम रहे। किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचने के लिए सभी संवेदनशील इलाकों की निगरानी की। खासकर उन स्थानों पर विशेष नजर रखी गई, जहां किसी भी प्रकार के प्रदर्शन की आशंका जताई जा रही थी। इसके अलावा पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की टीमों ने शहर के अलग-अलग इलाकों में फ्लैग मार्च भी किया।

जामा मस्जिद के अलावा सभी स्थानों नमाज शांति पूर्ण अदा हो गई। दोपहर में बरेली में हुए बवाल के बाद एक बार फिर पुलिस सड़कों पर उतर आई। जगह-जगह पैदल मार्च करते हुए अधिकारियों ने दोबारा निगरानी बढ़ा दी। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह, सीओ सुनीता दहिया, सीओ कुलदीप गुप्ता, सीओ कटघर वरुण कुमार व फोर्स लगातार शहर में भ्रमण करते रहे। एक बार फिर धर्मगुरुओं से अधिकारियों ने संवाद करना शुरू कर दिया। लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की गई है।

जामा मस्जिद से नमाज पढ़ कर वापस जाते नमाजी। ● अमृत विचार

जामा मस्जिद चौराहे पर तैनात पुलिस बल। ● अमृत विचार

- **जुमे की नमाज शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न**
- **अधिकारियों ने की अफवाहों से बचने की अपील**

शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने की अपील

मुरादाबाद, अमृत विचार : आगामी त्योहार और अन्य महत्वपूर्ण अवसरों के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिलाधिकारी अनुज सिंह ने शुक्रवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल व अन्य अधिकारियों के साथ महानगर के क्षेत्रों का भ्रमण किया गया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय संभ्रांत जनों से वार्ता कर शांति पूर्ण माहौल बनाए रखने की अपील की। सुरक्षा व्यवस्था में नागरिकों से प्रशासन और पुलिस का सहयोग करने के लिए कहा।

आई-लव मोहम्मद प्रकरण में राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

मुरादाबाद, अमृत विचार : आई-लव-मोहम्मद प्रकरण में शुक्रवार को मोहल्ला शनिवार के बाजार पर स्थित जामा मस्जिद पर शहर इमाम शम्मे आलम व नगर पंचायत अध्यक्ष मोहम्मद याकूब के साथ में लोगों ने सीओ हाईवे राजेश कुमार व थाना प्रभारी योगेश कुमार मावी को जुलूस के दौरान एक पक्षीय कार्रवाई करने एवं उनके खिलाफ मुकदमा पंजीकृत करने के बारे में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि रावतपुर स्थित सैयद नगर कानपुर में आई- लव- मोहम्मद लिखा बैनर लगाए जाने पर इसे नई परंपरा बताते हुए लगभग 25 मुस्लिम युवकों के खिलाफ पुलिस द्वारा मुकदमा पंजीकृत किया है। जिसे संविधान के मूल अधिकारों का उल्लंघन बताया है। राष्ट्रपति से प्रकरण में हस्तक्षेप करने की मांग की गई है। इस दौरान सैयद नजीरुल कादरी, मुफ्ती सलीम, हाफिज तसव्वर, हाफिज नईम, क़ारी मेहफूज, क़ारी मतलुब, कारी एहसान, कारी अब्बास, हाफिज मुकर्रम, कारी अनवर, कारी साजिद, मौलाना मोहम्मद आलम, हाफिज अली अकबर, हाफिज हसरत अली, हाफिज़ दानिश, हाफिज जुबेर, हाफिज मोहम्मद अली, मौलाना शाने अज़हरी, मौलाना नसीम, कारी इंसाफ, मौलाना दिलदार, मौलाना शाकिर रज़ा, मुल्लाजी रशीद, मौलाना जरार व कारी अय्यूब शामिल रहे।

ब्रीफ न्यूज

जयाप्रदा पर अभद्र टिप्पणी में सुनवाई टली 10 अक्टूबर को होगी

मुरादाबाद, अमृत विचार : रामपुर की पूर्व सांसद और अभिनेत्री जया प्रदा पर अभद्र टिप्पणी मामले की सुनवाई शुक्रवार को नहीं हो पाई। केस के विवेचक ऋषिपाल सिंह अपने बयान दर्ज कराने कोर्ट पहुंचे, लेकिन न्यायिक अधिकारी के अवकाश पर होने के कारण अगली सुनवाई 10 अक्टूबर को तय की गई है। यह मामला 2019 में दर्ज किया गया था। आरोपियों में आजम खां, मुरादाबाद के पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन, अब्दुल्ला आजम, फिरोज खान आरिफ और रामपुर के पूर्व चेयरमैन अजहर खान शामिल हैं। आरोप है कि 2019 लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद मुरादाबाद के कटघर क्षेत्र में आयोजित सम्मान समारोह में जयाप्रदा पर अभद्र टिप्पणी की गई थी। एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में चल रही इस मामले की सुनवाई में जयाप्रदा के अधिवक्ता वैभव अग्रवाल ने बताया कि विवेचक के बयान दर्ज कराने थे, लेकिन सुनवाई स्थगित हो गई। अब अगली सुनवाई 10 अक्टूबर को होगी।

महिला ने फंदा लगा दी जान, पति हिरासत में

मुरादाबाद, अमृत विचार : थाना गलशहीद क्षेत्र के असालतपुरा मेहंदी का तिराहा निवासी अज्जू कुरैशी ने बंगाल की आशा से प्रेम विवाह किया था। बताया गया कि अज्जू पत्नी के साथ मकान के ऊपरी हिस्सा में रहता है और मां नीचे रहती है। अज्जू व आशा में आए दिन विवाद होता था। पति से विवाद के बाद शुक्रवार को उसका शव कमरे में पंखे से दुपट्टे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची गलशहीद थाना पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा। वहीं पुलिस ने पति को भी हिरासत लेकर आशा के परिजनों को सूचना दी। मायके वाले बंगाल रवाना हो गए। शनिवार को पोस्टमार्टम होगा।

2653 विद्यार्थियों को मिली छात्रवृत्ति

मुरादाबाद, अमृत विचार : राज्य स्तर पर आयोजित छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण बच्चों ने उत्साहपूर्वक देखा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण छात्र-छात्राओं ने आकांक्षा विद्यापीठ इंटर कॉलेज मिलन विहार में देखा। शुक्रवार को कक्षा 9-10 तथा कक्षा 11-12 के के कुल 2653 छात्र-छात्राओं को 62.96 लाख रुपये की राशि उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की गई। लाभार्थियों में अनुसूचित जाति के 413, सामान्य वर्ग के 164, पिछड़ा वर्ग के 1649 व अल्पसंख्यक वर्ग के 427 छात्र-छात्राएं शामिल हैं। आंकांक्षा विद्यापीठ इंटर कॉलेज में अध्ययनरत कक्षा 9-10 व 11-12 के अनुसूचित जाति, सामान्य वर्ग व अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। इस दौरान कई अधिकारी मौजूद रहे।

घोटाला: 4.49 करोड़ का फर्जी आईटीसी क्लेम, 12.48 करोड़ की वसूली अटकी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: राज्य कर विभाग की कार्रवाई में मुरादाबाद की एक फर्म द्वारा कर चोरी व धोखाधड़ी का मामला खुला है। सीधी सराय निवासी शबाना परवीन पर आरोप है कि उन्होंने फर्म पैराडाइज कॉरपोरेशन बना फर्जी बिलों के आधार पर 4.49 करोड़ रुपये से अधिक का इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) क्लेम किया और उसे अन्य फर्मों को पास ऑन भी किया।

राज्य कर अधिकारी बलवंत सिंह ने थाना गलशहीद में दी तहरीर में बताया कि शबाना परवीन ने 2011 में पैराडाइज कॉरपोरेशन को कर पंजीकरण दिलवा जीएसटी नंबर प्राप्त किया। फर्म का पता उनका खुद का निवास स्थान ही दर्ज है। विभागीय सर्वेक्षण के दौरान मौके पर शबाना परवीन का बेटा नूरुल इस्लाम मौजूद मिला। जांच में सामने आया कि फर्म द्वारा वास्तविक माल की खरीद किए बिना सिर्फ फर्जी टैक्स चालान के आधार पर आईटीसी अर्जित किया गया। जांच में यह साबित हुआ कि 2018-19 से 2022-23 तक कुल 4,49,58,533 रुपये का बोगस आईटीसी क्लेम किया गया। इसके आधार पर वास्तविक आपूर्ति किए बिना टैक्स चालान जारी कर अन्य फर्मों को भी लाभ पहुंचाया गया। राज्य कर विभाग ने धारा 73/74 के तहत 12,48,65,150 रुपये (कर, ब्याज और जुर्माना) की मांग उठाई। लेकिन वसूली संभव नहीं हो पाई। जांच में पाया गया कि शबाना ने विभिन्न सप्लायर और खरीदार फर्मों के साथ मिलकर फर्जी बिलिंग का जाल बिछाया। मिलीभगत से सरकार को भारी राजस्व हानि हुई। तहरीर में शबाना और उनसे लाभ पाने वाले अन्य व्यक्तियों के खिलाफ कर चोरी, साजिश और धोखाधड़ी के आरोप में 61(2), 318, 338, 336 के तहत कार्रवाई की संस्तुति की गई है। थानाध्यक्ष गलशहीद पवन कुमार ने बताया कि दो नामजद और एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

- **महिला समेत तीन के खिलाफ एफआईआर दर्ज**

डिवाइडर से टकराई अर्टिगा, एक की मौत, 11 घायल

संवाददाता, बिलासपुर

अमृत विचार: नैनीताल हाईवे पर एक तेज रफ्तार टैक्सी कार डिवाइडर से टकरा गई। जिससे उसमें सवार तीन बच्चों व ड्राइवर सहित 11 नेपाली यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। एक ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, जबकि घायलों का उपचार जारी है।

मृतक रन सिंह।

कोतवाली क्षेत्र में उत्तराखंड बॉर्डर के नजदीक इंदरपुर रेलवे क्रॉसिंग के फ्लाईओवर पर यह हादसा गुरुवार रात करीब 11 बजे हुआ। अर्टिगा में सवार 11 नेपाली नागरिक महेंद्रनगर से दिल्ली जा रहे थे। इन यात्रियों में एक ड्राइवर व तीन बच्चे भी थे। अचानक तेज रफ्तार कार फ्लाईओवर के डिवाइडर से जा टकराई। तेज आवाज के साथ यात्रियों की चीख-पुकार सुनाई देने लगी। मौके पर भीड़ एकत्र हो गई। रुद्र-बिलास चौकी प्रभारी भी मौके पर पहुंच गए। घायलों को क्षतिग्रस्त कार से बाहर निकालकर सीमा पर स्थित एक ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया।वहां डॉक्टर ने घायलों में शामिल एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया। नेपाल के महेंद्रनगर निवासी मृतक का नाम रन सिंह(60) पुत्र जग्गे सिंह है।घायलों में नेपाल के कैलाली निवासी भरत(25) पुत्र जगत व उनकी पत्नी दुर्गा खत्री(23), पुत्री रूबी(5) व पुत्र विवान(6), झलारी महेंद्र नगर निवासी कविता(33) पुत्री लाल बहादुर व अस्मिता(17) पुत्री जीत बहादुर तथा गुड़गांव के अशोक विहार निवासी राधा(35) पत्नी दीपेन्द्र व उनकी पुत्री आराध्या (4) आदि शामिल हैं। कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक बलवान सिंह ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। घायलों का उपचार चल रहा है। क्षतिग्रस्त कार कब्जे में ले ली है।

जिला अस्पताल में बैठे रन सिंह के परिजन। ● अमृत विचार

हादसे के बाद क्षतिग्रस्त कार।

- **बिलासपुर थाना क्षेत्र में हुआ हादसा, अर्टिगा से महेंद्रनगर से दिल्ली जा रहे थे सभी**

गर्माया बरेली तो रामपुर में बढ़ाई गई सतर्कता

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : जुमे की नमाज के दौरान सुरक्षा के मद्देनजर जिले भर में पुलिस प्रशासन व जिला प्रशासन अलर्ट रहा। शहर की जामा मस्जिद में नमाज के दौरान ड्रोन से निगरानी हुई। बरेली में हुए बवाल के बाद प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाए हैं। तहसील स्वार के ग्राम मीरापुर में पुलिस ने आई लव मोहम्मद लिखे बैनर उतरवाए।

जुमे की नमाज के मद्देनजर शहर की जामा मस्जिद के आसपास पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस ने जुमे की नमाज के दौरान जामा मस्जिद और उसके आसपास के क्षेत्र में ड्रोन से निगरानी की। बरेली में आईएमसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा खां ने जुमे की नमाज के बाद शांतिपूर्वक तरीके से प्रशासन को ज्ञापन देने का ऐलान किया था। बरेली में जुमे की नमाज के बाद लोग नौमहला मस्जिद और इस्लामिया के आसपास जमा होने लगे और नारेबाजी शुरू कर दी। भीड़ में शामिल लोग बेकाबू होते दिखाई देने पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया जिससे भगदड़ मच गई और कई लोग घायल हो गए। सूचना मिली तो रामपुर प्रशासन अलर्ट हो गया और नमाज के दौरान अतिरिक्त सतर्कता बरती गई।

शहर की जामा मस्जिद के आसपास पुलिस बल और खुफिया विभाग के अधिकारियों को तैनात कर दिया गया और ड्रोन कैमरे से निगरानी की गई। जुमे की नमाज शांतिपूर्वक निपट गई और नमाज पढ़ कर नमाजी घरों को चले गए। नमाज के बाद प्रशासन ने राहत की सांस ली। पुलिस ने मीरापुर गांव में लगे आई लव मोहम्मद के पोस्टर और फ्लेक्सी उतरवा दी है।

जुमे की नमाज के दौरान जामा मस्जिद के मुख्य द्वार पर तैनात पुलिस बल।

- **मीरापुर गांव में पुलिस ने आई लव मोहम्मद लिखे बैनर उतरवाए**
- **जुमे की नमाज को लेकर पुलिस व जिला प्रशासन रहा अलर्ट**

> आई लव मोहम्मद के बैनर और फ्लेक्सी लगाए जाने को लेकर उलमा से राय मशविरा किया जाएगा। इसके बाद इस मामले में कोई बात की जा सकती है।
> – **मो. मकसूद,** शहर मुफ्ती

टाउनशिप 'नया रामपुर' को कैबिनेट से मंजूरी

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: रामपुर विकास प्राधिकरण की दूसरी टाउनशिप ''नया रामपुर'' को कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है। पहली टाउनशिप के जमीन अधिग्रहण के बाद अब आरडीए की दूसरी टाउनशिप को कैबिनेट ने हरी झंडी दी है। रामपुर, लखनऊ, अयोध्या, बागपत प्राधिकरण की योजनाओं के लिए सीड कैपिटल की कुल 1832.51 करोड़ स्वीकृत करते हुए प्रथम किश्त के रूप में कुल 970 करोड़ रुपये अवमुक्त होंगे। इसमें रामपुर को करीब सौ करोड़ रुपये जारी होने का अनुमान है।

शुक्रवार को मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण, नए शहर प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत नए शहरों का समग्र एवं समुचित विकास किये जाने के लिए रामपुर, अयोध्या, लखनऊ, बागपत बड़ौत-खेकड़ा विकास प्राधिकरण को धनराशि कैबिनेट में स्वीकृत की गई है। जिलाधिकारी जोगिंदर सिंह ने बताया कि 264 एकड़ में बनने वाली इस टाउनशिप पर 8.88 अरब रुपये का खर्चा आएगा। शासन ने जमीन खरीदने के लिए 3.34 अरब रुपये की व्यवस्था होगी। पहली टाउनशिप बसाने के लिए इस वक्त जहां जमीनों को खरीदने का काम लगभग पूरा हो गया है, वहीं दूसरी ओर अब आरडीए दूसरी टाउनशिप को भी कैबिनेट से हरी झंडी मिल गई है। शहरी आवास योजना के तहत आरडीए की दूसरी टाउनशिप भी मौजूदा नैनीताल रोड पर ही बसाई जाएगी। पहाड़ी और भमरौवा गांव के पास 264 एकड़ जमीन पर यह टाउनशिप विकसित की जाएगी। भमरौआ के 185 निजी गाटे व 46 सरकारी गाटे चिह्नित किए गए हैं। जमीन खरीद का काम अगले माह से शुरू होगा। आवासीय योजना में लगभग 2500 से 3000 प्लॉट आवंटित किए जाएंगे। आरडीए की इस परियोजना को शासन ने हरी झंडी दे दी है। 8.88 अरब रुपये की लागत से तैयार होने वाली दूसरी टाउनशिप के लिए कैबिनेट की मुहर लग गई है। शासन ने जमीन खरीदने के लिए 3.34 अरब रुपये की मंजूरी दी है। आउटर रिंग पर बसने वाली इस टाउनशिप के लिए सौ करोड़ रुपये जल्द ही रिलीज होंगे।

- **रामपुर सहित चार प्राधिकरणों को 970 करोड़ पहली किस्त जारी होगी**
- **आरडीए को करीब सौ करोड़ की धनराशि मिलने का अनुमान**

तथ्यों पर एक नजर

- ग्राम पहाड़ी एवं भमरौआ में लगभग 264 एकड़ पर विकसित होगी दूसरी परियोजना
- 8.88 अरब रुपये पूरी परियोजना पर होंगे खर्च
- भूमि क्रय किए जाने हेतु कुल 3.34 अरब रुपये रखे गए हैं।
- विकास कार्यों हेतु लगभग 555 करोड़ व्यय होना अनुमानित है।

यह रहेंगी सुविधाएं

आवासीय योजना में एक मिनी स्टेडियम, अस्पताल, विद्यालय स्थापित होंगे। सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी के साथ-साथ एक पुलिस चौकी भी प्रस्तावित की गई है।

डॉ. देवेश बने झोलाछाप के अस्थाई नोडल

रामपुर, अमृत विचार : मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. दीपा सिंह ने बताया कि पीएचसी नगलिया आकिल के अधीक्षक डॉ. देवेश चौधरी को लेवल-1 से लेवल-3 पर प्रमोशन नहीं दिया गया है। वह जिस पद पर थे, उसी पद पर बने हुए हैं। उन्हें झोलाछाप का नोडल बनाया गया है। निजी अस्पतालों के पंजीकरण का नोडल डॉ. सत्यमूर्ति तोमर को बनाया गया है।

उन्होंने कहा कि निजी अस्पतालों के डॉक्टर डिग्री लेकर नोडल अधिकारी या उनसे मिलेंगे। सीएमओ ने बताया कि लेवल बलने का काम शासन का है। बताया कि झोलाछाप और फर्जी अस्पतालों की शिकायतें बहुत मिल रही हैं। जो नोडल पहले से तैनात थे उनके पास समय नहीं होने के कारण वह काम नहीं कर रहे थे, इसलिए डॉ. देवेश चौधरी को नोडल बनाया गया है।

प्रबंध निदेशक ने छह माह में फुंके ट्रांसफार्मरों की रिपोर्ट मांगी

कार्यालय संवाददाता मुरादाबाद

अमृत विचार: बिजली विभाग में बीते छह महीनों में लगातार ट्रांसफार्मर फुंकने की घटनाओं ने सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रबंध निदेशक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अधीक्षण अभियंता (टेस्ट) से पूरी रिपोर्ट तलब की है और पूछा है कि ट्रांसफार्मर जांच के दौरान फुंकने के कारण स्पष्ट क्यों नहीं बताए गए।

शुक्रवार को अधीक्षण अभियंता ने बताया कि पूर्व में ट्रांसफार्मरों के बारे में प्रबंध निदेशक ईशा दुहन ने टेस्ट विभाग से कहा है कि भेजी गई रिपोर्ट में केवल ट्रांसफार्मर फुंकने की जानकारी दी गई, लेकिन उनमें खराबी के तकनीकी कारणों का कोई जानकारी नहीं दी गई। इससे यह संदेह गहराता है कि जांच अपने हिसाब से की गई, न ट्रांसफार्मर की हकीकत जानने के बाद की गई है या फिर जानबूझकर लापरवाही बरती गई है। ट्रांसफार्मर चेक करते समय जो रिपोर्ट विभाग को भेजी गई, उसमें सिर्फ उपकरण के खराब होने की सूचना दी गई, जबकि यह स्पष्ट नहीं किया गया कि फुंकने का वास्तविक कारण क्या था। अब टेस्ट विभाग से यह पूछा गया है कि आखिर इतने महत्त्वपूर्ण उपकरणों की रिपोर्ट अधूरी क्यों भेजी गई। प्रबंध निदेशक ने अधीक्षण अभियंता (टेस्ट) को नोटिस जारी कर जल्द से जल्द विस्तृत और कारण सहित रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं।

- **टेस्ट विभाग से जवाब तलब बिजली विभाग में मचा हड़कंप**

नगीना सांसद की छवि धूमिल का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

धामपुर (बिजनौर), अमृत विचार : नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद की एक वीडियो को लेकर उनके समर्थकों में नाराजगी देखी गई है। सांसद प्रतिनिधि ने धामपुर थाना कोतवाली में अज्ञात फेसबुक आईडी संचालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

सांसद प्रतिनिधि का कहना है कि वास्तव में सांसद ग्रीन टी पी रहे हैं, जबकि आरोपी ने उसे शराब बता उन्हें बदनाम किया है। धामपुर में सांसद प्रतिनिधि विवेक सेन ने ये शिकायत गुरुवार देर शाम दर्ज कराई है। उन्होंने अपनी तहरीर में बताया कि फेसबुक पर आईडी संचालक ने सांसद चंद्रशेखर को लेकर आपत्तिजनक वीडियो साझा की है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कार्यक्रम | कृषक गोष्ठी और मिलेट्स मेले में पहुंचे किसान और स्कूली बच्चे

फसल अवशेष प्रबंधन व श्री अन्न की खेती को बढ़ावा देने पर जोर

कार्यालय संवाददाता,मुरादाबाद

अमृत विचार : कृषि विभाग द्वारा जनपद स्तरीय एक दिवसीय कृषक गोष्ठी एवं मिलेट्स मेला सह प्रदर्शनी पंचायत भवन सभागार में शुक्रवार को हुआ। इसमें कृषि, गन्ना, उद्यान, पशुपालन, शिक्षा विभाग सहित कई विभागों के स्टॉल लगाए गए। जिन पर किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन, मिलेट्स की खेती और उसके लाभ के बारे में कृषि वैज्ञानिकों ने विस्तार से जानकारी दी। किसानों को समय समय पर जानकारी लेने के विशेषज्ञों ने अपने मोबाइल नंबर मंच से साझा किए। संयुक्त निदेशक कृषि ने किसान को ट्रैक्टर की चाबी सौंपी।

पंचायत भवन में कृषि प्रदर्शनी के मंच से संयुक्त निदेशक कृषि संतोष कुमार द्विवेदी ने फसल अवशेष प्रबंधन एवं मिलेट्स की उपयोगिता पर किसानों को सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ज्वार, बाजरा, सावा, कोदो, रागी, राम दाना, कद्दू आदि श्री अन्न की फसलें कम लागत, कम सिंचाई और कम कीटनाशक उपयोग के साथ उगाई जा सकती हैं। यह खेती किसानों के लिए अधिक लाभकारी साबित हो रही है। डीडी पंचायत ने बताया कि फसल अवशेष जलाने से वातावरण में जहरीली गैसें निकलती हैं, जो स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए हानिकारक हैं। उन्होंने फसल अवशेष को सड़ाकर खाद बनाया जाने की बात पर जोर दिया। जिससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है और पैदावार में सुधार होता है। इसके अलावा पराली जलाने पर कड़ी कार्रवाई के तहत जुर्माना लगाए जाने के बारे में जानकारी दी।

कृषि विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों ने प्राकृतिक खेती, मिट्टी स्वास्थ्य, फसल रोग प्रबंधन, पशु स्वास्थ्य तथा खेत तालाब योजना के विषय में किसानों को जानकारी दी। प्रगतिशील कृषक गौरव कुमार ने भी मोटे अनाज की बोआई, सहफसली और मल्चिंग अपनाने की सलाह दी।

कार्यक्रम में जिला कृषि अधिकारी राजेन्द्र पाल सिंह, जिला संख्याधिकारी, केनरा बैंक के प्रतिनिधि, कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, प्रशिक्षु किसान, टीएमयू के प्रोफेसर और आईएफटीएम के अध्यापक व बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अरुण मोहन सांख्यधर ने किया।

कृषि प्रदर्शनी में किसान जावेद पाशा को ट्रैक्टर की चाबी देते संयुक्त कृषि निदेशक जीवन प्रकाश।

किसान को सौंपी ट्रैक्टर की चाबी

संयुक्त निदेशक कृषि जीवन प्रकाश ने शेखर कृषि उत्पादक एवं एफपीओ सदस्य जावेद पाशा को एसएमएएम योजना के तहत फार्म मशीनरी बैंक के स्टॉल पर ट्रैक्टर की चाबी प्रदान कर सम्मानित किया। उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी हर्षित कुमार चौहान ने किसानों को वर्ष 2047 तक उत्तर प्रदेश को समर्थ एवं विकसित प्रदेश बनाने के लिए सरकार द्वारा जारी क्यूआर कोड स्कैन कर सुझाव देने का आग्रह किया।

अमृत विचार

मुरादाबाद, शनिवार, 27 सितंबर 2025

शहर में आज

- भगवान परशुराम सेवा समिति की ओर से 20वां महाव्रत पारायण व सम्मान समारोह मनोरंजन सदन में शाम 4:30 बजे
- दसवां घाट की रामलीला का मंचन रात 8:00 बजे
- लाइनपार की रामलीला का मंचन रात 9:00 बजे

न्यूज ब्रीफ

कांग्रेस नेता की पत्नी के निधन पर प्रदेश अध्यक्ष ने जताया शोक

मुरादाबाद, अमृत विचार : कांग्रेस नेता हितेश भटनागर की पत्नी रागिनी भटनागर (60) का हाल ही में निधन हो गया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने पत्र लिखकर शोक संवेदना व्यक्त की है। उनका शोक संदेश महानगर अध्यक्ष ने हितेश भटनागर को सौंपा। महानगर अध्यक्ष हाजी जुनैद इकराम ने बताया कि हितेश वरिष्ठ नेता हैं। वह नगर पालिका मुरादाबाद से कांग्रेस के निर्वाचित सभासद रह चुके हैं। वर्तमान में वह महानगर कांग्रेस कमेटी के सचिव हैं। शुक्रवार को महानगर अध्यक्ष ने प्रदेश अध्यक्ष का शोक संदेश कोर्ट रोड स्थित आवास पहुंचकर सौंपा। इस दौरान जिलाध्यक्ष विनोद गुंबर, उपाध्यक्ष व प्रवक्ता सुधीर पाठक, सादिक सिद्दीकी, असद मौलाई, अनुभव मेहरोत्रा, अनूप दुबे, शकील चौधरी, फईम मिर्जा, कमर सलीम, नजाकत ठेकेदार, गोपाल द्विवेदी, विवेक गुप्ता, नदीम अंसारी और मोहम्मद अब्बास आदि मौजूद रहे।

श्रमदान कर दिया स्वच्छता का संदेश

मुरादाबाद, अमृत विचार : स्वच्छता भारत अभियान को जनांदोलन बनाने के लिए विकास भवन के अधिकारी और कर्मचारियों ने खुद झाड़ू लगाई। सड़कों पर अधिकारियों व कर्मचारियों को श्रमदान करते देख लोग भी प्रभावित हुए। जिला पंचायत राज अधिकारी आलोक कुमार ने बताया कि इस विशेष अभियान के तहत विकास भवन परिसर से जागरूकता रैली निकाली गई। इसके बाद अधिकारियों व कर्मचारियों ने निर्धारित स्थानों पर झाड़ू लगा कर श्रमदान किया। लोगों को सफाई के लिए प्रेरित किया गया। बताया कि स्वच्छ भारत मिशन सिर्फ सरकार की योजना नहीं, बल्कि यह हर नागरिक की जिम्मेदारी है।

फर्जी मीडियाकर्मी के खिलाफ दी तहरीर

डिलारी, अमृत विचार : क्षेत्र में विद्युत विभाग से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए विद्युत उपकेंद्र पर कैंप लगाया गया था। जिसमें कथित मीडियाकर्मी अवैध काम कराने का दबाव बना रहा था। मामला उजागर होने पर बिजली विभाग के अधिकारी ने थाना डिलारी के गांव चटकाली निवासी मोहम्मद रिहान के नाम तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। विद्युत उपकेंद्र डिलारी पर तैनात अवर अभियंता प्रेम प्रकाश सिंह ने बताया कि मोहम्मद रेहान ने अपने को किसी न्यूज चैनल से जुड़ा बताकर अवैध वसूली की मांग की और सरकारी काम में बाधा डालने की कोशिश की। विरोध करने पर स्टाफ के साथ मारपीट करने पर उतारु हो गया।

गलत नीयत से पकड़ने का लगाया आरोप

छजलैट, अमृत विचार : छजलैट निवासी महिला ने थाना छजलैट में प्रार्थना पत्र द्वारा अवगत कराया कि वह अपने खेत पर सुबह के समय पशुओं के लिए हरा चारा लेने गई थी। तभी छजलैट के दो लोगों ने चरी के खेत में खींच लिया और जबरदस्ती की। एक व्यक्ति ने सिर में फावड़ा मार दिया।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
मो. 7906815587

सम्बन्ध विच्छेद
मैंने अपने पुत्र अहमद जफर आयु 28 वर्ष व पुत्र वधू अनीका पत्नी अहमद जफर को गलत संगत में पड़ जाने के कारण उनसे संबंध विच्छेद कर अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। जो व्यक्ति अहमद जफर व उसकी पत्नी अनीका से व्यवहार या लेन देन रखेगा वह अपने कृत्यों का खुद जिम्मेदार होगा, मुझसे या मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं रहेगा। मोहम्मद खलील पुत्र श्री मोहम्मद गुफरान निवासी मोहल्ला आजाद नगर थाना टांडा जनपद रामपुर।

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

सीडीओ ने चयनित ग्राम पंचायतों में नियमित रूप से जाकर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने का दिया निर्देश

डेंगू-मलेरिया से 202 ग्राम पंचायतें प्रभावित, स्वास्थ्य विभाग ने की पुष्टि

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : जनपद में डेंगू और मलेरिया तेजी से बढ़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार जिले की 202 ग्राम पंचायतों में डेंगू और मलेरिया के मामलों की पुष्टि हो चुकी है। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में हड़कंप मच गया है। मुख्य विकास अधिकारी ने पंचायती राज विभाग को सक्रिय कर दिया है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिन्हित डेंगू,मलेरिया संवेदनशील ग्राम पंचायतों की सूची पंचायत राज अधिकारियों को सौंप दी गई है। इसके बाद गांव-गांव में सफाई, एंटी-लार्वा छिड़काव और फॉगिंग का कार्य शुरू कर दिया गया है। 26 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चिह्नित ग्राम पंचायतों में सफाई अभियान चलेगा।

जिला पंचायत राज अधिकारी आलोक कुमार ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की ओर जिले के 202 ग्राम पंचायतों में डेंगू और मलेरिया जैसी गंभीर बीमारी फैलने की जानकारी दी गई है। इसे देखते हुए तत्काल हर ग्राम पंचायत में 5-5 सफाई कर्मियों की टीमें गठित की हैं। साथ ही, संवेदनशील ग्राम पंचायतों में 8-10 सफाई कर्मियों व अतिरिक्त श्रमिकों की तैनाती की गई है। ये टीमें घर-घर जाकर कूड़ा हटाने, नालियों की सफाई और एंटी-लार्वा का छिड़काव कर रही हैं। जहां पर कूड़े के ढेर जमा थे, वहां ट्रैक्टर-ट्राली और जेसीबी से हटाया गया। नालियों में जलभराव और गंदगी वाले स्थानों पर विशेष रूप से फॉगिंग की जा रही है, जिससे मच्छरों के पनपने की संभावना कम हो सके। 202 में से 137 ग्राम पंचायतों में विशेष अभियान चलाकर विशेष रूप से सफाई कराई गई। अभियान में विकासखंडवार रोस्टर के अनुसार टीमें लगाई गईं। जिसमें ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) समेत अन्य अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे। अभियान में सफाई के साथ ही लोगों को बीमारी से बचाव के लिए जागरूक भी किया जा रहा है। टीम में शामिल पंचायत सचिव, सहायक विकास अधिकारी ने ग्रामीणों से अपील की कि वह घरों और आसपास पानी जमा न होने दें, कूलर और टंकियों की नियमित सफाई करें और बुखार होने पर तुरंत स्वास्थ्य केंद्र जाएं।

- 2 अक्टूबर तक चलेगा सफाई अभियान, लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी

गांव माधोवाला में दवा छिड़काव करते पंचायत विभाग के कर्मचारी।

रामपुर गौरऊ में नालियां साफ करते सफाई कर्मचारी।

लापरवाही मिली तो तत्काल होगी कार्रवाई

मुख्य विकास अधिकारी मृणाली अविनाश जोशी ने बताया कि डेंगू और मलेरिया से बचाव के लिए कड़ी निगरानी की जाएगी। 2 अक्टूबर तक अभियान के दौरान विशेष सतर्कता बरती जाएगी। जिससे आगामी त्योहारों (दुर्गा पूजा, गांधी जयंती) के दौरान कोई स्वास्थ्य संकट न उत्पन्न हो। सभी सहायक विकास अधिकारियों (पंचायत) को नियमित रूप से ग्राम पंचायतों में भ्रमण करने और सफाई व्यवस्था की निगरानी करने के लिए कहा गया है। यदि कहीं भी लापरवाही पाई गई तो तत्काल कार्रवाई करेंगे।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार की जान गई

पाकबड़ा, अमृत विचार : अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

थाना छजलैट के खुशहालपुर गांव के निवासी राम सिंह ने मुकदमा पंजीकृत कराते हुए बताया कि बेटा प्रशांत गुरुवार सुबह 8:30 बजे बाइक से डिजाइन को फैक्ट्री लोदीपुर जा रहा था। जैसे ही वह हकीमपुर चौकी बीज गोदाम के मोड पर पहुंचा। तभी किसी अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। दिल्ली रोड स्थित टीएमयू अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान प्रशांत ने दम तोड़ दिया। मौत से परिजनों का बुरा हाल है।

मां मुरादे पूरी कर दें हलवा बाटूंगी...

मंदिरों व घरों में विधि-विधान से की गई कूष्मांडा मां की पूजा-अर्चना

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : शारदीय नवरात्र में हर दिन मंदिरों व घरों में विधिविधान से भगवती की पूजा अर्चना की जा रही है। मंदिरों में सुबह से देर शाम तक लंबी कतार लग रही है। नारियल, चुनरी, फूल, माला चढ़ाकर भक्तजन मां दुर्गा के विभिन्न रुपों का दर्शन पूजन कर मन्नत मांग रहे हैं।

नवरात्र के पांचवें दिन भक्तों ने देवी मंदिरों में पहुंचकर विधिविधान से कूष्मांडा मां की पूजा अर्चना की। मंदिरों के कपाट खुलने से पहले ही लोगों की लंबी कतार लग गई थी। मंदिर खुलते ही भक्तों ने मां का दर्शन पूजन कर अपने लिए सुख समृद्धि की प्रार्थना की। लालबाग स्थित काली मंदिर, कोर्ट रोड स्थित दुर्गा मंदिर, आशियाना फेज एक स्थित शिवशक्ति मंदिर में सुबह दर्शन पूजन के बाद शाम को भजन कीर्तन कर महिलाओं ने देवी गीत गाए। महिलाओं ने मां को चुनरी और नारियल चढ़ाकर प्रसाद का भोग लगाया।

ज्योतिषाचार्य पंडित केदार मुरारी ने बताया कि नवरात्र में मां दुर्गा के विभिन्न रूपों की पूजा अर्चना करने से मनवांछित फल की प्राप्ति होती है। देवी की कृपा से सभी कष्ट दूर होकर जीवन में सुख शांति आती है।

- शारदीय नवरात्र में प्रमुख मंदिरों में उमड़े भक्त, लगी लंबी कतार

दुर्गा पूजा को लेकर कालीबाड़ी में मां की मूर्ति को अंतिम रूप देते मूर्तिकार। ● अमृत विचार

मंदिरों के बाहर बनाई रंगोली

मंदिरों के बाहर नगर निगम की ओर से सफाई कराकर रंगोली भी बनाई गई। मंदिरों के बाहर पेयजल का प्रबंध किया गया। नगर निगम के अधिकारियों ने भ्रमण कर व्यवस्था सुनिश्चित कराई।

काली माता मंदिर पर दर्शन के लिए लाइन में लगे श्रद्धालु। ● अमृत विचार

इंस्टाग्राम पर बदनाम करने की साजिश

मुरादाबाद, अमृत विचार : गलशहीद थाना क्षेत्र निवासी विवाहिता के पति की इंस्टाग्राम आईडी पर एक युवक धमकी भरे मैसेज भेज रहा है। आरोपी आपत्तिजकक बातें लिख उसे बदनाम करने की कोशिश कर रहा है। पीड़ित युवती के पिता ने बिलारी निवासी नामजद आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

मूल रूप से थाना बिलारी क्षेत्र के रहने वाले एक व्यक्ति परिवार के साथ गलशहीद थाना क्षेत्र में रहते है। गलशहीद थाना पुलिस को दी तहरीर में उन्होंने बताया कि उन्होंने बेटी की शादी कांठ निवासी युवक से की थी। पीड़ित के अनुसार उनके दामाद की इंस्टाग्राम आईडी पर तीन अलग-अलग आईडी से लगातार धमकी भरे मैसेज आ रहे हैं।आरोपी बेटी के बारे में आपत्तिजनक और गलत बातें कर रहा है। आरोप लगाया कि जो बिलारी के मोहल्ला कुरैशियान निवासी मयंक है। आरोपी इससे पहले शिकायतकर्ता की बेटी के साथ पॉक्सो एक्ट का अपराध कर चुका है, जिसका मुकदमा कोर्ट में विचाराधीन है। गलशहीद थानाध्यक्ष पवन कुमार ने बताया कि आरोपी मयंक पर केस दर्ज कर लिया है।

भारत-पाक 1965 युद्ध के व्याख्यान से बढ़ी जिज्ञासा

कार्यालय संवाददाता,मुरादाबाद

- डॉ. मदन मोहन शुक्ला ने युवाओं को वीरता और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया

अमृत विचार : हिंदू कॉलेज के रक्षा एवं स्ट्रेटेजिक अध्ययन विभाग तथा एनसीसी 24वीं बटालियन के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे व्याख्यानमाला में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मदन मोहन शुक्ला ने 1965 में हुए भारत-पाकिस्तान युद्ध पर जानकारी दी। भारत और पाकिस्तान के युद्ध की कहानी में खो गए विद्यार्थियों और एनसीसी कैडेट्स ने सवाल भी पूछे।

अपने व्याख्यान में डॉ. शुक्ला ने 1965 के युद्ध को भारतीय सेना की वीरता, समर्पण और सामाजिक कौशल का एक गौरवशाली अध्याय बताया। उन्होंने कहा कि पश्चिमी मोर्चे पर खासकर खेमकरण सेक्टर में हुई टैंक युद्ध ने भारतीय सैनिकों की अदम्य साहस और धैर्य को साबित कर दिया। आधुनिक पाकिस्तानी टैंकों के खिलाफ भारतीय सेना ने संघर्ष कर दुश्मन को पीछे हटने पर मजबूर किया। यह युद्ध भारतीय सेना की सामरिक क्षमता और संगठन की मिसाल है।उन्होंने यह भी बताया कि यद्यपि भारत ने इस युद्ध में कई क्षेत्रों पर विजय प्राप्त की, पर ताशकंद समझौते के तहत प्राप्त भूमि पाकिस्तान को लौटानी पड़ी।

इस समझौते के ठीक बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का असामयिक निधन हुआ, जो राष्ट्र के लिए गहरा शोक का विषय था। उन्होंने कहा कि 1965 का युद्ध त्याग, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। उन्होंने सभी से इस इतिहास से सीख लेकर देश सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करने का आह्वान किया। व्याख्यानमाला का संयोजन कैप्टन (डॉ.) राजीव कुमार तथा संचालन डॉ. चंद्रजीत यादव ने किया।

चित्रों में दिखी प्रकृति व संस्कृति की झलक

कार्यालय संवाददाता,मुरादाबाद

अमृत विचार : गोकुलदास हिंदू गर्ल्स कॉलेज में चल रही चित्रण कार्यशाला के बारहवें दिन छात्राओं ने विविध कलाकृतियां प्रस्तुत कर अपनी सृजनात्मक प्रतिभा का परिचय दिया। कार्यशाला में छात्राओं ने लैंडस्केप, पोर्ट्रेट, फिगरेटिव कंपोजिशन,मां दुर्गा,राधा-कृष्ण आदि विषयों पर सुंदर चित्रण किया।

प्राचार्या प्रो.चारु मेहरोत्रा ने कहा कि प्रकृति के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता हर व्यक्ति का कर्तव्य है। कला के माध्यम से यह संदेश देना एक सकारात्मक प्रयास है।कार्यशाला की संयोजिका डॉ. प्रेमलता कश्यप ने छात्राओं को यह विश्वास दिलाया कि जीवन की चुनौतियों में यह कला उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाएगी। इस सत्र में एक्रेलिक हॉबी एक्सपर्ट रीता अग्रवाल एवं प्रेरणा शर्मा ने से सराही गईं।कार्यक्रम में डॉ. किरण साहू,प्रो.मीनाक्षी गुप्ता,प्रो. अनुराधा सिंह,प्रो.आंचल गुप्ता, प्रो. वंदना पांडे, प्रो. अपर्णा जोशी, प्रो. सीमा गुप्ता, डॉ. रेनू शर्मा, सविता अग्रवाल, प्रीति पांडे, सीमा मलिक, डॉ. प्रज्ञा मित्तल, डॉ. सीमा रानी, डॉ. मोनिका सिंह और शिवानी गुप्ता सहित अनेक शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

- गोकुलदास हिंदू गर्ल्स कॉलेज में छात्राओं ने दी पर्यावरण संरक्षण की कलात्मक प्रस्तुति

गोकुलदास कॉलेज में आयोजित कार्यशाला में उपस्थित छात्राएं व शिक्षिकाएं।

छात्राओं को वर्ली आर्ट तथा वेस्ट मटेरियल से सजावटी वस्तुएं बनाना सिखाया। इस दौरान छात्राओं में राखी,दिवाकर,फलक नूर,इफरा फैज,छवि,गुल,रोज,जेहरा आदि की कलाकृतियां विशेष रूप

बिना टिकट यात्रा करते पकड़े गए 161 यात्री

मुरादाबाद, अमृत विचार: रेलवे स्टेशन पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता के निर्देश में रेलवे मजिस्ट्रेट सर्वेश मिश्रा, सीआईटी विजयंत कुमार शर्मा, भावेश शर्मा, सीटीआई अतुल कुमार, प्रभारी निरीक्षक जीआरपी रविन्द्र वशिष्ठ, प्रभारी निरीक्षक आरपीएफ अनिल कुमार के साथ 28 टिकट चेकिंग स्टाफ, 5 रेलवे सुरक्षा बल और 4 जीआरपी स्टाफ की टीम ने चेकिंग अभियान चलाया। जांच के दौरान 161 यात्री बिना टिकट यात्रा करते मिले, जबकि 120 यात्री अनियमित टिकट के साथ पकड़े गए। वहीं गंदगी फैलाने के 7 मामले भी दर्ज हुए। इनसे कुल 1,33,825 का राजस्व वसूला गया। 8 बिना टिकट यात्रियों को मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया, जिनसे 3,600 का राजस्व प्राप्त हुआ। एक दिन में कुल 1,37,425 का राजस्व मिला।

आमजन तक पहुंचाएं आत्मनिर्भरता का संकल्प

बैठक को संबोधित करते जिला प्रभारी राजेश यादव व मौजूद अन्य पदाधिकारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- 28 से 30 सितंबर तक होगी मंडल स्तर पर कार्यशाला

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी कार्यालय के बुद्धि विहार स्थित कार्यालय पर शुक्रवार को आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान को लेकर बैठक हुई। इसके मुख्य अतिथि जिला प्रभारी राजेश यादव रहे। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष आकाश कुमार पाल ने की।

मुख्य अतिथि जिला प्रभारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सामाजिक क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की आवश्यकता पर निरंतर बल दे रहे हैं। आत्मनिर्भरता का यह संदेश भारत संकल्प अभियान के माध्यम से देश के हर नागरिक तक पहुंचाया जाए। उन्हें स्वदेशी उत्पादों के उपयोग और स्वदेशी जीवन मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए। इस अभियान में मंडल स्तर पर कार्यशाला 28, 29, 30 सितंबर तक होनी है। त्योहारों को ध्यान में रखते हुए हमें उत्सव के दौरान स्वदेशी उत्पाद के उपयोग को बढ़ावा देना है। दुर्गा पूजा व गरबा महोत्सव के दौरान पूजा समितियों के साथ संपर्क कर पूजा पंडाल में आत्मनिर्भर भारत थीम सुनिश्चित की जा सकती है। जिलाध्यक्ष आकाश कुमार पाल ने कहा कि दिवाली के समय लोगों को स्वदेशी उत्पाद खरीदने व दुकानदारों को स्वदेशी उत्पाद बेचने के लिए प्रोत्साहित करना होगा। बैठक में जिला महामंत्री राजन विश्नोई, कमल प्रजापति, हर ज्ञान सिंह, चंद्रपाल सैनी, जिला मीडिया प्रभारी संजय ढाका, अरुण पंडित, लकी चौधरी आदित्य सांख्यधर के अलावा 16 मंडलों के मंडल अध्यक्ष, मंडल महामंत्री आदि उपस्थित रहे।

हिंदी को समृद्ध करने के लिए युवा पीढ़ी को भी जोड़ें

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत राजभाषा हिंदी पर विचार गोष्ठी आयोजित

अमृत विचार: दि बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी के सभागार में शुक्रवार को हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत राजभाषा हिंदी पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई। अध्यक्षता बार संघ के अध्यक्ष आनंद मोहन गुप्ता एडवोकेट ने की।

मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता तीर्थंकर महावीर विवि के प्रोफेसर डॉ. माधव शर्मा और विशिष्ट अतिथि हिंदू डिग्री कॉलेज की शिक्षा विभाग की प्रोफेसर डॉक्टर इला अग्रवाल रहीं। संचालन बार संघ के महासचिव कपिल गुप्ता एडवोकेट ने किया। अधिवक्ताओं ने हिंदी के उत्थान एवं हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने पर विचार व्यक्त किए। साहित्य से जुड़े अधिवक्ताओं ने कविता, मुक्तक, गजल और शेर पढ़े। विशिष्ट अतिथि डॉ. इला अग्रवाल ने कहा कि यदि हमें वास्तव में हिंदी को उत्थान करना है तो किसी एक दिन की जगह प्रत्येक दिन हिंदी को समर्पित होना पड़ेगा। मुख्य वक्ता माधव शर्मा ने कहा कि हिंदी को समृद्ध बनाने के लिए युवा पीढ़ी को जोड़ें। अध्यक्षता कर रहे अध्यक्ष आनंद मोहन गुप्ता ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित होने बहुत जरूरी हैं। हिंदी साहित्य के लिए कार्य करने वाले अधिवक्ताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अशोक सक्सेना, आदेश श्रीवास्तव, पूर्व महासचिव राकेश वशिष्ठ, राकेश जौहरी, अभिषेक भटनागर, अंजार हुसैन, जितेंद्र प्रताप सिंह जेपी, रामा पंत पांडे, मोहम्मद तंजीम शास्त्री, शहवेज इकबाल, संजीव राघव, सुनील बिश्नोई, विवेक कुमार, निर्मल पुष्प यादव, आवरण अग्रवाल श्रेष्ठ, अरविंद कुमार शर्मा "आनंद", अजय पाल, रघुवीर सिंह, लुबना ग़ाजाला, कमाल अख्तर, रूही खान, इरम खान विशाल भारद्वाज आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

धर्म कर्म दसवां घाट रामगंगा किनारे गंगा पार जाने की लीला का मंचन देखने उमड़े लोग

छूअत सिला भई नारि सुहाई ...पाहन ते न काठ कठिनाई

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : प्राचीन श्री रामलीला कमेटी पुराना दसवां घाट के रामलीला महोत्सव के अंतर्गत शुक्रवार को केवट संवाद का सजीव मंचन किया गया। गंगा तट पर नाव को विशेष रूप सजाया गया। केवट समुदाय द्वारा श्रीराम के आगमन सूचना मिलने से हर्ष की लहर थी। केवट मलुआ के नेतृत्व में केवट समुदाय के लोग नाव के साथ रहे।

वनगमन के दौरान श्रृंगवेरपुर में राम का निषादराज गुह्य से मिलन होता है। निषादराज उनसे श्रृंगवेरपुर में ही निवास करने की प्रार्थना करते हैं। राम दशरथ की आज्ञा का पालन करते हुए वन की ओर बढ़ जाते हैं और गंगा नदी के समीप पहुंचते हैं। राम, जानकी व लक्ष्मण के साथ गंगा की पूजा कर पार कराने के लिए केवट से संवाद होता है। केवट चतुराई से भगवान के चरण पखारने की आज्ञा लेता है। केवट कहते हैं कि प्रभु आपके चरण स्पर्श से पत्थर स्त्री बन गई। ये मेरी नाव मेरी जीविका का साधन है यह भी मुनि की स्त्री का रूप धारण कर ली तो मेरी जीविकोपार्जन का क्या होगा। लिहाजा, आप पांव पखारने की अनुमति दीजिए। श्रीराम केवट को आज्ञा देते हैं। इसके बाद केवट परिवार सहित भगवान के चरण पखारते हैं और राम को गंगा पार कराते हैं। चित्रकूट में देवता, ऋषि, नाग, किन्नर, संत पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत करते हैं।

वहीं भरत और शत्रुघ्न को ननिहाल से वापस आकर रामचंद्र को 14 वर्ष का वनवासव वियोग में पिता की मृत्यु हुई तो भरत राजतिलक को अस्वीकार करते हैं। मां कैकेयी, सुमित्रा, कौशल्या, गुरु वशिष्ठ सहित भरत व शत्रुघ्न तीनों को अयोध्या लाने का प्रयास करते हैं, परन्तु श्री राम पिता के आदेशों की आज्ञा का पालन बताकर लौटने से इंकार कर देते हैं। भरत व शत्रुघ्न 14 वर्ष उनका लौटने का इंतजार करने की बात कहकर वापस अयोध्या की ओर प्रस्थान कर जाते हैं।

इस दौरान समिति के अध्यक्ष यथार्थ किशोर, संरक्षक छत्रपाल सिंह, आदित्यवीर शास्त्री, प्रवक्ता धर्मेंद्र यादव, राजेश बाल्मीकि इंद्रजीत शर्मा, नरेंद्र सुमन, रवि सैनी पुष्पकांत शर्मा, लल्ला ठाकुर, अरुण श्रीमाली, गगन कुमार, अतुल कुमार, शिवकुमार, घनश्याम, पाशु श्रीमाली, सुमित कुमार, विकास कुमार, ओमाशंकर, अमन दिवाकर संतोष दिवाकर आदि मौजूद रहे।

श्रीराम बरात, राजतिलक की तैयारी, मंथरा कैकेई संवाद का मंचन

मुरादाबाद, अमृत विचार : श्रीरामलीला समिति सिविल लाइंस की ओर से साईं मंदिर रोड स्थित युवा केंद्र में शुक्रवार को त्रिमूर्ति कला केंद्र के पात्रों ने श्रीराम बारात, राम के राजतिलक की तैयारी, मंथरा कैकेई संवाद, दशरथ कैकेई संवाद प्रसंग का मंचन किया। गजानन गणेश की आरती के साथ चौथे दिन की श्रीरामलीला का मंचन शुरु हुआ। सीता स्वयंवर में राम द्वारा शिव धनुष का भंजन करने और श्रीराम द्वारा सीता के वरण करने का समाचार जैसे ही अयोध्या नगरी पहुंचा चारो ओर हर्ष छा गया। राजा दशरथ, भरत-शत्रुघ्न के साथ भव्य बारात के साथ मिथिला नगरी पहुंचे। जहां विधि विधान के साथ श्रीराम-सीता का विवाह हुआ। जहां तीनों रानियों कौशल्या, कैकेई और सुमित्रा ने चारों पुत्र वधुओं का स्वागत किया। मन्थरा की बातों में आकर कैकेई ने दशरथ से राम को 14 वर्ष का वनवास और भरत को राजगद्दी का वरदान मांगा। जिसे सुन दशरथ व्यथित हो गए। इस दौरान रामलीला समिति के संरक्षक शिशिर गुप्ता, डॉ संजीव राजन, अध्यक्ष सुरेंद्र प्रकाश गुप्ता, महामंत्री पीयूष गुप्ता, कोषाध्यक्ष निर्वेश भटनागर, डॉ. विकास गुप्ता, शिवम गुप्ता, गोरखनाथ, प्रेमनाथ, उपदेश अग्रवाल, अंकुश गुप्ता, सुधांशु कौशिक, प्रमोद रस्तोगी, शिवांश गुप्ता आदि ने आयोजन में सहयोग दिया।

भरत मिलाप का मंचन देखकर दर्शकों की आंखें हुईं नम

पाकबड़ा, अमृत विचार : नगर पंचायत के बड़ा मंदिर पर चल रहे रामलीला मंचन में कलाकारों ने भरत मिलाप का मंचन किया। जिसे देख दर्शकों की आंखें नम हो गईं। रामलीला मंचन के छठें दिन राम वनवास के लिए चले जाते हैं। भरत व शत्रुघ्न की मां उनसे राजगद्दी संभालने के लिए कहती हैं। जिस पर वह गुस्सा करते हैं और श्री राम को लाने चल देते हैं। श्रीराम के मना करने पर दोनों निराश होकर लौट आते हैं। यह देख दर्शकों की आंखें नम हो जाती हैं। इस अवसर पर पुरुषोत्तम शरण गुप्ता, रामबाबू भटनागर, नरेश सक्सेना, सीताराम रूहेला, सोरन सिंह, सोहन सिंह,ओमकार सिंह, सुनील गुप्ता, मनीष भटनागर, जयप्रकाश मंत्री, सतपाल हुड्डा, मोंटू ठाकुर सर्वेश गुप्ता, तोताराम सैनी, मुकेश ठाकुर, नृपेंद्र सिंह, वेगराम प्रजापति, कनक पाल सिंह, अभीक त्रिपाठी, हरिनारायण गुप्ता, ऋषिपाल सिंह, मयंक गुप्ता, सुलभ गुप्ता आदि मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश
विकासशील परिवेश सुरक्षित निवेश

ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में 25 से 29 सितंबर, 2025 तक उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (UPITS) का भव्य आयोजन होने जा रहा है। यह मेगा शो प्रदेश की औद्योगिक ताकत, सांस्कृतिक धरोहर और "मेड इन यूपी" की वैश्विक पहचान को सामने लाएगा। 80 से अधिक देशों के बायर्स, हजारों एग्जिबिटर्स और लाखों विजिटर्स की मौजूदगी इस आयोजन को अंतरराष्ट्रीय मंच पर खास बनाएगी। ओडीओपी और जीआई उत्पादों की विशेष प्रदर्शनी स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों को वैश्विक बाजार से जोड़ेगी। साथ ही 17 प्रमुख सेक्टर्स की भागीदारी, विभागीय स्टॉल्स और सांस्कृतिक कार्यक्रम इस आयोजन को और भी आकर्षक बनाएंगे।

"यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो उत्तर प्रदेश के एमएसएमई क्षेत्र की उल्लेखनीय वृद्धि और असीम संभावनाओं का सच्चा प्रतिबिंब है। पिछले दो संस्करणों की अपार सफलता ने हमारे लोगों की उद्यमशीलता की भावना में हमारे विश्वास को और मजबूत किया है। तीसरे संस्करण की तैयारी करते हुए, हम वैश्विक खरीदारों का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं, जो हमारे राज्य की ताकत, कौशल और परंपरा का प्रतिनिधित्व करने वाले बेहतरीन उत्पादों को देखेंगे और खरीदेंगे"

योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो

25 से 29 सितंबर, 2025

ग्रेटर नोएडा में सजेगा यूपीआईटीएस का ग्लोबल मंच, दिखेगी मेड इन यूपी की ताकत

"आज यूपी इतनी तेज गति से औद्योगिक विकास कर रहा है, देश और दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियाँ यहाँ निवेश कर रही हैं, इसके पीछे यूपी सरकार की विकासपरक नीतियों की बड़ी भूमिका है। पिछली सरकारों में यूपी में अपराधी बेखौफ थे और निवेशक यहां आने से भी डरते थे। लेकिन, यूपी की सरकार में अपराधियों में खौफ है और निवेशक यूपी के भविष्य में भरोसा देख रहे हैं। मैं विकास की इस रफ्तार के लिए यूपी सरकार को बधाई देता हूँ"

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो 2023

1914	70 हजार	1 लाख+
एग्जिबिटर्स	B2B विजिटर्स	बिजनेस लीड्स

66 देशों के 400+ विदेशी खरीदार

10 लाख बार #UPITS2023 इंटरनेट पर अंकित किया गया

उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो 2024

2122	1 लाख+	2 लाख+
एग्जिबिटर्स	B2B विजिटर्स	बिजनेस लीड्स

70 देशों के 350+ विदेशी खरीदार

3.2 करोड़ बार #UPITS2024 इंटरनेट पर अंकित किया गया

उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025*

2500	2.5 लाख+	2 लाख+
एग्जिबिटर्स	B2B विजिटर्स	बिजनेस लीड्स

80+ देशों के 500+ विदेशी खरीदार

5 करोड़ बार #UPITS2025 इंटरनेट पर अंकित किया जायेगा

*लक्ष्य

- **पंजीकरण:** मोबाइल ऐप के माध्यम से क्यूआर कोड (QR Code) आधारित पंजीकरण।
- यह आयोजन प्रदेश की औद्योगिक शक्ति, सांस्कृतिक पहचान और "मेड इन यूपी" की ताकत दुनिया के सामने रखेगा।
- 80 देशों से 500+ बायर्स के आने की उम्मीद, अब तक 75 देशों के 340 बायर्स ने पुष्टि की।
- ओडीओपी की विशेष प्रदर्शनी से स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों को वैश्विक बाजार से जोड़ा जाएगा।
- उद्देश्य – यूपी को निर्यात में शीर्ष पर ले जाना और निवेश आकर्षित करना।
- यूरोप और सीआईएस से 110 बायर्स की संभावना, 88 ने सहमति दी।
- शो में 17 प्रमुख सेक्टर्स के उत्पाद प्रदर्शित होंगे, विशेष फोकस ओडीओपी व जीआई प्रोडक्ट्स पर।
- सरकार के विभिन्न विभाग 37085 स्क्वायर मीटर में अपने-अपने स्टॉल्स लगाएँगे (28649 स्क्वायर मीटर बुक)।

- **उद्देश्य** – प्रदेश की औद्योगिक शक्ति, सांस्कृतिक विरासत और मेड इन यूपी उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करना।
- **विदेशी सहभागिता** – लगभग 80 देशों से खरीदार और निवेशक इसमें भाग लेंगे।
- **बायर्स और निवेशक** – 500 से अधिक इंटरनेशनल बायर्स की मौजूदगी की उम्मीद है।
- **प्रमुख सेक्टर्स** – कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र एवं हैंडलूम, आईटी, स्टार्टअप, पर्यटन, स्वास्थ्य, शिक्षा और अवसंरचना जैसे क्षेत्रों पर विशेष फोकस रहेगा।
- **स्थानीय उद्यमियों को बढ़ावा** – MSME और स्टार्टअप्स को अपने उत्पाद और सेवाएं प्रदर्शित करने का मौका मिलेगा।
- **सांस्कृतिक झलक** – कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश की कला, शिल्प, संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियां भी शामिल होंगी।
- **राज्य सरकार का विजन** – इस आयोजन के माध्यम से उत्तर प्रदेश को एक ग्लोबल इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करना।

मुख्य आकर्षण

इन्वेस्ट यूपी, यूपीसीडा, जीएनआईडीए, यीडा, आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा व अतिरिक्त ऊर्जा विभाग।

विजिटर्स के लिए विशेष स्टॉल – नगर विकास, पर्यटन, स्वच्छ गंगा मिशन, स्वास्थ्य, आयुष, पर्यावरण व वन विभाग।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर फोकस – कृषि, डेयरी, पशुपालन, मत्स्य और यूपीएसआरएलएम।

अतिरिक्त सेक्टर्स – शुगर व केन, टेक्सटाइल्स, हैंडलूम, क्रेडाई, बैंकिंग-फाइनेंस, ऑटो-ईवी, यूपीएसडीएम और हायर एजुकेशन।

खास आकर्षण – सीएम युवा, न्यू एंटरप्रेन्योर्स और पार्टनर कंट्री पवेलियन।

आयोजन स्थल पर फूड कोर्ट्स, B2B - B2C स्टेज और कल्चरल स्टेज भी होंगे, जहां सांस्कृतिक गतिविधियाँ और शोज होंगे।

यूपीआईटीएस में निर्यात

2023

पहले संस्करण के दौरान भी 1000 करोड़ रुपए से अधिक रहा था ओवरऑल बिजनेस वॉल्यूम।

2024

बी2बी और बी2सी के माध्यम से 2200 करोड़ रुपए से अधिक के मिले निर्यात ऑर्डर।

शीर्ष 20 उद्यमियों को ही 630 करोड़ रुपए से अधिक के निर्यात ऑर्डर मिले। इनमें मेरठ, हापुड़, गाजियाबाद, कानपुर, बागपत, बाराबंकी, मिर्जापुर, मथुरा, संभल और ग्रेटर नोएडा जैसे जिलों के उद्यमी शामिल रहे।

भारत सरकार से सहयोग

वाणिज्य मंत्रालय फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (FIEO) के समर्थन से दुनियाभर से विदेशी खरीदारों को जुटाने के लिए वित्तीय सहायता।

विदेश मंत्रालय (MEA): अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में प्रचार और खरीदारों को भारतीय वाणिज्य दूतावासों के माध्यम से वीजा सहायता एवं यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का प्रचार।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय : पीएमएस (खरीद और विपणन) योजना के तहत उद्यमियों और स्टार्टअप को वित्तीय और विपणन सहायता।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई): सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यूपीआईटीएस का प्रचार।

ADVERTORIAL

अमृत विचार

मुरादाबाद , शनिवार, 27 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

नशेड़ी व्यक्ति की मौत, नहीं हुई शिनाख्त

छजलैट, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के ग्राम मथाने के समीप ग्राम ढांकी को जा रही नहर के पास एक अधेड़ नशे की हालत में पड़ा हुआ था। किसी ने इसकी सूचना पुलिस को पुलिस को दी। सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कांठ लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। लगभग 45 वर्ष की आयु के अधेड ने पीले रंग का बनियान एवं काली पैंट पहन रखी है। जिसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। छजलैट पुलिस ने शिनाख्त के लिए मृतक का फोटो विभिन्न ग्रुपों पर भेज दिया है।

8 वर्षीय बालक को बाइक ने मारी टक्कर

छजलैट, अमृत विचार : छजलैट निवासी हुसैन पुत्र सद्दाम 8 वर्ष जुमा की नमाज पढ़कर अपने घर वापस लौट रहा था। मुरादाबाद हाईवे पर वह सड़क पार करने लगा। तभी बाइक सवार प्रबल त्यागी पुत्र भागेश त्यागी निवासी ग्राम जमुनाखास थाना अमरोहा देहात बाइक से अपनी मां की दवा लेने मुरादाबाद जा रहा था। बालक को अचानक सड़क पार करते देख बाइक अनियंत्रित होकर बालक से टकरा गई, बाइक सवार भी सड़क पर गिरकर जख्मी हो गया। दुर्घटना के दौरान बालक के पैर की हड्डी टूट गई। ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड रामअवतार ने बालक को समीप के अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया है। गंभीर रूप से घायल प्रबल त्यागी को सीएचसी कांठ भेजा गया है।

छात्र-छात्राओं को किया जाएगा सम्मानित

कांठ, अमृत विचार : भारत विकास परिषद शाखा कांठ के तत्वावधान में 27 सितंबर को गुरु वंदन-छात्र अभिनंदन कार्यक्रम नगर के यश पब्लिक स्कूल में आयोजित किया जाएगा। मेधावी छात्र-छात्राओं एवं सर्वश्रेष्ठ शिक्षिका को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। यह जानकारी भारत विकास परिषद के प्रांतीय मीडिया प्रभारी सुदेश बिश्नोई एवं भारत विकास परिषद के अध्यक्ष महेश चंद्र गुप्ता ने दी। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि विभिन्न कक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ अंक लाने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। इसी महीने नगर एवं क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों में यह कार्यक्रम होगा जिसकी सूची तैयार हो गई है।

बिजली के तार से बचने की कोशिश में टेम्पो पलटा, तीन छात्राएं घायल

थाने के गेट के पास हुआ हादसा, तार में पहले से लगी थी आग

संवाददाता, कुंदरकी

अमृत विचार : शुक्रवार दोपहर मुरादाबाद-अलीगढ़ नेशनल हाईवे पर कुंदरकी थाने के गेट के करीब अचानक हाइटेंशन लाइन का तार टूट कर गिर गया। तार वहां से से गुजर रहे टेम्पो में उलझ गया। जिससे टेम्पो पलट गया। इस हादसे में तीन छात्राएं घायल हो गईं।

थाना कुंदरकी के करीब हाईटेंशन लाइन का तार अचानक आग लगने के बाद टूटकर आगरा नेशनल हाईवे पर गिर गया। तार काफी देर तक हाईवे पर लटका रहा, जिससे आने-जाने वालों में अफरातफरी मच गई। इसी दौरान कुंदरकी की ओर से छात्रों से भरा हुआ एक टेम्पो वहां से गुजर रहा था। चालक ने टूटे तार से टेम्पो को बचाने की कोशिश की लेकिन टेम्पो का संतुलन बिगड़ गया और टेम्पो पलट गया। जिसमें टेम्पो में बैठी

सड़क किनारे खड़ा टेम्पो और मौके पर मौजूद लोग। ● अमृत विचार

हुई सवारियों में चीख पुकार मच गई। वहीं टेम्पो में सवार 3 छात्राएं घायल हो गईं।

स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां पर उनका प्राथमिक उपचार किया गया। दो छात्राओं को मामूली चोटें आईं, जबकि एक छात्रा गंभीर रूप से घायल है। टेम्पो में सवार अन्य यात्री सुरक्षित रहे। वहीं लोगों का कहना है कि बिजली विभाग की लापरवाही के चलते हादसा हुआ, क्योंकि कई घंटों से तार में आग लग रही थी, लेकिन विद्युत विभाग द्वारा समय रहते उसे ठीक नहीं किया गया। वहीं घटना के बाद भी तार काफी देर तक लटका रहा लेकिन विद्युत विभाग का कोई कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा, जिसके चलते लोगों में नाराजगी दिखी।

हाईवे पर विद्युत लाइन के तारों में लगी आग

कांठ, अमृत विचार : क्वालिटी स्वीट हाउस के समीप 11000 वोल्ट की विद्युत लाइन के तारों में अचानक आग लग गई। आग लगने से हाईवे पर गुजर रहे यात्रियों में अफरातफरी मच गई। मुरादाबाद हरिद्वार हाईवे पर स्टेशन और कांठ रोड से पुराने बस स्टैंड तक व्यस्ततम मार्ग है। शुक्रवार रात्रि लगभग 7 क्वालिटी स्वीट्स के सामने गुजर रही 11000 की विद्युत लाइन के तारों में चिंगारी उठने के बाद जबरदस्त आग लग गई। आग की चिंगारी यहां से गुजर रहे यात्रियों के ऊपर गिरी। यहां अफरातफरी का माहौल हो गया। बिजली घर पर हादसे की सूचना दी गई। जहां से टाउन फीडर को बंद कर दिया गया है। तारों में आग लगने से इस फीडर से जुड़े हजारों परिवारों के घर अंधेरा छा गया है। लोगों ने बताया कि शिकायत के बाद भी यहां के तार को नहीं बदला गया है।

मछली पकड़ने गए दो युवक डूबे, एक को बचाया

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र की सुरजननगर पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम बल्लभगढ़ के पास शुक्रवार दोपहर उत्तराखंड के थाना जसपुर के गांव रायपुर निवासी गुफरान पुत्र इरफान, उस्मान पुत्र अब्दुल रहीम तथा फिरोज पुत्र निसार शुक्रवार दोपहर बाद मछली पकड़ने के लिए ग्राम बल्लभगढ़ के निकट रामगंगा नदी किनारे पहुंचे थे।

मछली पकड़ने के दौरान गुफरान व दूसरा युवक रामगंगा नदी के दूसरी ओर कांटे लगाने गए थे। वहां से वापस लौटते समय गुफरान और उसका साथी पैर फिसलने से नदी में डूब गए। साथियों को डूबता देख उसने शोर मचाया जिस पर खेतों में काम कर रहे आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। स्थानीय गोताखोरों ने एक युवक को बचा लिया, लेकिन दूसरा युवक पानी के तेज बहाव में बह गया। सूचना मिलने पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक संजय पांचाल व चौकी इंचार्ज ओंकार सिंह पुलिस बल के साथ रामगंगा नदी किनारे पहुंच गए। स्थानीय गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश की गई लेकिन देर शाम तक डूबे युवक का कोई सुराग नहीं मिल सका।

ठाकुरद्वारा में पैदल मार्च करते प्रशासनिक अधिकारी व पुलिस। ● अमृत विचार

जुमा की नमाज को लेकर पुलिस-प्रशासन रहा सतर्क

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

अमृत विचार : नगर में जुमा की नमाज के मद्देनजर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी सतर्क रहे।

उत्तरखंड के काशीपुर सहित उत्तर प्रदेश के कई जिलों में आई लव मोहम्मद के प्रकरणों को देखते हुए जुमा की नमाज को लेकर मस्जिदों के निकट विभिन्न स्थानों पर पुलिस चप्पे-चप्पे पर मुश्तैद रही। वहीं पुलिस क्षेत्राधिकारी आशीष प्रताप सिंह, एसडीएम प्रीति सिंह व कोतवाली प्रभारी संजय पांचाल के नेतृत्व में पुलिस ने पैदल मार्च निकाला। कोतवाली प्रभारी ने नमाज अदा कर जा रहे लोगों से जनसमस्याओं के बारे में जानकारी ली।

सुरक्षा में हुई नमाज

भोजपुर, अमृत विचार : आई लव मुहम्मद को लेकर मच रहे हंगामे को लेकर जिला प्रशासन जुमा की नमाज के दौरान सतर्क रहा। अपर जिलाधिकारी प्रशासन गुलाब सिंह, एसपी ग्रामीण कुंवर आकाश कुमार सिंह एवं थाना प्रभारी निरीक्षक शरद मलिक पुलिस बल को साथ लेकर मोहल्ला कुरैशियन में स्थित जामा मस्जिद पर डटे रहे। नमाज शांतिपूर्ण होने के बाद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने राहत की सांस ली। इस दौरान उन्होंने लोगों से नई परंपरा शुरू नहीं करने और शांति व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करने का आह्वान किया।

कोतवाली रोड दुर्गा मंदिर में भजन-कीर्तन करतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, लगाए जयकारे

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

अमृत विचार : नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में देवी के चतुर्थ स्वरूप कुष्मांडा की पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालु उमड़े। श्रद्धालुओं ने घरों और मंदिरों में देवी की पूजा की और भजन कीर्तन किया।

शुक्रवार को सुबह से ही नगर के विभिन्न मंदिरों में महिला श्रद्धालुओं की टोलियां चुनरी ओढ़े, कलश लिए माता के दर्शन को उमंग और उल्लास के साथ निकलीं। कोतवाली रोड स्थित दुर्गा मंदिर, प्राचीन हनुमान मंदिर, खागेश्वर मंदिर, हरिहर मंदिर, चित्रगुप्त मंदिर, कालरात्रि मंदिर, शिव मंदिर, बजारान मोहल्ला माता मंदिर, सिंचाई कॉलोनी मंदिर तथा फैजुल्लागंज, निर्मलपुर, गोपीवाला, सुल्तानपुर दोस्त, लौंगी कलां, लौंगी खुर्द, रामनगर खागूवाला, शरीफनगर में भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय हो गया। महिलाएं हाथों में थाली सजाए, माता के भजन गाती हुईं मंदिर परिसर में एकत्र हुईं।

दहेज उत्पीड़न व तीन तलाक में सात पर रिपोर्ट

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : कोतवाली नगर निवासी विवाहिता ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी शादी 30 जून 2024 को उत्तराखंड निवासी मोबीन पुत्र शौकीन के साथ हुई थी।

पीड़िता का आरोप है कि शादी के बाद से ससुराली चार पहिया वाहन व पांच लाख की मांग कर रहे थे। दहेज न मिलने पर उसे शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना दी गई। महिला ने बताया कि 6 अगस्त को उसके देवर ने दुष्कर्म किया। आरोप है कि विरोध करने पर उसे घर से निकाल दिया और जेवरात कब्जे में ले लिए गए। पीड़िता का कहना है कि 7 अगस्त को पति मोबिन, सास फातमा, देवर मोहसिन और ननद सवीना, अर्शी व इरम मायके पहुंचकर पुनः दहेज की मांग की। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर पति मोबिन सहित कुल सात लोगों पर दहेज उत्पीड़न, दुष्कर्म, मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शांतिपूर्वक सम्पन्न हुई जुमा की नमाज

संवाददाता, कांठ

अमृत विचार : क्षेत्र में जुमा की नमाज और आई लव मोहम्मद प्रकरण को लेकर पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी पूरी तरह सक्रिय नजर आए। मस्जिदों के बाहर पर्याप्त पुलिस बल तैनात कर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई, जिसके चलते जुमा की नमाज शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई।

प्रशिक्षु आईपीएस एवं क्षेत्राधिकारी अभिनव द्विवेदी, एसडीएम संतदास पवार तथा थाना प्रभारी निरीक्षक सुदेशपाल सिंह ने स्वयं सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सभी मस्जिदों के बाहर नमाज से पहले ही पुलिस बल तैनात कर दिया गया था। उपनिरीक्षकों को अपने-अपने क्षेत्र में विशेष सतर्कता बरतते हुए नमाज को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के निर्देश दिए गए थे। आई लव मोहम्मद को लेकर

मस्जिद के बाहर तैनात पुलिस बल। ● अमृत विचार

● अप्रिय घटना की तत्काल जानकारी देने के दिए निर्देश

भी प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि यदि इस संबंध में किसी भी तरह की सूचना मिले तो तत्काल थाना और तहसील प्रशासन को सूचित किया जाए, ताकि समय रहते स्थिति को नियंत्रित किया जा सके। एसडीएम संत दास पवार ने बताया कि तहसील क्षेत्र में धारा 163 बी लागू है, जिसके अंतर्गत पांच से अधिक व्यक्ति बिना अनुमति एक साथ नहीं रह सकते। एसडीएम संत दास पवार स्पष्ट कहा कि यदि कोई व्यक्ति बिना अनुमति जुलूस निकालने या शांति व्यवस्था भंग करने का प्रयास करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

घर से एक लाख की नकदी, मोबाइल चोरी

कुंदरकी, अमृत विचार : मोहल्ला कायस्थान में चोरों ने घर का निशाना बना लिया। चोर घर से एक लाख की नकदी और मोबाइल फोन ले गए।

मोहल्ला कायस्थान निवासी शहजादे के मकान में आधी रात के करीब चोरों ने सेंधमारी की। चोर घर में दाखिल हुए और 1 लाख नकदी और मोबाइल फोन चोरी कर लिया और मौके से फरार हो गए। परिजनों को चोरी की जानकारी सुबह नींद खुलने पर हुई, जब उन्होंने घर का सामान बिखरा हुआ देखा। परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने पीड़ित शहजादे से पूछताछ की और चोरों को पकड़ने का आश्वासन दिया। स्थानीय निवासियों ने पुलिस से रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है। चौकी इंचार्ज संजय त्यागी ने बताया कि चोरी से संबंधित शिकायती पत्र मिला है। सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है, खुलासा किया जाएगा।

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
रोहिलखण्ड कैंसर इंस्टीट्यूट बरेली
कैंसर की संपूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
200 BED का Cancer अस्पताल अब आपके शहर में
NABH ACCREDITED

रेडियोथेरेपी के लिए वेरियन ट्रूबीम एसटीएक्स
(लीनियर एक्सलरेटर)
High Definition MLC, SRS, SBRT, IMRT, IGRT, Rapid ARC, RGSC, VMAT, 3D CRT, 6D Couch, 3 Energy Phototherapy, 5 Energy Electron Therapy
● बरेली का एकमात्र PET CT
● पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए

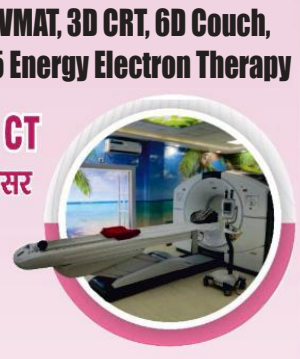

हमारी सेवाएं
● सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, ● रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, ● डे केयर कीमो थेरेपी, ● इम्यूनोथेरेपी ● कैंसर आईसीयू, ● फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री ● मैमोग्राफी, ● कैंसर के रोकथाम की ओपीडी, ● टर्मिनल कैंसर मरीजों की देखभाल ● इण्टरवेशनल रेडियोलॉजी
● प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
● मुख्यमंत्री राहत कोष योजना द्वारा फ्री में इलाज की सुविधा

Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana Ayushman Bharat PM-JAY
Academic Programmes
M.D. Radiation Oncology (4 Seats)
Diploma in Radiotherapy Technician (30 Seats)
अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें
रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस, नजदीक सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली उ.प्र. 243006
हैल्पलाइनः 7891235003, पैट सीटी बुकिंग के लिए +91 9811187117, आपातकालीन 9258116087
www.rohilkhandcancerinstitute.com Follow us on : /rohilkhand cancer institute

निर्वाचक नामावली में गलतियों की भरमार

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : पंचायत चुनाव की तैयारियों के बीच ग्राम पंचायत 56 बहेड़ी ब्रह्मनान की पंचायत निर्वाचक नामावली में दर्ज नामों की गलतियों ने ग्रामीणों को परेशान कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि नामावली में कई मतदाताओं के नाम गलत अंकित किए गए हैं। जैसे राधेश्याम की जगह राधोश्याम, राकेश की जगह राकेशा लिखा गया है।नाम में त्रुटियों के कारण मतदाता नाम संशोधन के लिए कार्यालयों के चक्कर लगा रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि नाम सुधार के लिए आधार कार्ड की प्रति जमा करने को कहा गया है, लेकिन गांव में फोटोस्टेट की सुविधा न होने से कस्बे में जाकर फोटोस्टेट करानी पड़ रही है। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि आधार कार्ड पर दर्ज नाम के अनुसार मतदाता सूची में संशोधन कराया जाए, ताकि पंचायत चुनाव में उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न झेलनी पड़े।

बिलारी में रामलीला में ऋषि विश्वामित्र के यज्ञ में विघ्न डालते राक्षस।

राम-लक्ष्मण ने यज्ञ में बाधा डाल रहे राक्षसों का किया वध

संवाददाता, बिलारी

अमृत विचार : नगर के ऐतिहासिक मंदिर पौड़ा खेड़ा में सनातन धर्मार्थ ट्रस्ट के तत्वावधान में रामलीला मंचन में कलाकारों द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां दी जा रही हैं।

गुरुवार रात एकता कला मंच मुरादाबाद के कलाकारों द्वारा रामलीला मंचन के दौरान राक्षसों द्वारा ऋषियों के यज्ञ में विघ्न डालने, अहिल्या उद्धार आदि का सुंदर मंचन किया गया। अहिल्या उद्धार का भी सुंदर मंचन किया गया। मंचन में पंकज चौहान, कपिल पाराशरी, दुष्यंत चौहान, अमित मौर्य, सचिन चौहान, रोहित पाराशरी, अजय पाल आदि का सहयोग रहा।

उधर, राजमहल में भी झांसी के कलाकारों द्वारा रामलीला का सुंदर मंचन किया जा रहा है। जिसमें मेला प्रबंधक प्रदीप शर्मा, सिद्धार्थ शेखर, कल्याण सिंह आदि लोग व्यवस्था देख रहे हैं।

खबरें www.amritvichar.com पर भी पढ़ें

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का मंचन देख भावविभोर हुए भक्त

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

अमृत विचार : रामलीला मैदान में श्रीकृष्ण रासलीला के दूसरे दिन भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव का मनमोहक मंचन किया गया।

मंचन के दौरान कलाकारों ने भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य जन्म की गाथा को बखूबी चित्रित किया। उन्होंने कंस के कारागार में देवकी और वासुदेव की विपदा, अंधकार को चीरते हुए दिव्य प्रकाश के साथ भगवान के अवतार और वासुदेव द्वारा कृष्ण को सुरक्षित नंदगांव पहुंचाने की मार्मिक घटनाओं को बड़े ही प्रभावशाली ढंग से दिखाया। इस अवसर पर अजय कातिब, अवनीश कुमार शर्मा, गौरव चौहान, दिनेश पुठिया, कुशल अग्रवाल और कमलेश अग्रवाल सहित शहर के कई गणमान्य रहे।

राम-सुग्रीव मित्रता का मंचन

कांठ, अमृत विचार : नगर में रामलीला मैदान में चल रहे रामलीला मंचन में शुक्रवार को शबरी मिलन और राम-सुग्रीव मित्रता का मंचन किया गया। जिसमें शबरी द्वारा श्रीराम को जूठे बेर खिलाने और फिर हनुमान के मार्गदर्शन में राम व सुग्रीव की मित्रता और बाली वध का दृश्य दिखाया गया। श्री रामलीला मंचन में शुक्रवार को मुख्य अतिथि भाजपा नेत्री हिमांशी चौहान ने फीता काटकर आरंभ किया। रामलीला में दिखाया कि राम और लक्ष्मण वनवास के दौरान मतंग ऋषि के आश्रम में शबरी से मिले। शबरी ने श्रद्धापूर्वक उनके पैर धोए और उन्हें अपने लाए हुए बेर खिलाए, उन्होंने जूठे बेर राम को खिलाए।

न्यूज डायरी

इंटर कॉलेज में हुई चित्रकला प्रतियोगिता

कुंदरकी, अमृत विचार : हाजी झंडा खान मैमोरियल इंटर कॉलेज काजीपुरा में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत एक चित्रकला प्रतियोगिता हुई। इसमें जूनियर वर्ग में बॉबी सागर तथा सीनियर वर्ग में रोशनी ने कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया। कॉलेज प्रबंधक डॉ. तुफैल अहमद ने बच्चों को सम्मानित किया। प्रवक्ता रामपाल सिंह ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से छात्र-छात्राओं की क्षमता बढ़ती है। प्रधानाचार्य सलीम अहमद ने कहा कि ऐसी प्रतियोगी परीक्षाओं से बच्चों में उनकी प्रतिभाओं का उभार होता है। कार्यक्रम का आयोजन जुनैद अहमद ने किया। इस मौके पर हनीफ खान, रजा अब्बास तमसील अहमद, रेशमा खानम अर्जुमंद, जुल्फिकार हुसैन इफ्तिखार अहमद का सहयोग रहा।

सरकारी भूमि से हटवाया अतिक्रमण

अगवानपुर, अमृत विचार : नगर पंचायत में टेम्पो स्टैंड के निकट ग्राम समाज की भूमि से अतिक्रमण को जेसीबी से हटवाया। शुक्रवार को नायब तहसीलदार सूरज प्रताप कानूनगो राकेश कुमार चौहान व लेखपाल अमित शर्मा की मौजूदगी में जेसीबी द्वारा सरकारी भूमि पर अवैध रूप से पड़ी लकड़ी एवं सरकारी भूमि में लगे होर्डिंग आदि हटवाए गए। लेखपाल ने बताया कि जो अतिक्रमण हटवाया गया है उसकी फोटो तहसीलदार साहब ने मंगवाए है।

रामगंगा में शव मिला

कांठ, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के ग्राम मिश्री बेगमपुर के जंगल में रामगंगा नदी के पुल से पश्चिम की ओर अज्ञात व्यक्ति का शव बहता हुआ दिखाई दिया। ग्रामीणों ने शव देखकर सूचना थाना पुलिस को दी। थाना प्रभारी निरीक्षक सुदेशपाल सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस के अनुसार शव की उम्र लगभग 40 वर्ष आंकी जा रही है। शव कई दिन पुराना प्रतीत हो रहा है, जो नदी में बहता हुआ यहां पहुंचा। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। गौरतलब है कि 22 सितंबर को बेगमपुर निवासी भोला सिंह के गन्ने के खेत में युवती का शव बरामद हुआ था, जिसकी पहचान अब तक नहीं हो पाई है।

दूधियों में मारपीट, पांच पर केस

भोजपुर, अमृत विचार : गांव सरदारनगर में किसान की भैंसों का दूध खरीदने को लेकर नक्शे अली एवं चुन्ना आपस में भिड़ गये। कुछ ही देर में दोनों पक्षों के लोग आ गए। जमकर लाठियां भांजी गईं। पुलिस ने नक्शे अली की तहरीर पर चुन्ना, शाकिर, नन्हे, हाशिम एवं फैज के खिलाफ एवं उसके चहेरे भाईयों रिजवान व इमरान को मारपीट कर घायल कर देने के आरोप में केस दर्ज कर लिया है।

ग्रामीण की संदिग्धावस्था में मौत

भोजपुर, अमृत विचार : शुक्रवार देर शाम गांव नेकपुर निवासी रामपाल खागी घर में संदिग्धावस्था में चारपाई पर मृतावस्था में मिला। ग्रामीण की पत्नी माया देवी ने बताया कि रंजिश को लेकर पड़ोसी लेखराज जाटव अपनी पत्नी रजनी और बेटी सोमवती को साथ लेकर घर में घुस आया था। आरोपियों ने उसके पति पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में पति की मौके पर ही मौत हो गई। प्रभारी निरीक्षक शरद मलिक ने मौके पर पहुंचकर जानकारी जुटाई।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी बिलासपुर, जनपद-रामपुर

पत्रांक : 963/निविदा निर्माण कार्य/विज्ञप्ति प्रकाशन/2025-25 दिनांक : 26.9.25

अल्पकालीन निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल उ.प्र. की ओर से खण्ड विकास अधिकारी बिलासपुर रामपुर द्वारा अर्ह प्रतिष्ठित विकास खण्ड बिलासपुर में पंजीकृत ठेकेदारों से मुख्य विकास अधिकारी रामपुर के कार्यालय पत्रांक 66/ब्लाक बजट/अनुरक्षण/2025-16 दिनांक 16.09.2025 के द्वारा विकास खण्ड बिलासपुर में मीटिंग हाल की मरम्मत एवं विस्तार हेतु अनुदान सं.-13 के लेखाशीर्षक 2515 के अन्तर्गत 03-मुख्य अधिष्ठान ब्लॉक बजट में मानक मद 29-अनुरक्षण में 10 लाख रू. तक कार्य कराये जाने हेतु स्वीकृत प्राक्कलन की प्रशासनिक/वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गयी है। अतः प्रतिशत दर पर/न्यूनतम दर पर टेण्डर (निविदा) टैक्नीकल/फाइनेनशियल बिड दिनांक 10.10.2025 से 13.10.2025 अपरान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 13.10.2025 अपरान्ह 3:00 बजे विकास खण्ड बिलासपुर में अधोहस्ताक्षरी/गठित समिति एवं निविदादाताओं व उनके प्रतिनिधियों के समक्ष कक्ष में खोली जायेगी। टेण्डर प्रक्रिया से सम्बन्धित समस्त जानकारी कार्यालय दिवस में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। जो कि टेण्डर प्रक्रिया की भाग होगी। अलग से किसी भी तरह के दिशा निर्देश प्रकाशित नहीं किये जायेंगे।

क्र.सं.	जिला/वि.खं. का नाम	कार्य का नाम जो निर्मित कराये जाने है जो कि निम्नानुसार अंकित है	अनुमानित लागत लाख रूपये में	धरोहर राशि लाख 0 में 02 प्रतिशत	निविदा प्रपत्र का मूल्य रू. में	कार्य की माप/परिमाप/संख्या	कार्य पूर्ण पूर्ण करने की अवधि	कार्यालय का नाम जहाँ पर निविदा खोली जायेगी
1	2	3	4	5	6		7	8
1.	बिलासपुर	विकास खण्ड कार्यालय में मीटिंग हॉल की मरम्मत/विस्तार का कार्य।	1000000	50000	1000	प्राक्कलन के अनुसार	2 माह	वि.खं. बिलासपुर

खण्ड विकास अधिकारी
बिलासपुर रामपुर

सिटी ब्रीफ

नए एएसपी ने पदभार ग्रहण किया

रामपुर, अमृत विचार : पिछले दिनों शासन की ओर से कई एएसपी का तबादला इधर से उधर कर दिया गया था। रामपुर में तैनात एएसपी अतुल कुमार को कानपुर भेजा गया। जबकि गोरखपुर में तैनात अनुराग सिंह को रामपुर का एएसपी बनाया गया था ।गुरुवार रात को अनुराग सिंह ने रामपुर पहुंचकर कार्यभार ग्रहण कर लिया। अनुराग सिंह 3 .नवंबर 2006 को भर्ती हुए। वह रामपुर से पहले इटावा, हमीरपुर, एटीएस लखनऊ, 48 पीएसी, लखनऊ, आगरा, गौतमबुद्ध नगर, सीतापुर, गोरखपुर में तैनात रहे हैं।

कुत्ते के हमले में युवक हुआ जख्मी

टांडा, अमृत विचार : गुरुवार को नगर के मोहल्ला हाजीपुरा निवासी अमजद अली नमाज पढ़कर दुकान के पास पहुंचा ही था कि कुत्तों के झुंड ने हमला कर घायल कर दिया। लोग घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। युवक का आरोप है कि अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों ने देर रात एंटी रेबीज लगाने से इंकार कर दिया। जानकारी पूर्व पालिका अध्यक्ष पति को दी। उनके हस्तक्षेप के बाद स्वास्थ्य केंद्र के अधिकारियों ने प्राथमिक उपचार कराकर एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाया। उधर सीएचसी प्रभारी डॉ. सतवीर का कहना है कि अस्पताल में 24 घंटे एंटी रेबीज इंजेक्शन उपलब्ध हैं। किसी को मना नहीं किया गया।

आज किला क्षेत्र में दो घंटे गुल रहेगी बिजली

रामपुर,अमृत विचार : एसडीओ द्वितीय इरफान ने बताया कि 33 केवी उपकेंद्र किला की टेस्टिंग, मेंटेनेंस का कार्य कराया जाना है। जिसके चलते सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक किला उपकेंद्र से संबंधित सभी उपभोक्ता की विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

फ्लाईओवर से गिरकर व्यक्ति की मौत

बिलासपुर, अमृत विचार : नैनीताल हाईवे स्थित फ्लाईओवर से गिरकर एक व्यक्ति की मौत हो गई। उसकी शिनाख्त नहीं हुई है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। शुक्रवार सवेरे कुछ राहगीरों ने नैनीताल हाईवे स्थित इंदरपुर रेलवे क्रॉसिंग के फ्लाईओवर के नीचे एक व्यक्ति का शव देखा और पुलिस को सूचित किया। रुद्र-बिलास पुलिस चौकी प्रभारी अमित कुमार ने मौके पर पहुंचकर शव कब्जे में ले लिया और शिनाख्त कराने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। पंचनामा भर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बलवान सिंह ने बताया कि करीब 40 वर्षीय युवक की जेब से देशी दारू का पैकेट मिला है। अनुमान है कि बीते बृहस्पतिवार की रात किसी समय नशे की हालत में वह पुल से नीचे गिर पड़ा और सिर पर चोट लगने के कारण उसकी मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त कराने का प्रयास किया जा रहा है।

टाइल्स शोरूम का गेट तोड़कर लाखों की चोरी

स्वार, अमृत विचार : कोतवाली के गांव नानकार रानी मझरा वाला नगर निवासी मोहम्मद बिलाल का रामपुर मार्ग स्थित एसबीआर अस्पताल के निकट टाइल्स का शोरूम है। शोरूम मालिक गुरुवार रात दुकान बंद कर घर आ गया था। रात किसी समय चोर दुकान का दरवाजा तोड़कर अंदर घुस गए और दराज के ताले तोड़ उसमें रखी 25 हजार रुपये की नकदी, दो बड़े बैटरे एवं टाइल्स आदि लाखों रुपये का समान चोरी कर ले गए। शुक्रवार सुबह लोगों ने शोरूम मालिक को सूचना दी। दुकानदार ने देखा तो सारा सामान गायब था। शोरूम मालिक ने सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने जांच शुरू कर दी। दुकान स्वामी ने अज्ञात चोरों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। समाचार भेजे जाने तक पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की है।

युवक की जेब से उड़ाए तीस हजार रुपये

मसवासी, अमृत विचार : सब्जी लेने आए युवक के जेब कतरे ने जेब तीस हजार रुपये साफ कर दिए। नगर में चौकी से चंद कदम दूर शुक्रवार की बाजार लगती है। शुक्रवार को नगर निवासी युवक मो .यूसुफ सामान खरीदने गया था। उसकी जेब से जेब कतरे ने तीस हजार रुपये निकाल लिए। जब उसने जेब से तीस हजार रुपए गायब देखे तो उसके होश उड़ गए। युवक तहरीर चौकी पुलिस को दे दी है।

एसपी ने किया पुलिस लाइन का निरीक्षण

रामपुर, अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक विद्यासागर मिश्र ने शुक्रवार की परेड की सलामी लेकर पुलिस लाइन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान परेड में मौजूद महिला प्रशिक्षुओं एवं कर्मचारियों का टर्नआउट चेक कर पुलिस लाइन परिसर में स्थित भोजनालय, रीडिंग रूम (लाइब्रेरी), कैंटीन, मनोरंजन कक्ष, जिम को चेक किया।

11वीं की छात्रा नाफेआ बी बनी एक दिन की डीएम

मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत बेटियों ने कार्यभार संभाल जाना सरकारी कामकाज का तरीका

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : नारी सुरक्षा और नारी सम्मान की थीम पर आयोजित मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत पीएम राजकीय कन्या इंटर कॉलेज की कक्षा-11 की छात्रा कुमारी नाफेआ बी को एक दिन का जिलाधिकारी बनाया। छात्रा ने लोगों की समस्याएं सुनीं और जल्द निस्तारण का आश्वासन दिया।

डीएम जोगिंदर सिंह ने कहा कि बालिकाओं को नेतृत्व की जिम्मेदारी सौंपने से उनका मनोबल बढ़ता है और संदेश जाता है कि बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। एक दिन की डीएम बनी नाफेआ बी ने कहा कि मिशन शक्ति एक महत्वपूर्ण अभियान है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान ने बालिकाओं की शिक्षा में अत्यंत सहायक भूमिका निभाई है। अभिभावकों को बेटियों को उच्च शिक्षा दिलानी चाहिए। इस दिशा में अधिकारियों को भी अभिभावकों को जागरूक करना चाहिए। डीएम नाफेआ ने जन सामान्य की शिकायतों को संबंधित अधिकारियों को निस्तारण के लिए प्रेषित किया। जिला विद्यालय निरीक्षक अंजलि अग्रवाल मौजूद रहीं।

कुर्सी पर बैठीं सांकेतिक डीएम नाफेआ और पास में बैठे डीएम जोगिंदर सिंह।

शगुन बनीं एक दिन की एसपी, सुनी समस्याएं

मिशन शक्ति अभियान-5 .0 के तहत कक्षा 12 की छात्रा शगुन को एक दिन का रामपुर जिले का पुलिस अधीक्षक बनाया। उन्होंने पीड़ितों की समस्याएं सुन संबंधित अधिकारी को निस्तारण करने को कहा। एसपी विद्या सागर मिश्र ने उन्हें पुलिस द्वारा किये जाने वाले कार्यों के बारे में बताया। एक दिन का पुलिस कप्तान बनी छात्रा शगुन ने पुलिस अधीक्षक के रूप में अधिकारी के दायित्व को समझा। इस अवसर पर शगुन को पुलिस कार्यप्रणाली से अवगत कराते हुए अभिलेखों का निरीक्षण कराया। एसपी ने छात्रा शगुन का उत्साहवर्द्धन करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

महक माजिद बनीं एक दिन की डीआईओएस

रामपुर, अमृत विचार : अभियान के तहत शुक्रवार को राजकीय जुल्फिकार बालिका इंटर कॉलेज की कक्षा 11 की छात्रा महक माजिद 1 दिन के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक बनाई गईं। महक से कुछ आदेश पत्रों पर हस्ताक्षर भी करवाए गए और उन्हें विभिन्न विद्यालयों के लिए जारी किया गया। इस प्रयास का उद्देश्य बालिकाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता उत्पन्न करना है जिससे वह अपने भविष्य के लिए अधिकारी के पद का चुनाव भी सही ढंग से कर पाएं। जिला विद्यालय निरीक्षक अंजलि अग्रवाल ने छात्रा को दायित्वों की जानकारी दी और उसे भविष्य के लिए आशीर्वचन दिए।

अंजली बनीं एक दिन की प्रधानाचार्य

शाहबाद,अमृत विचार : राजकीय बालिका इंटर कॉलेज शाहाबाद में शुक्रवार को अंजली कुमारी को प्रधानाचार्य बनाया गया। उन्होंने ब्लॉक स्तरीय तहसील स्तरीय जोनल खेलकूद कार्यक्रम का फीता काटकर उद्घाटन किया। जिससे बच्चों में खुशी की लहर छा छाई। खेल प्रभारी ममता गुप्ता, खेल प्रशिक्षक कनिज फातिमा,जीजीआईसी शाहबाद जीजीआईसी पटवाई और रेवड़ी कला जीआईसी व जूनियर हाई स्कूल के छात्राओं ने लश्कर गंज आदि ने जर्नल स्तरीय प्रतियोगिताओं के पहले दिन छात्राओं ने भाग लिया। प्रधानाचार्य वंदना शर्मा ने कहा कि स्वस्थ शरीर के लिए खेलों में प्रतिभाग जरूर करना चाहिए।

वाल्मीकि शोभायात्रा कमेटी गठित

मसवासी में नगर पंचायत कार्यालय परिसर में भावादस की नवगठित कमेटी।

संवाददाता, मसवासी

- नितिन कुमार अध्यक्ष तो अरुण कुमार बनाए गए उपाध्यक्ष

अमृत विचार : नगर पंचायत मसवासी में वाल्मीकि समाज के लोगों ने वाल्मीकि शोभायात्रा कमेटी का गठन किया जो कि पांच वर्ष तक मान्य रहेगी।

शुक्रवार को नगर पंचायत कार्यालय में हुई बैठक में सर्वसम्मति से वाल्मीकि शोभायात्रा कमेटी का गठन किया। जिसमें अध्यक्ष नितिन कुमार, उपाध्यक्ष अरुण कुमार, कोषाध्यक्ष पप्पू कुमार, उप कोषाध्यक्ष राजेश कुमार, सचिव करन सिंह, उप सचिव गौरव कुमार, प्रचार मंत्री बनाया गया। अजय कुमार, उप प्रचार मंत्री, कुणाल कुमार, संगठन मंत्री अजय कुमार, उप, विवेक कुमार, मीडिया प्रभारी विशाल को बनाया गया है, सदस्य अनिल कुमार, चिंटू, अर्जुन, अजय, सुनील आदि को बनाया। कोई भी पदाधिकारी या कार्यकर्ता संगठन या कानून के खिलाफ कार्य करता है तो उस पर सोमपाल वाल्मीकि, दिनेश कुमार, विजय, संजय चौधरी, राजीव, राजेश, सरजीत आदि कार्रवाई को बाध्य होंगे।

मकान बेचने के दबाव में युवक से मारपीट

टांडा, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के एक युवक ने घेरकर लाठी-डंडों से मारपीट का आरोप लगाया है। पुलिस ने 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। क्षेत्र के ग्राम दलेलनगर निवासी एक युवक ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि कुछ दिनों पहले गांव के ही आरिफ समेत कुछ युवकों ने उसे घेर कर मारपीट कर घायल कर दिया। गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी। अब मोहल्ले से मकान बेचने के लिए दबाव डाल रहे हैं। वीडियो उसके सीसीटीवी में रिकॉर्ड है। आरोपी उसके पड़ोसी हैं जो धमकी देते है।

बिना अनुमति संचालित भट्ठों पर होगी कार्रवाई

रामपुर, अमृत विचार: शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विभागीय अधिकारियों एवं ईंट भट्ठा संचालकों के साथ बैठक हुई। जिसमें डीएम ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से बिना अनुमति प्राप्त संचालित ईंट भट्ठों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने संबंधितों को निर्देशित किया कि सभी विभाग भट्ठों के संचालन के लिए अनुज्ञप्ति, अनापत्ति, लाइसेंस तब तक जारी न करें, जब तक ईंट भट्ठा बोर्ड से वैध सहमति प्राप्त न कर लें। डीएम ने राज्य कर विभाग के अधिकारियों, प्रदूषण विभाग एवं अन्य विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देशित किया कि किसी भी दशा में जनपद में अवैध रूप से ईंट भट्ठों का संचालन न हो। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन प्रभारी अधिकारी खनिज, क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण, खान अधिकारी एवं राज्य कर विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

योगासन में रामपुर का दबदबा

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

- राजकीय जुल्फिकार इंटर कॉलेज में हुई मंडलीय प्रतियोगिता

अमृत विचार: मंडलीय विद्यालयी योगासन प्रतियोगिता राजकीय जुल्फिकार इंटर कॉलेज में हुई। ट्रेडिशनल अंडर 14 बालक वर्ग में कमेंद्र प्रथम बिजनौर, नितिन सैनी द्वितीय मुरादाबाद और अमरोहा के उज्ज्वल कुमार तृतीय स्थान पर रहे।

प्रतियोगिता का आरंभ जिला क्रीड़ा प्रभारी अरविंद कुमार भास्कर ने किया। बालक वर्ग की संयोजक प्रधानाचार्य राजकीय जुल्फिकार इंटर कॉलेज रचना चतुर्वेदी तथा बालिका वर्ग की संयोजिका कन्या इंटर कॉलेज खारी कुआं ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन कर किया। ट्रेडिशनल अंडर 14 बालिका वर्ग में वंशिका प्रथम, प्रिया द्वितीय और संजना तृतीय सभी रामपुर रहीं। ट्रेडिशनल अंडर 17 बालक वर्ग में शिवा प्रथम बिजनौर, निखिल द्वितीय मुरादाबाद, केशव रावत तृतीय रामपुर रहे। ट्रेडिशनल अंडर 17 बालिका वर्ग में रोनी प्रथम मुरादाबाद, छवि द्वितीय मुरादाबाद, गुंजन तृतीय बिजनौर रहीं।

ट्रेडिशनल अंडर 19 बालक वर्ग में ऋतिक प्रथम बिजनौर, नितिन द्वितीय रामपुर और हिमांशु अमरोहा तृतीय स्थान पर रहे। ट्रेडिशनल अंडर 19 बालिका वर्ग में अनुराधा प्रथम मुरादाबाद, मनीषा द्वितीय बिजनौर और यशी चौधरी तृतीय बिजनौर रहे। आर्टिस्टक पेयर अंडर 14 बालिका वर्ग में रामपुर की हुमेरा और पाखी प्रथम स्थान पर रहीं। मंडलीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले बालक और बालिकाएं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता अयोध्या में प्रतिभाग करेंगे।

मुंबई में नगलिया के युवक की मौत

सैदनगर, अमृत विचार: अजीमनगर थाना क्षेत्र के नगलिया गांव के युवक की मुंबई में मौत हो गई। युवक मुंबई में होटल चलाता था।

घटना मुंबई के बुमराह कल्याण क्षेत्र की है। अजीमनगर के नगलिया आकिल निवासी युवक मो. आकिब(24) मुंबई में बिरयानी का होटल चलाता था। गुरुवार देर रात युवक होटल बंद कर जिम चला गया। लौटने के बाद कमरे में सो गया। सुबह पड़ोस के लोगों ने उसे मृत अवस्था में देखा तो उनके होश उड़ गए। मौके पर मौजूद लोगों ने सूचना स्थानीय पुलिस को दी। पुलिस ने फोन कर नगलिया स्थित परिजनों को जानकारी दी तो घर में कोहराम मच गया। रोते बिलखते परिजन शव लेने मुंबई रवाना हो गए हैं।

न्यूज डायरी

मानसिक मंदित महिला परिजनों को सौंपी

स्वार, अमृत विचार : गुरुवार को कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि नगर में एक मानसिक मंदित महिला इधर-उधर भटक रही है। महिला उपनिरीक्षक नीलम द्विवेदी मिशन शक्ति टीम के साथ उसे थाने ले आईं। पूछताछ में उसने नाम नन्ही उर्फ शायरा पुत्री हाशम अली बताया, लेकिन अन्य जानकारी देने में असमर्थ रही। पहचान कराने के लिए उसकी फोटो सोशल मीडिया व अन्य माध्यमों से प्रचारित की। महिला हेल्प डेस्क पर ठहरा उसे आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराई गईं। शुक्रवार को उसकी पहचान ग्राम अभय राजपुर थाना अफजलगढ़ जिला बिजनौर के शमशेर सिंह और गुलशेर सिंह पुत्र हाशम अली ने बहन नन्ही उर्फ शायरा के रूप में की। दोनों ने बताया कि उनकी बहन मानसिक रूप से कमजोर है। सत्यापन के बाद पुलिस ने महिला को शमशेर सिंह और गुलशेर सिंह के सुपुर्द कर दिया। बहन को सुरक्षित पाकर परिजनों के चेहरे खुशी से खिल उठे। उन्होंने पुलिस की प्रशंसा की।

वर्किंग मॉडल में इफरा और महक माजिद द्वितीय

रामपुर, अमृत विचार : राजकीय जुल्फिकार बालिका इंटर कॉलेज में समग्र शिक्षा अभियान के तहत छात्राओं ने विज्ञान प्रदर्शनी लगाई। प्रदर्शनी में छात्राओं ने वर्किंग मॉडल ,नॉन वर्किंग मॉडल एवं चार्ट प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। वर्किंग मॉडल में कक्षा 12 की छात्रा इफरा ने प्रथम, कक्षा 11 की छात्रा महक माजिद ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विज्ञान प्रदर्शनी का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ. शालू कौशल ने किया। मुख्यातिथि राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य अरविंद कुमार भास्कर ने छात्राओं को भविष्य में भी इसी प्रकार के और नए मॉडल और नए अविष्कार करने के लिए प्रेरित किया। विज्ञान शिक्षिका कल्पना सिंह और प्रगति गोयल ने छात्राओं को इन मॉडल को बनाने के लिए प्रेरित किया था। इस अवसर पर शमीम फातिमा, रेनू देवी, खदीजा, नाजिया, बबीता अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

बेमियादी धरने में एआर कोआपरेटिव के खिलाफ नारेबाजी

रामपुर, अमृत विचार : बी पैक्स कर्मचारी महासंघ की बेमियादी हड़ताल शुक्रवार को भी जारी रही। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता का तबादला नहीं होने तक धरना जारी रहेगा। विकास भवन परिसर में शुक्रवार को कर्मचारियों ने नारेबाजी की। पदाधिकारियों ने कहा कि जब तक सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता का तबादला नहीं होगा, धरना जारी रहेगा। कहा कि सरकार वेतन विसंगतियों को भी दूर कराए। धरना प्रदर्शन करने वालों में जिला अध्यक्ष महेश मौर्य, विभोर सक्सेना, गेंदनलाल, मनीष यादव, विक्रम यादव, मनोहर लाल गंगवार, जगदीश सरन पांडेय, जाहिद खां, रोहित कुमार, निखलेश भटनाकर, राजवीर यादव आदि मौजूद रहे। संचालन शाकिर अली ने किया।

खान फुटबॉल कप पर टाइगर क्लब का कब्जा

टांडा, अमृत विचार : मंसब अली स्टेडियम में शुक्रवार को खान कमेटी द्वारा 12 वें खान कप फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल हुआ। टाइगर क्लब ने यूनाइटेड क्लब को पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। 12 वें मिनट में टाइगर क्लब के मोहम्मद इकबाल ने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। हाफ तक टाइगर क्लब 1-0 से आगे रहा। दूसरे हाफ में यूनाइटेड ने वापसी करते हुए 35 वें मिनट में वाहिद और 45वें मिनट में अतहर के गोल से बढ़त बना ली, लेकिन 55वें मिनट में टाइगर क्लब के अदनान ने बराबरी का गोल दागा और स्कोर 2-2 हो गया। निर्धारित समय तक मैच बराबरी पर रहने के बाद फैसला पेनाल्टी शूटआउट से हुआ। टाइगर क्लब ने 5-4 से जीत दर्ज की। श्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार टाइगर के अदनान व मैन ऑफ द सीरीज का खिताब यूनाइटेड के अब्दुल वाहिद को दिया गया। मुख्य अतिथि नगर परिषद टांडा अध्यक्ष पति हाजी सरफराज आलम ने ट्रॉफी प्रदान की।

रेस्क्यू कर चार बच्चों को छुड़ाया

रामपुर, अमृत विचार : अखिल भारतीय बाल बचाव एवं पुनर्वास किशोर श्रम उन्मूलन अभियान के तहत थाना एचटीयू ने शुक्रवार को टांडा में होटल, ढाबा, मोटरसाइकिल दुकान,कपड़ा शोरूम से 4 बच्चों को रेस्क्यू कराकर बालश्रम से मुक्त कराया। टीम ने मेडिकल स्टोर, होटल, ढाबा मालिकों से कहा कि किसी भी दशा में 18 वर्ष से कम उम्र के बालकों को काम पर न रखा जाए ऐसा करना दंडनीय अपराध है। इस मौके पर श्रम विभाग, चाइल्ड लाइन की संयुक्त टीम मौजूद रही।

कैंटर पलटने से चालक और परिचालक घायल

बिलासपुर, अमृत विचार : उत्तराखंड के हल्द्वानी शहर निवासी जुनैद अली पेशे से कैंटर चालक है। गुरुवार रात वह दिल्ली से कैंटर में फल भरकर हल्द्वानी जा रहा था। नैनीताल हाईवे स्थित बाईपास पर गलत साइड से एक वाहन सामने आ गया। उसे बचाने के चक्कर में कैंटर अनियंत्रित होकर हाईवे किनारे गड्ढे में पलट गया। कैंटर चालक जुनैद अली और परिचालक बिलाल अहमद केबिन में फंसकर घायल हो गए। चीख पुकार सुनकर घटना स्थल पर ग्रामीणों सहित राहगीरों की भारी भीड़ जमा हो गई। लोगों ने केबिन में फंसे घायलों को बाहर निकाल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया। हादसे की सूचना कोतवाली पुलिस को भी दे दी गई थी। लेकिन, अभी कोई तहरीर नहीं दी गई है।

रामगंगा घाट पर छात्र-छात्राओं ने चलाया स्वच्छता अभियान

रामपुर, अमृत विचार : जिला गंगा समिति एवं तेज सिंह जूनियर हाईस्कूल मथुरापुर के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को रामगंगा घाट मदारपुर में स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम हुआ। एक दिन, एक घंटा, एक साथ विषय पर विशेष अभियान चलाया गया। जिसके माध्यम से छात्राओं, अध्यापकों व आमजन को संदेश दिया गया कि स्वच्छता केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी है। अभियान की शुरुआत शिक्षकों द्वारा छात्राओं को स्वच्छता के महत्व पर जागरूक करने से हुई। सभी ने मिलकर रामगंगा घाट मदारपुर की सफाई की। जिला परियोजना अधिकारी लव कुमार ने सभी को संकल्प दिलाया कि वे न केवल अपने विद्यालय व घर को स्वच्छ रखेंगे बल्कि, समाज के अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे।

डीएम ने 3640 छात्र-छात्राओं को बांटी छात्रवृत्ति

रामपुर, अमृत विचार : कक्षा 9, 10, 11 व 12 के छात्र-छात्राओं के छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम का कलेक्ट्रेट सभागार में हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री द्वारा छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण अधिकारियों व विद्यार्थियों ने देखा। उसके बाद डीएम ने जनपद के कक्षा 9-10 के 2701 और कक्षा 11-12 के 939 समस्त वर्गों के छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति वितरण किया। अनुसूचित जाति,जनजाति के 547 छात्रों को सामान्य वर्ग के 193 अन्य पिछड़ा वर्ग के 2216 और अल्पसंख्यक वर्ग के 684 छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति योजना से लाभान्वित किया।कार्यक्रम के दौरान डीएम ने कहा कि छात्रवृत्ति योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोई भी पात्र विद्यार्थी इसका लाभ प्राप्त करने से वंचित न रहे। इस दौरान अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ. नितिन मदान, जिला समाज कल्याण अधिकारी सूरज कुमारी, जिला विद्यालय निरीक्षक अंजलि अग्रवाल, शिक्षा विभाग के अधिकारी, प्रधानाचार्य, अध्यापक व छात्र-छात्राएं मौजूद रहीं।

पूर्व प्रधानमंत्री के आदर्शों पर चल रहा रालोद

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : राष्ट्रीय लोकदल की ग्राम रहसेना में शुक्रवार को हुई बैठक में सदस्यता अभियान चलाया। जिलाध्यक्ष शाहिद हुसैन ने कहा कि लोकदल की विचारधारा पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के आदर्शों और सिद्धांतों पर आधारित है।

उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह ने हमेशा किसानों, मजदूरों और आम जनता की आवाज बुलंद की। हम उसी विचारधारा को लेकर आपके बीच आए हैं। सदस्यता अभियान हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री, चौधरी जयंत सिंह के नेतृत्व में चलाया जा रहा है, जो रालोद को और मजबूत बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। पंचायत चुनावों में रालोद मजबूती के साथ मैदान में उतारेगा। वार्ड नंबर 32 से जिला सचिव शाहिद सैफी ने आवेदन जिला कार्यालय में दे दिया है। पार्टी ने पंचायत चुनाव के लिए पांच सदस्यीय समिति गठित की है। बैठक की अध्यक्षता ग्राम के पूर्व प्रधान मुस्तफा अली अंसारी ने की। कार्यक्रम का आयोजन जिला सचिव शाहिद सैफी द्वारा किया गया।

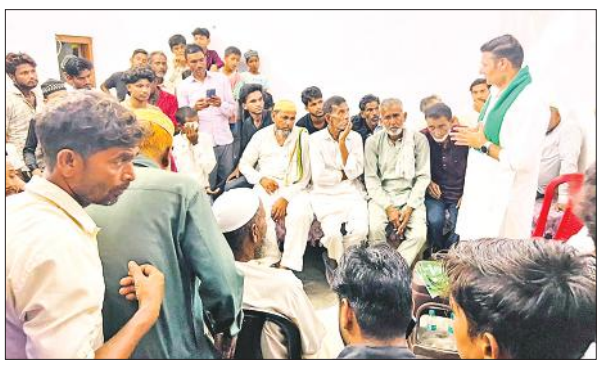

बैठक को संबोधित करते जिलाध्यक्षशाहिद हुसैन। ● अमृत विचार

- रालोद ने रहसेना में चलाया सदस्यता अभियान

इस अवसर पर दर्जनों लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। जिसमें राकेश मौर्या, साहिद खान, शानू सैफी, कपिल सैफी, बबलू सैफी, मजीम अली वल्दु सैफी, गुड्डू मुंशी,ओम प्रकाश, राशिद डीजे, डॉ. आमीन, मुस्तफा अली, इसाक कसर,अली आजम, गुल अहमद, महताब खान, दौलत खान, इब्राहिम खान, आसिफ, मेहंदी सैफी,सादिक शामिल है।

दवा सिर्फ उत्पाद नहीं स्वास्थ्य का वादा

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

- जौहर विवि में फार्मासिस्ट दिवस पर कुलपति का संबोधन

अमृत विचार : मोहम्मद अली जौहर विवि में फार्मासिस्ट दिवस पर कार्यक्रम किए गए। कुलपति प्रोफेसर जहीरुद्दीन ने कहा कि दवाएं सिर्फ उत्पाद नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य का एक वादा हैं। रमित यादव ने दवाओं के सही उपयोग और उनके प्रभावों को समझने के महत्व पर जोर दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत तिलावते कुरान मजीद से हुई। जिया उर रहमान ने फार्मेसी विभाग के कॉलेज की प्रगति रिपोर्ट बताई। फार्मासिस्ट दानिश ने सभी को फार्मासिस्ट की शपथ दिलवाई। प्रिंसिपल फार्मेसी डॉ. राजेश यादव ने कहा कि फार्मासिस्ट को अक्सर गुमनाम नायक भी कहा जाता है क्योंकि उनके स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में इस योगदान को बहुत कम लोग जानते हैं।

सांस्कृतिक और रंगारंग कार्यक्रम हुए। कुलपति ने कहा कि फार्मासिस्ट न केवल दवाएं देते हैं, बल्कि वे स्वास्थ्य सेवाओं में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कहा कि अगर भारत की बात की जाए तो पूरे देश में कुल रजिस्टर्ड फार्मेसी 5,59,408 के आस- पास हैं। डॉ. प्रीति विश्वास ने आभार जताया जबकि संचालन समन ने किया। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. एस एन सलाम, परीक्षा नियंत्रक एवं प्रॉक्टर मो. आरिफ, प्रिंसिपल फार्मेसी डॉ. राजेश यादव, डॉ. गुलरेज निजामी, डॉ. मोहम्मद कलीम, डीन साइंस डॉ. स्वाति सिंह राणा, डॉ. तनवीर इरशाद आदि मौजूद रहे।

कुलपति प्रो. जहीरुद्दीन को गुलदस्ता देकर स्वागत करती छात्रा। ● अमृत विचार

किसान विरोधी काम कर रहे अधिकारी

बिलासपुर के गांव राजपुर में प्रदर्शन करते किसान। ● अमृत विचार

संवाददाता, बिलासपुर

- भारतीय किसान यूनियन भानु की पंचायत आयोजित

अमृत विचार: भाकियू भानु से जुड़े किसानों ने शुक्रवार को बिलासपुर के गांव राजपुर निवासी गुच्छन खान के आवास पर पंचायत की। जिलाध्यक्ष मोहम्मद सलीम वारसी ने कहा कि भूमाफिया और दबंग लोग नहर का गला घोंट रहे हैं। अधिकारी सत्ता के दबाव में किसान विरोधी काम कर रहे हैं। उसके बाद किसानों ने प्रदर्शन भी किया।

किसान खून-पसीना बहाकर अन्न पैदा करता है, जिसे मंत्री-अधिकारी खाते हैं। अगर नहर का पानी टेल तक नहीं पहुंचा तो ऐसा आंदोलन होगा। जिससे विभाग की नींद उड़ जाएगी। आरोप है कि नहर विभाग के अधिकारी फर्जी रिपोर्ट बनाकर शासन को गुमराह कर रहे हैं। कब्जाधारियों की मदद से पानी से वंचित किया जा रहा है। डीजल, खाद, दवा सब महंगा हो गया है। अब अगर पानी भी रोक दिया गया तो किसान बर्बाद हो जाएगा।जो सीधा-सीधा किसान विरोधी है। इस मौके पर मोहम्मद अहमद, असलम खान, सादिक अहमद, सोनू, जयपाल सिंह, रामवीर सिंह, शुऐब खान, तसलीम खान, खालिद खान, जुबैर खान, महबूब हसन, राजीव, इरफान खान, अब्दुल हमीद आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार

मुरादाबाद , शनिवार, 27 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

बाइक की टक्कर से युवक घायल, अस्पताल में भर्ती

मनोटा, अमृत विचार : असमोली थाना क्षेत्र के जोया संभल मार्ग मनोटा पुल पर पैदल जा रहे युवक को सामने से आ रही बाइक ने टक्कर मार दी। घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। थाना क्षेत्र के गांव सिरौली निवासी आकाश अपने गांव से काम करने के लिए जा रहा था। जैसे ही आकाश मनोटा पुल पर पहुंचा तो बाइक सवार प्रदीप निवासी काशीपुर उत्तराखंड असमोली की तरफ जा रहा था। पैदल जा रहे आकाश को सामने से आ रहे बाइक सवार ने टक्कर मार दी। जिससे आकाश घायल हो गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे परिजन इलाज के लिए आकाश को निजी अस्पताल में ले गये।

मैथ ओलंपियाड परीक्षा सम्पन्न

ठाकुरद्वारा/डिलारी, अमृत विचार : खण्ड शिक्षा अधिकारी डिलारी के मार्गदर्शन में ब्लॉक संसाधन केंद्र डिलारी पर मैथ ओलंपियाड परीक्षा का सफल आयोजन हुआ। परीक्षा सुचितापूर्वक संपन्न हुई। ब्लॉक के विभिन्न उच्च प्राथमिक विद्यालयों के 60 बच्चों ने हिस्सा लिया। परीक्षा कार्यक्रम की रूपरेखा मारूफ अली, पवन कुमार तथा मुकेश कुमार द्वारा तैयार की गई।

प्रेमिका ने कराया था प्रेमी की मंगेतर पर एसिड अटैक

इंस्टाग्राम पर डॉ. अर्चना के नाम से जाह्नवी ने बनाई थी आईडी

कार्यालय संवाददाता, संभल

अमृत विचार : इंटर कॉलेज की अध्यापिका पर एसिड अटैक मामले में पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। अध्यापिका के मंगेतर फौजी उपेंद्र विश्वकर्मा की पूर्व प्रेमिका जाह्नवी ने ही यह सनसनीखेज साजिश रची थी। पति और तीन बच्चों को छोड़कर फौजी से प्रेम विवाह करने वाली जाह्नवी बाद में उससे अलग हो गई तो बदला लेने की ठानकर उसने सोशल मीडिया पर नया जाल बिछाया। खुद को डॉ. अर्चना बनाकर निशु को अपने प्रेम जाल में फंसाया और फिर उससे अध्यापिका पर एसिड अटैक करा दिया ताकि पूर्व प्रेमी की शादी न हो पाये।

संभल जनपद के नखासा थाना क्षेत्र अन्तर्गत शरीफपुर गांव निवासी अध्यापिका भावना 23 सितंबर को स्कूल की छुट्टी के बाद घर वापस लौट रही थी। तभी रास्ते में स्कूटी सवार युवक ने उस पर एसिड अटैक कर दिया था। भावना गंभीर हालत में दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती है। भावना पर एसिड अटैक करने वाले युवक नीशू को गुरुवार की रात पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया था। उसके दोनों पैर में गोली लगी थी। सवाल यह था कि आखिर नीशू ने भावना पर एसिड अटैक क्यों किया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई और असमोली सीओ कुलदीप कुमार ने शुक्रवार को इस बात का खुलासा किया तो पता चला कि एसिड फेंकने वाला नीशू तो केवल मोहरा था। इस खतरनाक साजिश को रचने वाली थी जाह्नवी उर्फ डॉ. अर्चना। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि लगभग दो साल पहले फेसबुक और इंस्टाग्राम पर फौजी उपेंद्र और जाह्नवी की मुलाकात हुई थी। पति और तीन बच्चे होने की बात छिपाकर जाह्नवी ने फौजी उपेंद्र के साथ प्यार का खेल खेला और मंदिर में शादी भी कर ली। जब जाह्नवी के पहले से शादीशुदा और तीन बच्चों की मां होने की बात सामने आई तो उपेंद्र छह महीने बाद ही जाह्नवी से अलग हो गया। इसके बाद जाह्नवी अपने पति और बच्चों के पास लौट गई। उपेंद्र ने जाह्नवी को छोड़ दिया लेकिन जाह्नवी ने उपेंद्र से बदला लेने की ठान ली थी।

एसिड अटैक का खुलासा करते एसपी। पीछे पुलिस हिरासत में खड़ी जाह्नवी।

संभल में पुलिस हिरासत में मुठभेड़ में घायल आरोपी नीशू। ● अमृत विचार

भावना पर एसिड अटैक कराने वाली जाह्नवी गिरफ्तार

संभल, अमृत विचार : गुरुवार रात पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तारी के बाद नीशू से पुलिस ने पूछा कि उसने भावना पर एसिड अटैक क्यों किया। नीशू ने जब डॉ. अर्चना के कहने पर एसिड अटैक करने की बात बताकर उसकी इंस्टाग्राम आईडी दिखाई तो पुलिस डॉ. अर्चना की तलाश में जुटी। नखासा के प्रभारी निरीक्षक संजीव बालियान ने बताया कि काफी खोजबीन के बाद भी पता नहीं चल पाया कि डॉ. अर्चना आखिर है कौन। नीशू की बताई कहानी के हिसाब से डॉ. अर्चना की बहन जाह्नवी पत्नी राजकुमार निवासी मोहल्ला मंगल विहार कालोनी थाना मोदीनगर को उसके घर से हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो पता चला कि जाह्नवी ही डॉ. अर्चना बनकर खेल खेल रही थी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

उपेंद्र की शादी तय होते ही रची साजिश, नीशू को बनाया मोहरा

संभल, अमृत विचार : जाह्नवी भले ही अपने पति और बच्चों के साथ रह रही थी, लेकिन वह उपेंद्र फौजी पर निगाह लगाए थी। जब पता चला कि चार माह पहले उपेंद्र की शादी अध्यापिका भावना के साथ तय हो गई तो जाह्नवी ने शादी न होने देने के लिए सनसनीखेज साजिश रची। इस साजिश को अंजाम देने के लिए मोहरा बनाया अमरोहा जनपद के तिगरी गांव निवासी नीशू को। जाह्नवी ने इंस्टाग्राम पर डॉ. अर्चना के नाम से आईडी बनाई और फिर नीशू से दोस्ती कर ली। जब दोस्ती गहरी हो गई तो जाह्नवी ने डॉ. अर्चना के तौर पर नीशू से कहा कि जाह्नवी नाम की उसकी बहन है, जिसे उपेंद्र ने धोखा दिया है। यदि वह उपेंद्र से बदला ले ले तो वह उससे शादी कर लेगी। उसने नीशू को अपने अलग स्टाइल का फोटो दिखाकर कहा कि यह उसकी बहन जाह्नवी है जिसे धोखा दिया गया है। जाह्नवी ने नीशू से कहा कि उपेंद्र की शादी तय हो गई है। तुम्हें उपेंद्र की मंगेतर पर एसिड अटैक करना है ताकि शादी न हो पाये। जाह्नवी के असली रूप और साजिश से अंजान नीशू ने डॉ. अर्चना को पाने के लिए उसकी बात मान ली और 23 सितंबर को फौजी उपेंद्र की मंगेतर भावना पर एसिड फेंक दिया। नीशू ने सोचा था कि भावना पर एसिड अटैक करने के बाद डॉ. अर्चना से उसकी शादी हो जायेगी। अब उसे पता चला कि डॉ. अर्चना और जाह्नवी दरअसल एक ही महिला है, तो वह हैरान रह गया। नीशू को अब समझ आया कि वह कितनी गहरी साजिश का शिकार हुआ है।

पुलिस पार्टी को मिलेगा 10 हजार इनाम

संभल, अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि अध्यापिका पर एसिड अटैक की घटना का सफल खुलासा कर नीशू व जाह्नवी को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम को दस हजार का इनाम दिया जायेगा। बताया कि पुलिस ने नीशू के पास से जहां तमंचा व कारतूस बरामद किये हैं। वहीं एसिड फेंकने की घटना में इस्तेमाल की गई स्कूटी यूपी 23 डब्लू 0139 के साथ ही दो मोबाइल भी बरामद किये हैं।

गंदगी, मिलावट मिलने पर होटल को किया सील

बहजोई, अमृत विचार : अभियान के दौरान मांसाहारी होटल पर छापेमारी की। जिस पर खाद्य पदार्थ अस्वच्छ व अव्यवस्थित मिले। जिसको लेकर होटल को सील कर दिया।

बहजोई चंदौसी मार्ग स्थित ताज होटल पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम पहुंची। जहां पर उन्होंने जांच करते हुए पाया कि खाद्य पदार्थ स्वच्छ नहीं है। वहीं अव्यवस्थित तरीके से रखे हुए हैं। साफ सफाई की व्यवस्था बहुत ही खराब थी। कर्मचारियों ने व्यक्तिगत स्वच्छता का भी अभाव दिखा और खाद्य लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन इसमें साफ नजर आया। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने चिकन ग्रेवी और आटे में मिलावट का संदेह होने पर दोनों के नमूने ले लिए और उन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा। होटल को बंद कराकर सील कर दिया। खाद्य सुरक्षा विभाग की इस कार्रवाई से होटल कारोबारियों में हड़कंप पर मच गया। कुछ होटल संचालक होटल बंद कर चले गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी के निर्देश पर छापेमारी की जा रही है।

पराली प्रबंधन के लिए किसानों को मिलेगा मौका

बहजोई , अमृत विचार : जनपद में पराली और फसल अवशेष प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए एफपीओ व किसानों को एग्रीगेटर बनाने की प्रक्रिया फिर प्रारंभ हो गई है। उप कृषि निदेशक ने पहले 12 सितंबर तक आवेदन मांगे थे। लेकिन उस समय कोई प्रस्ताव नहीं मिला। अब सीबीजी प्लांट और कंपनियों से एमओयू रखने वाले एफपीओ और किसानों को एक और मौका दिया गया है।

पराली और फसल अवशेष प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए एक और मौका दिया गया है। इसके तहत पराली एकत्र कर ऊर्जा उत्पादन में इस्तेमाल करने की योजना है। एफपीओ का रजिस्ट्रेशन कम से कम एक साल पुराना और सक्रिय सदस्य संख्या 100 होना जरूरी है। साथ ही एफपीओ का upfposhakti.com पोर्टल पर पंजीकृत और सक्रिय होना भी अनिवार्य है। आवेदन छह अक्टूबर तक उप कृषि निदेशक कार्यालय, बनियाखेड़ा ब्लॉक के पीछे चंदौसी स्थित कार्यालय में जमा किए जा सकते हैं।

संभल में रहे सुरक्षा के कड़े प्रबंध एएसपी ने किया पैदल मार्च

कार्यालय संवाददाता, संभल

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश के कई शहरों में आई लव मोहम्मद को लेकर हुए विवाद को देखते हुए शुक्रवार को संभल में सुरक्षा के बेहद कड़े प्रबंध रहे। एएसपी एएसपी उत्तरी कुलदीप सिंह ने शहर में पुलिस जवानों के साथ पैदल मार्च किया।

एक दिन पहले पुलिस ने मुस्लिम समुदाय के जिम्मेदार लोगों के साथ बैठक कर साफ बता दिया था कि ऐसा कोई काम न करें जिससे माहौल खराब हो। यह भी बताया था कि जुलूस व प्रदर्शन जैसे आयोजनों पर पूर्ण प्रतिबंध है। ऐसे में इस तरह का कोई कदम न उठाया जाये। इसके बाद शुक्रवार को सुबह से ही पुलिस अलर्ट मोड पर नजर आई। अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी कुलदीप सिंह ने पुलिस, पीएसी के जवानों के साथ शहर में पैदल मार्च किया। दोपहर को नमाज के समय जामा मस्जिद सहित शहर की प्रमुख मस्जिदों पर पुलिस मुस्तैद रही। जामा मस्जिद में शुक्रवार को जुमे की नमाज कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हुई। नमाज अदा करने के बाद निकले नमाजियों ने कहा कि संभल का माहौल बिल्कुल ठीक है। मस्जिद गेट व अन्य रास्तों पर पुलिस बल को तैनात किया गया था। सीसीटीवी कंट्रोल रूम से मस्जिद क्षेत्र से पूरे शहर की निगरानी की गई।

संभल में पुलिस जवानों के साथ पैदल मार्च करते एएसपी कुलदीप सिंह ● अमृत विचार

संभल में सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय का उद्घाटन

संभल, अमृत विचार : संभल के शहजादी सराय में अपर जिलाधिकारी कार्यालय व जिलाधिकारी न्यायालय परिसर में नवनिर्मित नगर मजिस्ट्रेट कार्यालय का जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई एवं दो बालिकाओं ने लोकार्पण किया।

संभल में तीन माह पहले सिटी मजिस्ट्रेट का पद सृजित कर शासन ने सुधीर कुमार को संभल का पहला सिटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया था। स्थायी तौर पर अपर जिलाधिकारी कार्यालय में बैठकर सिटी मजिस्ट्रेट ने अपना काम शुरु किया तो जिलाधिकारी राजेंद्र पैंसिया ने इसी कार्यालय परिसर में खाली जमीन पर विनियमित क्षेत्र की अवस्थापना विकास निधि से सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय का निर्माण शुरु कराया था। अब इसी नये कार्यालय में बैठेंगे। जिलाधिकारी राजेंद्र पैंसिया ने बताया कि सिटी मजिस्ट्रेट का कार्यालय बन जाने से कार्य व्यवस्थित तरीके से होगा और जनता को भी सहूलियत होगी।

टीएमयू नर्सिंग छात्रा की आत्महत्या मामले में परिजनों से मिले कांग्रेस नेता

कार्यालय संवाददाता, संभल/ओबरी

अमृत विचार : तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी में बीएससी नर्सिंग फाइनल सेमेस्टर की छात्रा जनपद संभल के असमोली थाना क्षेत्र अन्तर्गत गांव हीरापुर निवासी जनम सिंह की बेटी दीक्षा पाल द्वारा 18 सितंबर को यूनिवर्सिटी भवन की तीसरी मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या के मामले को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर शुक्रवार को छात्रा के घर पहुंचा और परिजनों से बात की।

रामपुर के पूर्व विधायक संजय कपूर के नेतृत्व में हीरापुर गांव में छात्रा दीक्षा पाल के घर पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में संभल कांग्रेस जिला अध्यक्ष मोहम्मद आरिफ तुर्की, शहर अध्यक्ष शिव किशोर गौतम, संगठन कोआर्डिनेटर परवेज आरिफ टीटू, विनीत त्यागी, तौकीर अहमद, मुशीर खान तरीन, मरगूब आलम, मनोज कुमार चौधरी, कल्पना सिंह, आरिफ तनवीर, इशरत जहां, रानी परवीन, खतीजा, डोली, जीशान अली हैदरी सहित 16 सदस्य शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और घटना की वस्तुस्थिति जानी।

छात्रा के परिजनों से बात करते कांग्रेस नेता। ● अमृत विचार

● पार्टी हाईकमान के निर्देश पर पहुंचा कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल

इस दौरान लोगों ने सवाल उठाया कि आखिरकार टीएमयू में छात्राओं द्वारा आत्महत्या की घटनाएं क्यों हो रही हैं। कांग्रेस नेताओं ने परिजनों को आश्वस्त किया कि घटना की निष्पक्ष जांच कराकर न्याय दिलाया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि मामले की रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को सौंपी जाएगी। पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिला तो पार्टी इसे लखनऊ तक उठाएगी और विधानसभा में भी तरीके से मुद्दा रखेगी।

जावेद हबीब व साथियों पर कसेगा कानून का शिकंजा

कार्यालय संवाददाता, संभल

- थाना रायसत्ती पर एसपी से मिलकर पीड़ितों से सुनाया दर्द
- एसपी ने कहा अब तक 18 पीड़ित सामने आये, हुई करोड़ों की ठगी

अमृत विचार : हेयर स्टाइलिस्ट जावेद हबीब व उनके साथियों द्वारा कंपनी में निवेश कर मुनाफे का लालच देकर करोडों की ठगी के मामले में शुक्रवार को पीड़ितों ने एसपी केके विश्नोई को आपबीती सुनाई। एसपी ने कहा कि ठगी करने वालों पर कानून का शिकंजा कसेगा।

पीड़ितों ने एसपी को बताया कि एचएल ग्लोबल कंपनी में 4 से 10 लाख रुपये निवेश करने पर प्रतिवर्ष 50 से 75 प्रतिशत तक मुनाफे का झांसा दिया गया था। लेकिन कंपनी करोड़ों रुपये जुटाकर दिल्ली में निवेश कर गायब हो गई। पीड़िता अल्बिना ने बताया कि उनसे ढाई साल पहले शादी के लिए रखे गए 4.70 लाख रुपये निवेश कराए गए थे। हर महीने 50 हजार रुपये देने का वादा किया गया, लेकिन अब तक एक पैसा नहीं मिला। इसी तरह मोहम्मद रेहान ने 2.20 लाख रुपये नकद निवेश करने की बात कही, जबकि रईस अहमद ने बताया कि करीब 150 लोगों से 5 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी हुई है। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने पीड़ितों को बताया कि जावेद हबीब, उनके बेटे और सैफुल नामक व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया गया है। इस मामले में पुलिस गहनता से जांच कर रही है। आरोपी कहीं भी भाग लें उन्हें कानून का सामना करना ही पड़ेगा।

छात्रों को मिले छात्रवृत्ति प्रमाणपत्र

संवाददाता, रजपुरा

अमृत विचार : कस्बा गवां के हरि बाबा जनता इंटर कॉलेज में शासन के समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत विभाग द्वारा संचालित छात्रवृत्ति शुल्क प्रतिपूर्ति योजना में छात्रवृत्ति स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

इस आयोजन में कक्षा 9 से 12 तक के चयनित 43 छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रमाण पत्र वितरित किए गए। छात्रवृत्ति योजना से आच्छादित कक्षा 9 व 10 तथा 11 व 12 के छात्र-छात्राओं को समाज कल्याण अधिकारी, प्रधानाचार्य हरीशपाल सिंह तथा विद्यालय प्रबंध समिति के कोषाध्यक्ष अनुरागदत्त गौड़ ने प्रमाण पत्र वितरित किए। लखनऊ के मुख्य समारोह का सजीव प्रसारण छात्र-छात्राओं को दिखाया गया। मुख्यमंत्री द्वारा छात्रवृति वितरण समारोह के अंतर्गत 3,96,606 छात्र-छात्राओं को 89.96 करोड़ की धनराशि का हस्तांतरण किया गया। अनुराग गौड़ ने कहा कि सरकार द्वारा दी जा रही छात्रवृत्ति से विद्यार्थियों को पढ़ाई में आर्थिक मदद मिलेगी।

हरि बाबा जनता इंटर कॉलेज में छात्रवृत्ति प्रमाण पत्र दिखाते बच्चे। ● अमृत विचार

● लखनऊ में आयोजित मुख्य समारोह का दिखाया सीधा प्रसारण

विद्यालय के प्रधानाचार्य हरीशपाल सिंह ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि सभी बच्चे मेहनत से पढ़ाई करें।

उन्होंने सशक्तिकरण के एक साधन के रूप में शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। इस अवसर पर पुष्कर शर्मा, भूपेन्द्र सिंह, गौरव अग्रवाल, हरीश शर्मा, मुहम्मद इकबाल, केशव तोमर, प्रेमशंकर पाण्डेय, चंद्रशेखर, शिवांश गौड़, तथा विनय गिरी आदि मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

पांच ग्राम पंचायतें अंधत्व से मुक्त घोषित की गईं

बबराला, अमृत विचार : सीएल गुप्ता नेत्र संस्थान मुरादाबाद की ओर से शुक्रवार को बबराला में ग्रामीण नेत्र स्वास्थ्य कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ। जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का उद्घाटन किया। जिलाधिकारी ने कहा कि संभल से इस महत्वाकांक्षी अभियान की शुरुआत गौरव की बात है। संस्थान की वाइस चेयरपर्सन डॉ. आशी खुराना ने मरीजों को समय पर उपचार का आश्वासन दिया। ट्रस्टी शिखा गुप्ता ने सेवाओं को ' 'वसुधैव कुटुंबकम' ' की भावना से जोड़ते हुए बताया कि हर समुदाय तक गुणवत्तापूर्ण उपचार पहुंचेगा। साइटसेवर्स इंडिया के कंट्री हेड आरएन मोहंती ने कहा कि यूपी के 19 जिलों में यह अभियान चल रहा है। चोलामंडलम फाइनेंस के सीएसआर हेड नरेंद्र कुमार ने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की अपील की। विशिष्ट अतिथि सीएमओ डॉ. तरुण पाठक ने पांच ग्राम पंचायतों रिवाड़ा, झुकेरा, नंदपुर, लावर और देवर कंचन को मोतियाबिंद अंधत्व मुक्त घोषित किया। कार्यक्रम में नेत्रदाता परिवारों का सम्मान भी किया गया।

स्वास्थ्य शिविर में 65 लोगों की जांच व किया टीकाकरण

बहजोई , अमृत विचार : बहजोई में जिला प्रशासन व शुगर मिल के सहयोग से उम्मीद संस्था द्वारा संचालित भीख से सीख की ओर कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य जांच और टीकाकरण शिविर आयोजन किया गया। जिसमें कुल 65 लोगों की जांच हुई। शिविर में पांच बच्चों व पांच महिलाओं को टीके लगाए गए। जबकि 16 लोगों को बीपी संबंधी समस्या के लिए और छह लोगों को शुगर से जुड़ी समस्या के लिए परामर्श दिया गया। शिविर में 35 जांच मलेरिया की की गईं व अन्य बीमारियों से ग्रसित मरीजों को दवाएं उपलब्ध कराई गईं। शिविर में मौजूद सीएचसी बहजोई के चिकित्सकों ने मरीजों को साफ-सफाई बनाए रखने, समय पर टीकाकरण कराने और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान उम्मीद संस्था की ओर से कार्यक्रम प्रमुख डॉ. रैना शर्मा, क्षेत्र समन्वयक गौरव सिंह व सचिन कुमार मौजूद रहे।

खेलकूद प्रतियोगिताओं में बच्चों ने दिखाया दमखम

रजपुरा, अमृत विचार : ग्राम कुदारसी में न्याय पंचायत इकौना में न्याय पंचायत स्तरीय खेलों का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन ग्राम प्रधान रामप्रसाद ने फीता काटकर किया। कुदारसी के प्रधानाध्यापक नागेंद्र सिंह ने बताया कि न्याय पंचायत के प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक के छात्र-छात्राओं ने खेलों में प्रतिभाग किया। उच्च प्राथमिक में खजरा इनायतगंज की कबड्डी की टीम ने जीत हासिल की। प्राथमिक स्तर पर इकौना की टीम विजयी रही। दौड़ में ग्राम कुदारसी के अखिलेश ने प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं, उधनपुर खागी व लहरारातू के सुमित अव्वल रहे। मुख्य अतिथि द्वारा बच्चों को मेडल देकर पुरस्कृत किया। मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान रामप्रसाद, विशिष्ट अतिथि रजनीश यादव व संतोष यादव रहे। आयोजन में समय सिंह, कैलाश चंद्र, परमजीत सिंह, मोहित सिंह, गुमानी सिंह, राहुल कुमार, अमित शर्मा, योगेश शर्मा, संतोष, सोमवीर आदि का सहयोग रहा।

भगवान श्रीराम की शोभायात्रा निकाली

संभल अमृत विचार : कल्कि नगरी संभल में शुक्रवार को श्री रामलीला कमेटी द्वारा भगवान श्रीराम की भव्य बरात निकाली गई। देर रात राम के सीता के साथ विवाह का संस्कार संपन्न हुआ। शुक्रवार शाम को शोभायात्रा का आरंभ शंकर चौराहा स्थित मानस मंदिर से हुआ। जहां पंडित अवनीश शास्त्री ने विधिवत पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर रामलीला कमेटी अध्यक्ष अनंत अग्रवाल और प्रबंधक वैभव गुप्ता सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अतिथियों ने नारियल फोड़कर शोभायात्रा का आरंभ किया। शोभायात्रा में भगवान श्री गणेश की झांकी, शिव तांडव, योगी शंकर, बाहुबली हनुमान, मां दुर्गा, राधा-कृष्ण की नृत्य नाटिका, शेषनाग की झांकी तथा भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और भरत के स्वरूप मुख्य आकर्षण रहे। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर बरात का स्वागत किया। कमेटी अध्यक्ष अनंत अग्रवाल ने कहा कि भगवान श्रीराम की बारात धर्म, आदर्श और विजय की यात्रा का प्रतीक है। इस अवसर कमल दिवाकर, उमेश सैनी, संजीव दिवाकर, अनुराग गुप्ता, पिंकू त्यागी, शोभित शास्त्री रहे।

आयोजन रक्षा, कृषि, लॉजिस्टिक और बुनियादी ढांचा जैसे क्षेत्रों से बढ़ती मांग मुख्य कारण

वनगमन की लीला का मंचन देख दर्शक भावुक

संवाददाता, बबराला

अमृत विचार : नगर में चल रहे रामलीला महोत्सव में गुरुवार रात राम वनगमन प्रसंग का भावपूर्ण मंचन किया गया। इस दृश्य में कैकयी द्वारा राजा दशरथ से दो वरदान मांगने का मंचन किया।

मंचन में राजा दशरथ की विवशता, कैकयी का कठोर रवैया और राम का पिता की आज्ञा का पालन करते हुए वनवास स्वीकार करने का चित्रण हुआ। राजा दशरथ ने कैकयी से बहुत विनती की, लेकिन प्रतिज्ञाबद्ध होने के कारण वे असहाय रहे। कैकेयी के इस कृत्य से अयोध्यावासी शोकाकुल दिखाए गए और राम, लक्ष्मण व सीता के वनगमन का मार्मिक प्रसंग प्रस्तुत किया गया। मंचन से पूर्व मातृशक्ति ने सियाराम की आरती उतारकर कार्यक्रम का आरंभ किया।

बबराला में श्री राम के वन गमन की लीला का मंचन करते कलाकार। ● अमृत विचार

गवां में सीता हरण की लीला का मंचन

रजपुरा, अमृत विचार : कस्बा गवां में श्री शिव मंदिर रामलीला कमेटी के तत्वावधान में चल रही रामलीला मंचन के दौरान शुक्रवार की रात सीता हरण की लीला का भावपूर्ण मंचन हुआ। मंचन में दिखाया गया कि जब रावण साधु के वेश में पंचवटी पहुंचा तो माता सीता ने अतिथि मानकर उसका आदर किया, परंतु रावण ने अपना असली स्वरूप प्रकट किया और सीता जी का हरण कर पुष्पक विमान में बैठाकर लंका की ओर प्रस्थान किया। इधर, रामजी और लक्ष्मण जी की अनुपस्थिति में जब सीता जी का अपहरण हुआ तो मंचन में पक्षिराज जटायु का वीरतापूर्ण संघर्ष भी दिखाया गया।

वनवास का मंचन

रजपुरा, अमृत विचार : कस्बा रजपुरा में चल रही रामलीला मंचन में शुक्रवार रात श्री हनुमत विजय रामलीला व नाटक कला मंच अयोध्या द्वारा दशरथ मरण से पंचवटी विश्राम तक की लीला दिखाई गई। जब मंत्री सुमंत अकेले वापस आ जाते हैं तो दशरथ कहते हैं कि राम-लक्ष्मण को जानकी सहित वापस क्यों नहीं लेकर आए। तब सुमंत कहते हैं कि उन्होंने आने से मना कर दिया। इस वियोग में राजा दशरथ अपने प्राण त्याग देते हैं। कार्यक्रम के दौरान अखिलेश अग्रवाल, वेद प्रकाश वार्ष्णेय, सत्यपाल सिंह, यादव अनिल कुमार यादव, लखमीचंद गौतम, शिवभक्त शर्मा, सौरभ बंसल, तरंग कंसल इत्यादि कमेटी के लोग मौजूद रहे।

संकट आने पर भी जो भक्ति न छोड़े वही सच्चा भक्त : स्वामी विजय

असमोली, अमृत विचार : गांव सैदपुर जसकोली में चल रही कथा के तृतीय दिवस पर कथा व्यास स्वामी विजय स्वरूप ने भक्ति के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संकट आने पर भी जो भक्ति नहीं छोड़ता, वही असली भक्त होता है।

उन्होंने प्रह्लाद प्रसंग का उल्लेख करते हुए बताया कि गर्भकाल में ही देव ऋषि नारद के आश्रम में प्रहलाद ने ब्रह्म ज्ञान प्राप्त कर लिया था। जन्म के बाद जब वे शिक्षा ग्रहण करने गए, तो भी भक्ति की चर्चा करने लगे। उनकी भक्ति की ख्याति पूरे राज्य में फैल गई। कहा कि हिरण्यकश्यप ने प्रहलाद को भक्ति मार्ग से रोकने के लिए अनेक प्रयास किए। लेकिन हर बार वह भगवान की कृपा से बच गए। यही सच्ची भक्ति का लक्षण है कि अन्याय, अनीति और अत्याचार चाहे बलवान क्यों न हो, वह भगवान की भक्ति के सामने सफल नहीं हो सकता।

न्यूज ब्रीफ

बरात चढ़ के दौरान बरातियों में हुई मारपीट

गजरौला, अमृत विचार : बरात चढ़त के दौरान डांस करने को लेकर बरातियों में मारपीट हो गई। जिससे हंगामा की स्थिति बन गई। लोगों ने किसी तरह समझाकर बरातियों को शांत कराया। गुरुवार को क्षेत्र के गांव में बरात आई थी। खाना खाने के बाद बरात चढ़ की तैयारी हो रही थी। इसी बीच बरात चढ़त के दौरान डांस करने को लेकर बरातियों के बीच मारपीट शुरू हो गई। जिससे वहां हंगामे की स्थिति बन गई। शोर-शराबा होने पर आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। मौके पर मौजूद लोगों को किसी तरह बरातियों को समझाकर शांत कराया। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में नहीं है।

अलीना बनी इंटर कॉलेज की 1 दिन की प्रधानाचार्य

हसनपुर, अमृत विचार : शासन के निर्देश पर मिशन शक्ति के अंतर्गत शुक्रवार को श्रीमती सुखदेवी इंटर कॉलेज की कक्षा 12 की छात्रा अलीना एक दिन के लिए प्रधानाचार्य बनीं। इस दौरान अलीना ने कक्षाओं, प्रयोगशाला में जाकर उनका भौतिक सत्यापन भी किया। मिशन शक्ति के अंतर्गत मिले उत्तरदायित्व पर छात्रा अलीना ने कहा कि मुझे बहुत गर्व हो रहा है। इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य मुकेश बाबू ने बताया कि मिशन शक्ति के अंतर्गत शासन के निर्देशों का पालन करते हुए छात्र को एक दिन का प्रधानाचार्य बनाया गया है। इस मौके पर इंटर कॉलेज का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

राम बरात में झांकियां बनीं आकर्षण का केंद्र

गजरौला, अमृत विचार : श्री रामलीला सेवा समिति के तत्वावधान में रामलीला में शुक्रवार को मालगोदाम से राम बरात निकाली गई। जिसका आरंभ प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार, पूर्व चेयरमैन राजकुमार अग्रवाल व जुबिलेंट इन्ग्रेविया लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारी ऋषिपाल सिंह ने भगवान श्री राम व लक्ष्मण की आरती उतारकर किया। अतिथियों ने कहा कि रामलीला हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष मनोज गर्ग, पूर्व ब्लॉक प्रमुख के पति काविन्द्र सिंह, डॉ. एलसी गहलौत, सोनू कश्यप, नवीन गर्ग, अजय गर्ग, यश बंसल, प्रीतम चौहान, एडवोकेट मनमोहन सिंह सैन, सोनू कश्यप, दीपांशु रस्तौगी, गजेंद्र कश्यप मौजूद रहे।

बग्घी में बैठे दूल्हे पर किया हमला, सिर फोड़ा

पुलिस की मौजूदगी में हुए फेरे, चार आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, सैदनगली (अमरोहा)

- दूल्हे पर चेन और लोहे के कड़े से किया गया था हमला

अमृत विचार : बरात चढ़त से पहले करीब एक दर्जन से अधिक युवकों ने बग्घी में बैठे दूल्हे की जमकर पिटाई कर दी। युवकों ने बग्घी पर चढ़कर उससे मारपीट की, बाद में उसे नीचे खींचकर जमकर पीटा। इसके बाद भीड़ ने युवकों को वहां से खदेड़ा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल दूल्हे को अस्पताल में भर्ती कराया। बाद में पुलिस की मौजूदगी में फेरे लिए गए। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज की है।

यह मामला थाना सैदनगली क्षेत्र के गांव तरारा की है। दरअसल यहां के निवासी वीर सिंह के बेटे आकाश की गुरुवार को बरात गई थी। गांव सोहत में बरात चढ़त की तैयारी चल रही थी। जब दूल्हा बग्घी पर बैठा तभी अचानक एक दर्जन से अधिक युवकों ने उस पर हमला कर दिया। हमलावर साइकिल की चेन, लोहे के कड़े और चाकू लेकर आए थे। उन्होंने दूल्हे को बग्घी से खींचकर उस पर हमला किया। इस दौरान दूल्हे का सिर फट गया और उसके कपड़े भी फट गए। बरातियों के मौके पर पहुंचने से पहले ही हमलावर दूल्हे को जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। दूल्हे के पिता वीर सिंह ने बताया कि एक दिन पहले गांव का युवक बरात में हंगामा करने की धमकी देकर गया था। उन्होंने इस घटना को पूर्व नियोजित साजिश बताया है। घायल दूल्हे को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। दूल्हे के भाई पवन कुमार ने बताया कि हमारे गांव के एक लड़के की भाई से किसी बात को लेकर अनबन हो गई थी। इसके बाद दोनों को समझा-बुझाकर शांत कर घर भेज दिया था। विवाद किस बात को लेकर हुआ था यह नहीं पता। इसके बाद वह भाई को चैलेंज देकर गया था कि तेरी बरात चढ़ने नहीं दूंगा। वहीं, दूल्हे आकाश का कहना है कि बरात चल रही थी वह बग्घी में बैठा था। अचानक 15 से 16 लड़कों ने बग्घी पर चढ़कर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। वह पहचान में नहीं आए। मारपीट करने का वीडियो भी सामने आया है। सुबह 4 बजे पुलिस की मौजूदगी में दूल्हा-दुल्हन के फेरे कराए गए। इसके बाद बरात को विदा किया गया। वीर सिंह ने बताया कि पुलिस की मौजूदगी में बेटे के उपचार के बाद फेरों की रस्म अदा कर दुल्हन को घर लाया है। सैदनगली थानाध्यक्ष विकास सहरावत ने बताया दूल्हे आकाश की तहरीर पर आरोपी जसवंत पुत्र अमर सिंह, पवन पुत्र अमर सिंह, जसवीर पुत्र अमर सिंह निवासी तरारा तथा तीन से चार अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

लक्ष्मण-परशुराम संवाद का किया मंचन

आदमपुर (अमरोहा), अमृत विचार : हसनपुर तहसील क्षेत्र के गांव ढवारसी में चल रही रामलीला में धनुष यज्ञ की लीला का मंचन किया गया। जिसे देखने के लिए भारी भीड़ उमड़ी। साथ ही रावण-वाणासुर संवाद और लक्ष्मण-परशुराम संवाद का भी मंचन किया गया। जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मंचन की शुरुआत राजा जनक द्वारा आयोजित सीता स्वयंवर से हुई। जिसकी शर्त थी कि जो भी राजा भगवान शिव के धनुष को उठाकर उस पर प्रत्यंचा चढ़ाएगा, उसी के साथ सीता का विवाह होगा। गुरु विश्वामित्र के आदेश पर भगवान श्री राम मंच पर आते हैं और धनुष को प्रणाम कर पलक झपकते ही उसे तोड़ देते हैं। धनुष यज्ञ के बाद का मंचन और भी रोमांचक रहा। कलाकारों ने रावण और वाणासुर के बीच अहंकार और शक्ति से भरे संवाद का मंचन किया। इस अवसर पर रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अंकुर त्यागी, प्रबंधक राजेश शर्मा, संरक्षक निशापति शर्मा, अजय गोयल, नरेश ठाकुर, नवीन चतुर्वेदी, राजू त्यागी, अंकित सागर, इरकान अली, शफीक अहमद आदि रहे।

युवक की हत्या में पुलिस ने दो आरोपी जेल भेजे

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

घटना का खुलासा करते एसपी।

अमृत विचार : कुछ दिन पहले रामलीला देखने गए गांव बीबड़ा कलां निवासी आकाश को कुछ लोग वहां से उठाकर ले गए थे। मामूली बात को लेकर उसके साथ मारपीट की और अधमरा छोड़कर भाग गए थे। उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई थी। पुलिस ने मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

मामला थाना नौगांवा सादात क्षेत्र के गांव बीबड़ा कलां का है। इस घटना का एसपी अमित कुमार आनंद ने खुलासा किया है। एसपी ने बताया कि थाना नौगांवा सादात क्षेत्र के गांव बीबड़ा कलां निवासी आकाश सोमपाल सिंह के बेटे थे। तीन भाइयों में बड़े आकाश झांसी में शादी समारोह में डेकोरेशन का काम करते थे। 10 सितंबर को झांसी से घर लौटे आकाश 12 सितंबर की रात गांव में चल रही रामलीला देखने गए थे। इस दौरान कुछ युवक आकाश को पकौड़ी खाने के बहाने रामलीला से उठाकर गांव के बाहर ले गए और हमला कर दिया। आरोपियों ने आकाश के सिर पर डंडों से वार किए और लात घूसों-डंडों से भी बुरी तरह पीटा। अधमरा होने पर आरोपी आकाश को छोड़कर भाग गए। सूचना पर पहुंचे परिजन आकाश को लेकर सरकारी अस्पताल पहुंचे, जहां से गंभीर हालत में चिकित्सकों ने आकाश को मेरठ के लिए रेफर कर दिया। 15 सितंबर को मेरठ में इलाज के दौरान आकाश की मौत हो गई थी। इस मामले में परिजनों ने तीन अज्ञात युवकों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। जबकि घटना को लेकर गुस्साई भीड़ ने जमुना चौकी घेराव कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर हंगामा शुरू कर दिया था। एसपी ने बताया कि पुलिस ने आरोपी सोवीर और नीटू को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया है।

शराब की दुकान में कूमल लगाकर चोरी

अमरोहा, अमृत विचार : देसी शराब व बीयर की दुकान में चोरों ने कूमल लगाकर शराब की पेटियां चुरा लीं। चोरों ने बीयर व देसी शराब की 35 पेटियां चुराईं। जिसकी कीमत 1 लाख रुपए है। चोरी की घटना थाना नौगांवा सादात क्षेत्र के गांव कूड़ामाफी की है। यहां पर अनुज्ञापी ममता कर्णवाल की देसी शराब व बीयर की दुकान है। दुकान पर कार्यरत सेल्समैन देवेंद्र ने तहरीर देते हुए बताया कि गुरुवार रात वह दुकान बंद करके घर चले गए थे। शुक्रवार सुबह वह दुकान पर पहुंचे तो दुकान में कूमल लगाकर चोरी की गई थी। चोरों ने दुकान में रखी देसी शराब व बीयर की करीब 35 बेटियां चुरा लीं। देवेंद्र ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

बाग में आम के पेड़ काटे

हसनपुर, अमृत विचार : गुरुवार रात ग्राम फूलपुर स्थित बाग में आम के पेड़ों को काटकर हरियाली को नुकसान पहुंचाने का काम किया। पेड़ काटने की सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची तो आरोपी भाग गए। वन क्षेत्राधिकारी नरेश कुमार मौके पर पहुंचे और लेखपाल को बुलाकर जांच शुरू कर दी।

बेस्ट क्रॉप साइंस लिमिटेड फैक्ट्री के 10 प्लांट बंद

संवाददाता, गजरौला

अमृत विचार : प्रदूषण फैलाने और नियमों की अनदेखी करने पर शहर की बेस्ट क्रॉप साइंस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के 10 प्लांट बंद कर दिए गए हैं। बाकी आठ प्लांटों पर रविवार तक सील लगेगी क्योंकि उन प्लांटों में अभी काम चल रहा है। बिजली विभाग ने कनेक्शन काट दिया है।

बता दें कि 22 सितंबर की रात को एग्रीकल्चर की दवा बनाने वाली बेस्ट क्रॉप कंपनी के वेयरहाउस में रखे केमिकल का रिसाव हो गया, जिसके बाद धुएं उठने लगा था और पूरे शहर में धुंध छा गई थी। दिल्ली लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग का ऐसा नजारा हुआ कि जैसे सर्दियों के सीजन में कोहरा छा गया हो। मुहल्ला अल्लीपुर के लोगों की तबियत भी बिगड़ी थी। करीब पांच घंटे रेस्क्यू के बाद स्थिति पर नियंत्रण किया था। एडीएम गरिमा सिंह, एसडीएम विभा श्रीवास्तव, सीओ अंजली कटारिया, तहसीलदार मूसाराम थारू, एफएसओ कमलेश मिश्रा, ईओ ललित कुमार आर्या ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण भी किया था। फिर अगले दिन 23 सितंबर को प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की तीन सदस्य टीम ने कंपनी में पहुंचकर स्थिति का जायजा लेते हुए कंपनी को नोटिस भी जारी किया था। उधर, नगर पालिका परिषद व तहसील प्रशासन की तरफ से भी प्रदूषण नियंत्रण विभाग को पत्र लिखा गया था। इस क्रम में अब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के द्वारा कंपनी के खिलाफ शासन को रिपोर्ट भेजी गई है। उस रिपोर्ट का संज्ञान लेते हुए मुख्य पर्यावरण अधिकारी राम गोपाल ने कंपनी को तत्काल प्रभाव से बंद करने के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी नियमों का पालन नहीं कर रही है। पूर्व में भी गैस रिसाव की घटनाएं हो चुकी हैं।

मां स्कंदमाता की पूजा कर लिया आशीर्वाद

हसनपुर, अमृत विचार : शारदीय नवरात्र के पांचवें नवरात्र को भक्तों ने मां स्कंदमाता की मंदिरों में पूजा अर्चना कर घर परिवार में सुख समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त किया। महिलाओं ने मंदिरों में भजन कीर्तन कर माता रानी का गुणगान भी किया गया।

नगर के गांव सोहरका मार्ग स्थित शक्तिपीठ मां चामुंडा मंदिर पर शारदीय नवरात्रों के चलते प्रातः से ही भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर में भक्तों की लंबी कतारें लगी हुई दिखाई दीं। भक्तों ने देवी मां की आराधना कर परिवार में सुख,शांति एवं समृद्धि की कामना की। मां चामुंडा मंदिर के पुजारी पंडित सोमनाथ शर्मा ने बताया कि ऐसी मान्यता है कि मां स्कंदमाता की पूजा-अर्चना करने से नकारात्मक शक्तियां दूर होती हैं और कार्यों की विघ्न-बाधा भी खत्म होती है। स्कंदमाता की भक्तिभाव से पूजा-अर्चना करने व व्रत करने से जातक की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं

श्रद्धालुओं ने मंदिरों में की स्कंदमाता की आराधना

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

भजन कीर्तन करतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

श्री वासुदेव तीर्थ में भजन सुनते श्रद्धालु।

अमृत विचार : नवरात्र के पांचवें दिन मां दुर्गा के स्कंदमाता स्वरूप की पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने घरों में पूजन कर माता से सभी बाधाओं के दूर करने का आशीर्वाद मांगा। श्री वासुदेवतीर्थ मंदिर व दुर्गा मंदिर में पूरे दिन भक्तों की भीड़ रही। भक्तों ने माता रानी की विधि विधान से पूजा कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

शुक्रवार को शारदीय नवरात्र के पांचवें दिन मां दुर्गा के पांचवें स्वरूप मां स्कंदमाता के स्वरूप की पूजा और आराधना की गई। देवी को सुगंधित पुष्पों के साथ फल और मिष्ठान आदि का भोग लगाकर आरती की गई। माता का रोली से तिलक कर पुष्प और फल अर्पित कर नवरात्र व्रत कथा का पाठ किया। इसके बाद आरती और दुर्गा चालीसा के पाठ के साथ ही पूजन किया। श्रद्धालुओं ने हवन सामग्री के साथ ही धूप, कपूर, लौंग, सूखे मेवा, मिश्री-मिष्ठान, देशी घी के साथ आहुति देकर पूजन किया। इसके साथ ही कई श्रद्धालुओं ने दुर्गा सप्तसती का पाठ किया। दुर्गा देवी मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी। श्री वासुदेव तीर्थ मंदिर, बाबा गंगानाथ मंदिर समेत शहर के मंदिरों में सुबह से ही माता रानी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। शाम को महिलाओं ने मंदिरों में माता रानी की भेंट गाकर मां स्कंदमाता से आशीर्वाद मांगा।

देवी मां के भजनों पर झूम उठे श्रद्धालु

अमरोहा, अमृत विचार : श्री वासुदेव तीर्थ पर मां दुर्गा महोत्सव के पांचवें दिन मां स्कंदमाता की पूजा अर्चना की गई। दिन में भक्तों ने हवन पूजन किया। उसके बाद रात में माता का जगराता हुआ। जिसमें गायक कलाकारों ने एक से बढ़कर एक माता रानी के भजन गाए। श्री लवीन गुप्ता एंड पार्टी बुलंदशहर के नेतृत्व में कलाकारों द्वारा माता के सुन्दर भजनों का गुणगान किया एवं सुन्दर व आकर्षक झांकियों की प्रस्तुति दी। झांकी ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान श्री वासुदेव तीर्थ पर अमरोहा व आसपास क्षेत्र से बड़ी संख्या में देवी भक्त जागरण देखने के लिए पहुंचे। इस दौरान वासुदेव मंदिर समिति अध्यक्ष शिव स्वरूप टंडन, अनिल टंडन, सचिन शर्मा, अनिल जगगा, गौरव वर्मा, ओमप्रकाश सारस्वत रहे।

मां पुष्पावती गंगा घाट मार्ग के निर्माण की मांग

संवाददाता, हसनपुर

अमृत विचार : क्षेत्र के मां पुष्पावती गंगा घाट को जाने वाले मार्ग का निर्माण करने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने एकत्र होकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों पर सुनवाई न करने का आरोप भी लगाया। ग्रामीणों ने चेतावनी देते हुए कहा है अगर मार्ग का निर्माण नहीं हुआ तो वह आगे भी आंदोलन करेंगे।

तहसील क्षेत्र के मां पुष्पावती गंगा घाट पर कार्तिक पूर्णिमा पर मेला लगता है। जिसमें क्षेत्र के लाखों लोग पहुंच कर मां गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर धर्म लाभ कमाते हैं। मां पुष्पावती गंगा घाट को जाने वाला मार्ग खराब है। यहां जगह-जगह गड्ढे होने के कारण मार्ग पर चलना दुश्वार हो गया है। वहीं कार्तिक पूर्णिमा का मेला निकट आते ही प्रशासन द्वारा मार्ग के गड्ढों को भरवाया जा रहा है। जिसको लेकर ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है। ग्राम गंगाचोली के ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर कार्य को रुकवा दिया और मार्ग के निर्माण की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना है कि हर बार प्रशासन मार्ग के गड्ढे भरवा देता है और वह गड्ढे फिर हो जाते हैं। ग्रामीणों ने मांग करते हुए कहा कि सड़क का चौड़ीकरण कर निर्माण होना चाहिए। प्रदर्शन करने वालों में किशन लाल, रामभरोसे, चंद्रपाल, बलराम, जयप्रकाश, राजकुमार, धन सिंह, नन्हे सिंह, अजीत, संदीप, राजीव, तेजपाल, मनवीर, प्रीतम, राहुल, विनोद कुमार, लाल सिंह, डॉ. हरि सिंह, डॉ. दीपचंद रहे।

विवाद के बाद पालिका में रहा सन्नाटा

संवाददाता, गजरौला

अस्पताल में भर्ती पूर्व विधायक हरपाल सिंह।

- नगर पालिका पहुंचे लोगों को बिना समाधान के लौटना पड़ा

अमृत विचार : नगर पालिका में बोर्ड की बैठक में हुए विवाद के बाद पूर्व विधायक एवं नगर पालिका अध्यक्ष के पति हरपाल सिंह की हालत में अभी सुधार नहीं है। उनका मेरठ के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं विवाद के बाद शुक्रवार को नगर पालिका परिषद में सन्नाटा पसरा रहा। जिसके चलते फरियादियों को निराश होकर वापस लौटना पड़ा।

बता दें कि गुरुवार को नगर पालिका में बोर्ड की बैठक थी। पालिका अध्यक्ष राजेंदी उर्फ उमा देवी ने बैठक को समाप्त करने की घोषणा कि तो सभासदों ने उन्हें घेर लिया था। क्योंकि सभासदों की मांग पर छह सूत्रीय प्रस्ताव कार्रवाई रजिस्टर में दर्ज नहीं किए गए थे। पालिका अध्यक्ष के बुलाने पर पूर्व विधायक के पति हरपाल सिंह उन्हें लेने के लिए सभागार में पहुंचे तो विवाद बढ़ गया था। पालिका अध्यक्ष के हाथ से कार्रवाई रजिस्टर छीनने का प्रयास कर रही महिला सभासदों के बीच धक्का मुक्की के बाद वार्ड 21 की सभासद अंशु चौधरी ने पूर्व विधायक का गिरेबान पकड़कर कपड़े भी फाड़ दिए थे। इसके बाद सभासद कपिल चौधरी के साथ भी सभागार में मारपीट की गई थी। दोनों पक्षों के थाने आते समय रास्ते में सभासद अरकान अली को सड़क पर पीटा गया था। इसके बाद दोनों पक्षों के लोग थाने में पहुंचे। वहां पर पूर्व विधायक हरपाल सिंह की हालत बिगड़ गई थी। वहां से सीएचसी लाया गया था और फिर प्राथमिक उपचार के बाद मेरठ के लिए रेफर कर दिया गया। वहां उनका इलाज चल रहा है। वहीं विवाद के बाद शुक्रवार को नगरपालिका परिषद में सन्नाटा पसरा रहा। जिससे निराश होकर फरियादियों को अपने घर वापस लौटाना पड़ा। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि मामले में दोनों पक्षों की तरफ से रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

न्यूज डायरी

अभियान चलाकर किया पैदल मार्च

हसनपुर, अमृत विचार : महाराजा अग्रसेन जयंती, दशहरा एवं वाल्मीकि जयंती को दृष्टिगत रखते हुए नगर में चेकिंग अभियान चलाकर पुलिस द्वारा पैदल मार्च निकाला गया। पैदल मार्च के दौरान नगर के प्रमुख बाजारों, संवेदनशील मार्गों, भीड़-भाड़ वाले स्थानों तथा सार्वजनिक स्थलों पर पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की गहन चेकिंग की गई। साथ ही आमजन को सुरक्षा का संदेश देते हुए पैदल मार्च कर कानून व्यवस्था पर सतत पुलिस निगरानी का आश्वासन दिया गया। इस दौरान पुलिस को अधिकारियों ने त्योहारों के दौरान गश्त बढ़ाने, अफवाहों पर ध्यान न देने तथा शांति व्यवस्था भंग करने वाले तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक प्रेमपाल सिंह सहित पुलिस स्टाफ मौजूद रहा।

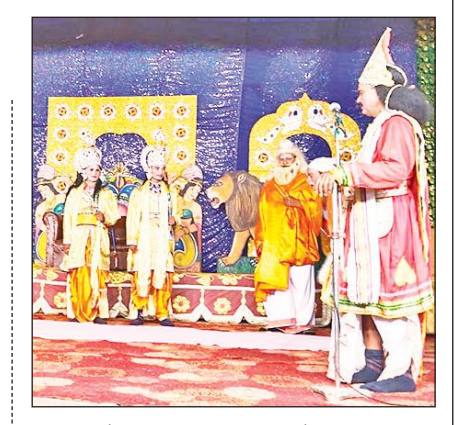

मंचन देख लगा जयकारे

हसनपुर, अमृत विचार : श्री शिव महामंडल रामलीला समिति की ओर से नगर के श्री झारखंड महादेव शिवाला मंदिर के निकट रामलीला मैदान में रामलीला के छठे दिन के मंचन ने दर्शकों का मन मोह लिया। जनपद बुलंदशहर से आए केशव कबाड़ी एंड पार्टी के कलाकारों ने मां सीता के कन्यादान का प्रसंग को सजीव अभिनय प्रस्तुत किया। गुरुवार रात मंचन का आरंभ समिति अध्यक्ष पंडित योगेंद्र शर्मा एवं प्रबंधक राकेश अग्रवाल द्वारा प्रभु राम की आरती करके किया। । इस मौके पर योगेंद्र शर्मा, राकेश अग्रवाल, गिरधारी लाल सैनी, पुनीत अग्रवाल, अमर सिंह सैनी, अर्जुन यादव, प्रवीण प्रजापति आदि मौजूद रहे।

झाड़ू लगाकर दिया संदेश

मंडी धनौरा, अमृत विचार : सेवा पखवाड़ा अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने शुक्रवार सुबह श्रमदान किया। शहर के मोहल्ला महादेव स्थित आनंद धाम आश्रम व रामलीला मैदान से शुरू हुए इस इस विशेष अभियान में उन्होंने कई सभासदों के साथ मिलकर सफाई की और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक होने का संदेश दिया। पालिकाध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी या पालिका की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में स्वच्छ भारत अभियान ने देशभर में नई चेतना जगाई है। इस अवसर पर लिपिक उमेश कुमार, सोनू, सभासद राजू बादशाह, दुलीचंद गिहार सहित सफाई कर्मचारी मौजूद रहे।

सहकारी समिति देहरा मिलक के नाम से समिति बनाने का निर्णय

हसनपुर, अमृत विचार : बहुद्देशीय सहकारी समिति भदौरा के सदस्यों की बैठक में सहकारी समिति देहरा मिलक के नाम से पृथक समिति बनाए जाने का निर्णय लिया गया। भदौरा बी पेक्स मुख्यालय ढक्का मोड पर गत माह 15 अगस्त को आयोजित सामान्य निकाय की बैठक में पारित प्रस्ताव 2 के अनुसार ग्राम पंचायत कुंदरखी भूड़, देहरा मिलक, बेगपुर मुंडा, सहेलिया, पीठ खेड़ा, नूरपुर तुकलाबाद, पीपली मेकचंद, जीहल को सहकारी समिति भदौरा के क्षेत्र से अलग करने का निर्णय लिया था। नवगठित बी पेक्स देहरा मिलक के नाम से निबंधन कराया जाना एवं आपत्ति होने की दशा में एक माह का समय आपत्ति दर्ज करने के लिए दिया गया।

मिशन शक्ति के तहत किया जागरूक

हसनपुर, अमृत विचार : मिशन शक्ति के तहत महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक करने का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। कोतवाली पुलिस की शक्ति दीदी और बीट आरक्षी ने नगर के सरस्वती शिशु मंदिर में शुक्रवार को कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा के बारे में जागरूक करना था। पुलिस टीम ने उन्हें विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। जिनमें 112,1090, 1076 और 1098 शामिल हैं।

जीएसटी बचत उत्सव का किया आयोजन

मंडी धनौरा, अमृत विचार : विधायक राजीव तरारा ने कार्यकर्ताओं के साथ नगर की दुकानों का दौरा किया। उन्होंने व्यापारियों को नए जीएसटी नियमों से अवगत कराया।

इस दौरान विधायक राजीव तरारा ने व्यापारियों से संवाद करते हुए कहा कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आवश्यक है कि हम सभी स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा दें। जीएसटी दरों में कमी, नियमों और प्रक्रियाओं के सरल होने से हमारे लघु एवं कुटीर उद्योगों को बड़ा लाभ मिलेगा। इससे न केवल उनकी बिक्री बढ़ेगी, बल्कि टैक्स कम होगा। उन्होंने आगे कहा कि अब समय आ गया है जब हम सब मिलकर भारत में बने सामान का उपयोग करें और स्थानीय व्यापार को प्रोत्साहित करें। कार्यक्रम में अशोक सैनी, कमल अग्रवाल, सुरेंद्र सैनी, पवन चौधरी, महकपाल प्रधान, सुशील सिद्धू, अशोक घरोटिया, प्रशांक त्यागी,जगत सिंह सैनी, प्रिंस चावला, सौरभ सैनी, बृजेश गड़वाल आदि मौजूद रहे।

लोकतांत्रिक समाज का महत्व बताया

संवाददाता, गजरौला

प्रतीक चिह्न देते एसपी अमित आनंद व डॉ. राजीव त्यागी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय में न्यायपालिका संविधान की संरक्षक विषय पर एक संवाद कार्यक्रम हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायधीश जस्टिस पीके गिरि ने विधि छात्रों को न्यायपालिका द्वारा नागरिकों के अधिकारों की रक्षा, संविधान का संरक्षण, कानून व्यवस्था का कड़ाई से अनुपालन एवं भयमुक्त तानाशाही मुक्त स्थिर लोकतांत्रिक समाज के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करते हुए इसकी महत्ता पर प्रकाश डाला।

श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय के अब्दुल कलाम कांफ्रेंस हॉल में कार्यक्रम का आरंभ हाईकोर्ट न्यायधीश पीके गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द, कुलपति प्रो. कृष्ण कान्त दवे ने सरस्वती मां की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द एवं प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी ने न्यायमूर्ति जस्टिस पीके गिरि का स्वागत किया। ग्रुप एडवाईजर डॉ. आरएस शर्मा, डॉ. नीतू पंवार, डॉ. शिल्पा रैना, डॉ. सुमन कुमारी, डॉ. मोहित शर्मा, डॉ. श्यामलाल, डॉ. योगेश्वर शर्मा, सुमन मीना रहे।

मारपीट में दंपति सहित बालक घायल

हसनपुर, अमृत विचार : दो भाइयों में बंटवारे को लेकर नोंकझोंक के बाद मारपीट हो गई। मारपीट में एक पक्ष के पति-पत्नी एवं पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल थाने पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर लेकर घायलों को उपचार के लिए सीएचसी भेज दिया।

थाना सैदनगली के गांव पहाड़पुर वक्कील निवासी सुभाष व उसके भाइयों में बंटवारे को लेकर मनमुटाव चल रहा था। इसी बात को लेकर गुरुवार रात सुभाष एवं उसके भाइयों में कहासुनी हो गई और देखते-देखते दोनों ओर से मारपीट होने लगी। मारपीट के दौरान सुभाष उसकी पत्नी शकुंतला एवं 10 वर्षीय पुत्र करनपाल घायल हो गया। बाद में घायल दंपति थाने पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने घायलों से तहरीर लेकर उपचार के लिए सीएचसी भेज दिया। थाना अध्यक्ष विकास शेहरावत का कहना है कि कार्रवाई की जाएगी।

श्यामपुरी में स्कूल बना चुनाव स्थल

हसनपुर, अमृत विचार : हसनपुर तहसील क्षेत्र के गांव श्यामपुरी में बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ होने का मामला सामने आया है। गांव के सरकारी स्कूल में राशन डीलर का चुनाव करवाया, जबकि स्कूल में बच्चे पढ़ रहे थे। ग्रामीणों ने इस पर गहरा रोष व्यक्त किया है। स्थानीय लोगों के अनुसार राशन डीलर के चुनाव के लिए स्कूल से बेहतर कोई और जगह नहीं मिल पाई। चुनाव के कारण स्कूल में दिन भर गहमा-गहमी और शोर-शराबा रहा, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई।

अमृत विचार

शनिवार, 27 सितंबर 2025

उम्र दिमाग पर हावी होने का मामला है। अगर आपको कोई फर्क नहीं पड़ता, तो कोई फर्क नहीं पड़ता।

–मार्क ट्वेन, अमेरिकी लेखक

भारत की आत्मनिर्भर दिशा

भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बयान न केवल आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि राष्ट्रीय आत्मसम्मान और रणनीतिक स्वतंत्रता से भी जुड़ा हुआ है। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि भारत अब विदेशों पर निर्भर रहकर आगे नहीं बढ़ सकता। यह विचार केवल आत्मनिर्भर भारत अभियान की पुनरावृत्ति नहीं है, बल्कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में भारत की भूमिका को परिभाषित करने वाला एक दृढ़ संकल्प भी है। आज दुनिया जिस बहु-ध्रुवीय स्थिति में है, वहां हर राष्ट्र अपने हितों को सर्वोपरि रखकर नीतियां बना रहा है। ऊर्जा से लेकर प्रौद्योगिकी तक, हर क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा और संरक्षणवाद बढ़ रहा है। ऐसे में भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह उत्पादन, नवाचार और व्यापार के हर मोर्चे पर स्वयं सक्षम बने। प्रधानमंत्री ने जो कहा वह एक चेतावनी भी है और एक अवसर भी। चेतावनी इस बात की कि यदि हम आत्मनिर्भर नहीं बने, तो बदलते हालात में पिछड़ जाएंगे और अवसर इस रूप में कि भारत के पास विशाल जनशक्ति, बढ़ता हुआ बाजार और तकनीकी क्षमता है, जिनके बल पर हम आत्मनिर्भरता की राह पर अग्रसर हो सकते हैं। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो जैसे आयोजन इस दिशा में मील का पत्थर साबित हो सकते हैं। उत्तर प्रदेश, जो कभी रोजगार के लिए पलायन की पहचान रखता था, अब निवेश और औद्योगिक विकास का केंद्र बन रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य को नई दिशा दी है और यही कारण है कि आज देश-विदेश के निवेशक यहां अवसर तलाश रहे हैं। मोदी का यह कहना कि यूपी अब निवेश और प्रगति का नया केंद्र है, इस बदली हुई स्थिति का प्रमाण है। यह भी सही है कि आत्मनिर्भरता केवल उत्पादन बढ़ाने से नहीं आएगी। इसके लिए शिक्षा, कौशल विकास, अनुसंधान और डिजिटलीकरण पर जोर देना होगा। प्रधानमंत्री ने डिजिटल ड्राइव, एयरोस्पेस, रक्षा उत्पादन और टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों का उल्लेख करके यह संकेत दिया है कि भारत का लक्ष्य केवल आयात घटाना नहीं बल्कि विश्व बाजार में प्रतिस्पर्धा करना भी है। जब देश का 55 प्रतिशत मोबाइल उत्पादन उत्तर प्रदेश से हो रहा है, तो यह केवल एक सांकेतिक उपलब्धि नहीं बल्कि संभावनाओं की झलक है। हालांकि चुनौतियां कम नहीं हैं। अभी भी भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) पर्याप्त संसाधनों और तकनीकी सहयोग के अभाव से जूझ रहे हैं। कृषि क्षेत्र, जो आज भी बड़ी आबादी को रोजगार देता है, तकनीकी आधुनिकीकरण की प्रतीक्षा में है।

अब जब नए भारत की परिकल्पना सामने है, तो जरूरी है कि पारदर्शिता, सुशासन और जनसहभागिता को प्राथमिकता दी जाए। इसका अर्थ है ऐसा भारत, जो अपनी जरूरतें स्वयं पूरी करे, अपने उद्योगों को मजबूती दे और साथ ही विश्व के लिए विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बने। प्रधानमंत्री का यह संदेश केवल नीति निर्माताओं और उद्योगपतियों के लिए नहीं है, बल्कि आम नागरिक के लिए भी है। जब उपभोक्ता स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देंगे और युवा नवाचार को अपनाएंगे तभी आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना साकार होगी।

प्रसंगवश

वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में उभर रहा है भारत

विश्व यात्रा एवं पर्यटन परिषद (डब्ल्यूटीटीसी) की नवीनतम आर्थिक प्रभाव प्रवृत्ति रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने 2025 में विश्व की सबसे बड़ी पर्यटन अर्थव्यवस्थाओं में अपने पिछले दसवें स्थान से 8वें स्थान पर एक महत्वपूर्ण छलांग लगाई है। अनुमान है कि अगले दशक में भारत चौथे स्थान पर होगा। भारत का पर्यटन क्षेत्र 2025 में 231.6 अरब डॉलर का योगदान देगा, जो बुनियादी ढांचे, विपणन और सेवा वितरण में मजबूत वृद्धि और रणनीतिक विकास को दर्शाता है। आज विश्व पर्यटन दिवस है। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) ने विश्व पर्यटन दिवस की स्थापना की है और 1980 से हर साल 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस के तौर पर मनाया जाता है।

रमेश सर्राफ
स्वतंत्र पत्रकार

देश के लिए बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की कमाई करने में पर्यटन उद्योग का अच्छा खासा महत्व है। पर्यटन आज भी लाखों लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध करा रहा है। भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में से है, जहां कलात्मक, धार्मिक और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर दर्शनीय स्थलों एवं कृतियों की कमी नहीं है। यही कारण है कि हजारों मील दूर रहने वाले विदेशी लोग भी पर्यटन के लिए यहां आने का लोभ छोड़ नहीं पाते हैं। यही नहीं देशी पर्यटक भी बड़ी तादाद में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक फैले देश के विभिन्न पर्यटन केंद्रों पर देखे जा सकते हैं।

यूरोपीय देश जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, इटली और स्पेन प्रमुख खिलाड़ी बने हुए हैं। वहीं हांगकांग एसएआर, मलेशिया और फिलीपींस जैसे एशियाई गंतव्य पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में तेजी से अपनी पहचान बना रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन खर्च में तीव्र वृद्धि देखने वाले देशों में सऊदी अरब (+91.3%), तुर्की (+38.2%), केन्या (+33.3%), कोलंबिया (+29.1%), और मिस्र (+22.9%) शामिल हैं।

देश की अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर नजर रखने वाले अर्थशास्त्रियों और नीति निर्धारकों ने लगभग एकमत से स्वीकार किया है कि देश में उपलब्ध पर्यटन क्षमता का समुचित रूप से इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। इस दिशा में अधिक प्रभावी व कारगर कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। इसी नीति के तहत विभिन्न पर्यटन केंद्रों को प्रमुख छोटे-बड़े शहरों से जोड़ने के लिए दूरसंचार, सड़क और वायु परिवहन की अधिकाधिक सुविधा उपलब्ध कराने के लिए भारी निवेश की व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा परंपरागत पर्यटक केंद्रों के आसपास बुनियादी सुविधाएं व नए पर्यटन केंद्रों को विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। इस पूरे परिदृश्य से स्पष्ट होता है कि आगामी वर्षों में पर्यटन प्रबंधन तथा पर्यटक से जुड़े अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों की बड़ी संख्या में मांग होगी। यह अवसर सरकारी से ज्यादा निजी क्षेत्रों में होने की अधिक संभावना जताई जा रही है।

देश में इस दौरान लगभग एक करोड़ नये रोजगार का इस क्षेत्र में सृजन होने की उम्मीद है। वर्ल्ड ट्रेवल एंड टूरिज्म काउंसिल की रिपोर्ट में इस ओर इशारा किया गया है। अभी देश में लगभग चार करोड़ लोग टूर एंड टूरिज्म इंडस्ट्री के माध्यम से प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष तौर पर आजीविका से जुड़े हुए हैं। भारत में पर्यटन सबसे बड़ा सेवा उद्योग है, जहां इसका राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 6.23 प्रतिशत और भारत के कुल रोजगार में 8.78 प्रतिशत योगदान है। भारत में वार्षिक तौर पर 50 लाख विदेशी पर्यटकों का आगमन और 56 करोड़ घरेलू पर्यटकों द्वारा भ्रमण परिलक्षित होता है।

समझौता होने की वजह अमेरिका से निराशा तो नहीं!

अनिल यादव
वरिष्ठ पत्रकार

17 सितंबर को पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच एक ऐसे समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, जिसे न सिर्फ भारतीय विदेश नीति की बड़ी विफलता के रूप में देखा जा रहा है, बल्कि यह निकट भविष्य में कई तरह की चुनौतियां खड़ी कर सकता है। इस्लामी छाप वाले दोनों देशों के बीच हुए म्युचुअल स्ट्रेटजिक डिफेंस एग्रीमेंट के मुताबिक एक देश पर हमला दोनों देशों पर हुआ हमला माना जाएगा और उससे निपटने के संयुक्त प्रयास किए जाएंगे। इसका सीधा सा मतलब है कि अगर भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध होता है, तो सऊदी अरब पाकिस्तान के साथ खड़ा होगा। याद रखने लायक है कि पाकिस्तान पहले ही चीन के साथ सैन्य गठजोड़ कायम कर चुका है, जो हालिया आपरेशन सिंदूर के दौरान दिखाई दिया था।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर इस समझौते की घोषणा की गई, लेकिन इसके पीछे एक अहम घटना है, जिससे अरब जगत को अमेरिका से निराशा हुई और अपनी हिफाजत का डर सताने लगा है। इसी नौ सितंबर को इजराइल ने दोहा की राजधानी कतर के एक ठिकाने पर हमला किया, जहां हमास के पांच पदाधिकारी और कतर का एक सुरक्षा अधिकारी मारे गए।

कतर ने इस हमले को इजराइल का राज्य प्रायोजित आतंकवाद कहा। आश्चर्यजनक यह था कि इस समय कतर के अल-उदेद एयरबेस पर आठ हजार अमेरिकी सैनिक मौजूद हैं, लेकिन वे अपनी जगह से हिले नहीं। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने लापरवाही भरा बयान दिया कि हम क्या कर सकते हैं, यह इजराइल का अपना फैसला था। अमेरिकी रुख से 'अरब' सकते में आ गए हैं, क्योंकि अमेरिका 1945 से तेल के भारी मुनाफा वाले व्यापार पर अधिपत्य के बदले अरब और खाड़ी देशों को सुरक्षा देता रहा है।

बदलते हालात में अमेरिका अब इजराइल को रोकना नहीं चाहता। 1991 के खाड़ी युद्ध में अमेरिका ने यहां पांच लाख सैनिक तैनात किए थे, लेकिन कतर पर इजराइली हमले ने अमेरिका पर अरबों का भरोसा डिगा दिया है। इजराइल परमाणु हथियारों से लैस है। उसके खिलाफ वैसे ही एक वैकल्पिक प्रतिरक्षा तंत्र की जरूरत थी। पाकिस्तान के पास परमाणु बम है और वहां के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अरब देशों के समर्थन में जरूरत पड़ने पर उसके इस्तेमाल का इरादा भी जताया है। सउदी अरब के संबंध फिलिस्तीन के मुद्दे पर अमेरिका से हमेशा से तनावग्रस्त रहे हैं, लेकिन कतर पर हमले के बाद निर्णायक स्थिति बन गई है।

यह समझौता भारत के लिए चिंताजनक है, क्योंकि पाकिस्तान ने अपनी गोलबंदी में ऐसे देशों को भी खींच लिया है, जो भारत के मित्र समझे जाते रहे हैं। 26 अप्रैल को पहलगाम में हुए आंतकी हमले में बेकसूर पर्यटकों की जानें गईं। भारत ने सात मई को आपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसके तहत पाकिस्तान के भीतर आतंकवादियों के ठिकानों पर मिसाइलें दागी गईं। चार दिन बाद इसे न्यू नार्मल बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आपरेशन सिंदूर सिर्फ स्थगित किया गया है। मतलब भारत अभी भी युद्ध की स्थिति में है और यदि कोई कार्रवाई करता है, तो इस बार सऊदी अरब पाकिस्तान के साथ खड़ा दिखाई दे सकता है।

कूटनीतिक हलकों में सहज ढंग से यह प्रश्न उठाया जाने लगा है कि क्या अब सऊदी अरब भी पाकिस्तान-चीन गठजोड़ में शामिल हो गया है। आपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने पाकिस्तान का खुला समर्थन किया था और इसे भारतीय सेना ने स्वीकार भी किया था।

भारत को चीन-पाकिस्तान की संयुक्त ताकत का सामना करना पड़ा। तो क्या अब भारत को पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध की स्थिति में पहले से बड़े तीन देशों के सामरिक गठजोड़ का सामना करना पड़ेगा? भारत के सऊदी अरब से आजादी के समय से ही राजनयिक संबंध रहे हैं और यह हमें तीसरा सबसे बड़ा तेल आपूर्ति करने वाला देश है। प्रधानमंत्री अब तक तीन बार सऊदी अरब जा चुके हैं और पिछले ही साल 225 मिलियन डालर का एक रक्षा समझौता भी हुआ है। इस सबके बावजूद सऊदी अरब ने पाकिस्तान के साथ सैन्य गठजोड़ बनाया, जो आश्चर्य की बात है।

यहां ध्यान जाए बिना नहीं रह सकता कि गाजा पर अन्यायपूर्ण युद्ध में इजराइल का साथ देकर अमेरिका न सिर्फ यूरोप में कमजोर हुआ है, बल्कि मध्यपूर्व में भी उसकी पकड़ काफी कमजोर हुई है। इसी का नतीजा है कि अरब देश जो उस पर पूरी तरह निर्भर हो चुके थे, अब अपने लिए स्वतंत्र रूप से सुरक्षा व्यवस्था का इंतजाम कर रहे हैं।

इस रक्षा समझौते में ऐसी क्षमता है कि यह मध्यपूर्व और दक्षिण एशिया में शक्ति संतुलन की स्थिति को आने वाले दिनों में बदल सकता है। भारत के लिए जटिल स्थिति है, क्योंकि आपरेशन सिंदूर के बाद से अंतर्राष्ट्रीय समर्थन का दायरा सिकुड़ता जा रहा है और अमेरिका-चीन के बीच हमारी स्थिति पेंडुलम जैसी हो गई है। उधर, आंतकवाद को समर्थन देने और आंतरिक अशांति से त्रस्त होने के बावजूद पाकिस्तान अपने प्रभाव क्षेत्र का विस्तार कर रहा है। यह अपनी विदेश नीति की गंभीर समीक्षा का समय है।

कतर पर इजराइली हमले के बाद ट्रंप ने लापरवाही भरा बयान दिया कि हम क्या कर सकते हैं, यह इजराइल का अपना फैसला था। अमेरिकी रुख से 'अरब' सकते में आ गए हैं।

आमने

उत्तर भारत में जब आप महिला से मिलते हैं, तो पहला सवाल होता है कि आपके पति कहां काम करते हैं? तमिलनाडु में महिला से पूछा जाता है कि आप कहां काम करती हैं? यह बदलाव रातों-रात नहीं आया है। इसमें 100 साल लग गए।

–टीआरबी राजा, मंत्री, तमिलनाडु

एक बार फिर डीएमके ने सीमा लांघी है। यूपी, बिहार और उत्तर भारत का अपमान किया है। कांग्रेस ने कहा, बिहार बीड़ी है। रेवंत रेड्डी ने बिहार के डीएनए को गाली दी। बिहार और यूपी की महिलाओं का ऐसा अपमान! तेजस्वी यादव चुप क्यों हैं?

–शहजाद पूनावाला
प्रवक्ता, भारतीय जनता पार्टी

सामने

शक्ति का संचार करते मां के शक्ति पीठ

सुरेश बाबू मिश्रा
साहित्यकार

हिंदू धर्म के पुराणों के अनुसार जहां-जहां सती के अंग या शरीर के टुकड़े, धारण किए वस्त्र या आभूषण गिरे, वहां-वहां तीर्थ बन गए। यही तीर्थ शक्तिपीठ कहे जाते हैं। शक्तिपीठ शाक्त मत के अनुसार साधना के अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल हैं। ये तीर्थ पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में फैले हुए हैं। देवी पुराण में 51 शक्तिपीठों का वर्णन है। यद्यपि देवी भागवत में 108 तथा देवी गीता में 72 शक्तिपीठों की चर्चा मिलती है। तंत्र चूड़ामणि में शक्तिपीठों की संख्या 52 बताई गई है। भारत विभाजन के बाद इनमें से एक शक्ति पीठ पाकिस्तान में चला गया और चार बांग्लादेश में। इनके अतिरिक्त एक शक्तिपीठ श्रीलंका, एक तिब्बत तथा दो नेपाल में हैं। इस प्रकार आज के भारत में केवल 42 शक्तिपीठ हैं।

किरीट शक्तिपीठ : पश्चिम बंगाल में हुगली नदी के तट पर लालबाग कोट पर स्थित है किरीट शक्तिपीठ। यहां सती माता का किरीट अर्थात् मुकुट गिरा था। कात्यायनी पीठ वृंदावन : उत्तर प्रदेश मथुरा जनपद स्थित वृंदावन में स्थित है कात्यायनी वृंदावन शक्तिपीठ। यहां सती का केशपाश गिरा था। करवीर शक्तिपीठ : महाराष्ट्र के कोल्हापुर में स्थित 'महालक्ष्मी' अथवा 'अंबाई का मंदिर' ही यह शक्तिपीठ है। यहां माता का त्रिनेत्र गिरा था। श्रीपर्वत शक्तिपीठः यहां की शक्ति श्रीसुंदरी एवं भैरव सुंदरानंद हैं। कुछ विद्वान इसे लद्दाख (जम्मू-कश्मीर) में मानते हैं, तो कुछ असम के सिलहट से चार किमी दक्षिण-पश्चिम स्थित जौनपुर में मानते हैं। यहां सती के 'दक्षिण तल्प' (निपटी) का निपात हुआ था।

विशालाक्षी शक्तिपीठ : उत्तर प्रदेश, वाराणसी के मीरघाट पर स्थित है। यहां माता सती के दाहिने कान की मणि गिरी थी। गोदावरी तट शक्तिपीठ : यह शक्तिपीठ आंध्र प्रदेश के राजमुंद्री जिले में गोदावरी नदी के तट पर अवस्थित है। यहां माता का बायां कपोल गिरा था। शुचींद्रम शक्तिपीठ : तमिलनाडु में तीन महासागर के संगम-स्थल कन्याकुमारी से 13 किमी दूर शुचींद्रम में स्थायु शिव का मंदिर है। उसी मंदिर परिसर में यह शक्तिपीठ है। यहां माता सती के ऊपरी दांत गिरे थे। पंचसागर शक्तिपीठ : यह शक्तिपीठ वाराणसी के निकट स्थित है। यहां माता के निचले दांत गिरे थे। ज्वालामुखी शक्तिपीठ : हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा में स्थित है यह शक्तिपीठ। यहां सती की जिह्वा गिरी थी।

उज्जयिनी शक्तिपीठः कुछ उज्जैन के निकट शिप्रा नदी के तट पर स्थित भैरव पर्वत को, तो कुछ गुजरात के गिरनार पर्वत के सन्निकट भैरव पर्वत को वास्तविक शक्तिपीठ मानते हैं। इस स्थान पर सती की कोहनी गिरी थी। अट्टहास शक्तिपीठः अट्टहास शक्तिपीठ पश्चिम बंगाल में कटवा-अहमदपुर रेलवे लाइन पर है। यहां सती का निचला होंठ गिरा था। जनस्थान शक्तिपीठः ये महाराष्ट्र के नासिक में पंचवटी में स्थित है। यहां माता की ठुड्डी गिरी थी।

कश्मीर शक्तिपीठः कश्मीर में अमरनाथ गुफा के भीतर हिम शक्तिपीठ है। माना जाता है कि यहां माता सती का कंठ गिरा था। नंदीपुर शक्तिपीठः पश्चिम बंगाल के बोलपुर के पास वटवृक्ष के नीचे एक देवी मंदिर है। यहां देवी का कंठ हार गिरा था। श्रीशैल शक्तिपीठः आंध्र प्रदेश की राजधानी हैदराबाद के कुर्नूल के पास श्रीशैलम है। यहां पर माता सती की 'ग्रीवा' गिरी थी।

नलहाटी शक्तिपीठः पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में है यह शक्तिपीठ। यहां माता की उदरनली गिरी थी। मिथिला शक्तिपीठः यहां माता सती का बायां कंधा गिरा था। रत्नावली शक्तिपीठः रत्नावली शक्तिपीठ का निश्चित स्थान अज्ञात है, किंतु बंगाल पंजिका के अनुसार यह तमिलनाडु के मद्रास (चेन्नई) में कहीं है। यहां सती का दायां कंधा गिरा था। अंबाजी शक्तिपीठः यहां माता सती का उदर गिरा था। गुजरात में जूनागढ़ के गिरनार पर्वत पर स्थित मां अंबाजी का मंदिर ही शक्तिपीठ है। मान्यता है कि इसी स्थान पर माता सती का ऊपरी होंठ गिरा था। जालंधर शक्तिपीठः यह शक्तिपीठ पंजाब के जालंधर में स्थित है। यहां माता सती का बायां स्तन गिरा था।

रामगिरि शक्तिपीठः रामगिरि शक्तिपीठ की स्थिति को लेकर मतांतर हैं। कुछ विद्वान मैहर स्थित शारदा मंदिर को शक्तिपीठ मानते हैं तो कुछ चित्रकूट के शारदा मंदिर को। यहां देवी के दाएं स्तन का निपात हुआ था। वैद्यनाथ का हार्द शक्तिपीठः झारखंड के गिरिडीह जनपद में स्थित वैद्यनाथ का हार्द या हृदय पीठ शिव तथा सती के ऐक्य का प्रतीक है। यहां सती का हृदय गिरा था। बकरेश्वर शक्तिपीठः माता का यह शक्तिपीठ पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में स्थित है, जहां माता का त्रिकूट (दोनों भौंहों के मध्य का स्थान) गिरा था।

कन्याकुमारी शक्तिपीठः तमिलनाडु में तीन सागरों-हिंद महासागर, अरब सागर तथा बंगाल की खाड़ी के संगम स्थल पर कन्याकुमारी का मंदिर है। यहीं भद्रकाली का शक्तिपीठ है। यहां माता सती की पीठ गिरी थी। बहुला शक्तिपीठः पश्चिम बंगाल के बर्दवान जनपद में स्थित है बहुला शक्तिपीठ, जहां सती के वाम बाहु का पतन हुआ था।

इसके अलावा भैरव पर्वत शक्तिपीठ, भैरव पर्वत शक्तिपीठ, मणिवेदिका शक्तिपीठ, प्रयाग शक्तिपीठ, विरजा शक्तिपीठ, कांची शक्तिपीठ, कालमाधव शक्तिपीठ, शोण शक्तिपीठ, कामाख्या शक्तिपीठ, जयंती शक्तिपीठ, मगध शक्तिपीठ, त्रिस्तोता शक्तिपीठ, त्रिपुरसुंदरी शक्तिपीठ, विभाष शक्तिपीठ, देवीकूप शक्तिपीठ, युगाद्या शक्तिपीठ, विराट शक्तिपीठ, कालीघाट काली मंदिर, मानस शक्तिपीठ, लंका शक्तिपीठ, गंडकी शक्तिपीठ, गुह्येश्वरी शक्तिपीठ, हिंगलाज शक्तिपीठ, सुगंधा शक्तिपीठ, करतोया घाट शक्तिपीठ, चट्टल शक्तिपीठ, यशोर शक्तिपीठ भी इनमें शामिल हैं।

जहां-जहां सती के अंग या शरीर के टुकड़े, धारण किए वस्त्र या आभूषण गिरे, वहां-वहां तीर्थ बन गए। यही तीर्थ शक्तिपीठ कहे जाते हैं।

सोशल फोरम

निराला की रायलटी और भिखारी बुढ़िया का किस्सा

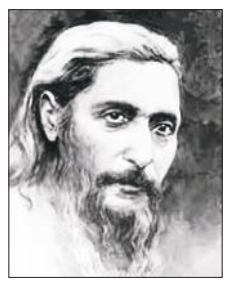

मधु सिंह
ब्लॉगर

एक बार हिंदी के महान साहित्यकार सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' रॉयल्टी के एक हजार रुपये लेकर, इक्के में बैठकर, इलाहाबाद की एक सड़क पर चले जा रहे थे। रास्ते में सड़क के किनारे एक बूढ़ी भिखारिन बैठी हुई थी। ढलती उम्र में भी वह हाथ पसार कर भीख मांग रही थी। उसे देखकर निराला जी ने इक्का रुकवाया और उनके पास गए और पूछा, "माई! आज कितनी भीख मिली?"

बुढ़िया ने जवाब दिया, "सुबह से आज कुछ नहीं मिला बेटा!"

बुढ़िया के इस उत्तर को सुनकर निराला जी सोच में पड़ गए कि बेटे के रहते मां भीख मांग रही है।

एक रुपये बुढ़िया के हाथ पर रख कर बोले, "मां अब कितने दिन भीख नहीं मांगोगी?"

बुढ़िया ने सोचते हुए जवाब दिया, "तीन दिन बेटा!"

निराला ने फिर पूछा, "दस रुपये दे दूं तो?"

बुढ़िया ने हिसाब लगाते हुए कहा, "बीस या पच्चीस दिन।"

निराला फिर बोले, "सौ रुपये दे दूं तो?"

"चार-पांच महीने तक!" बुढ़िया ने जवाब दिया।

चिलचिलाती धूप में सड़क के किनारे मां मांगती गई और बेटा देता गया।

इक्के वाला हक्का-बक्का देखता रहा।

बेटे की जेब हल्की होती गई और मां के भीख न मांगने की अवधि बढ़ती चली गई।

जब निराला जी ने रुपयों की अंतिम ढेरी भी बुढ़िया की झोली में डाल दी तो बुढ़िया खुशी से चीख उठी और कहने लगी, "अब कभी भी नहीं मांगूंगी बेटा, कभी नहीं।"

निराला जी ने संतोष की सांस ली। बुढ़िया के पैर छुए। बुढ़िया ने उन्हें ढेरों आशीष और दुआएं दीं।

निराला जी इक्के में बैठकर घर की राह चल दिए। उनके चेहरे पर एक अजीब संतोष का भाव था।

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

नेपालः युवाओं ने अपनी ही संपत्ति तबाह कर दी

नेपाल हाल ही में एक असाधारण राजनीतिक उथल-पुथल का गवाह बना। जेन जी आंदोलन के बाद वहां सत्ता परिवर्तन बड़ी उपलब्धि मानी जा सकती है, लेकिन इस क्रांति से उभरे हालात से दुनिया भर के युवाओं को सीख लेने की भी जरूरत है। देश के कई हिस्सों में आगजनी, तोड़फोड़ और सरकारी संपत्तियों का नुकसान देखने को मिला। ये घटनाएं यह सोचने पर विवश करती हैं कि क्या यह आक्रोश सही दिशा में जा रहा था? आखिर क्यों अपने ही देश की संपत्तियों को नुकसान पहुंचाकर खत्म करने पर तुले हुए थे। आज नेपाल के लोग भी संभवतः इस पर मंथन और पछतावा कर रहे होंगे।

हरीश उप्रेती करन
लेखक

हम अक्सर भूल जाते हैं कि सरकारी संपत्ति, चाहे वह कार्यालय, पुल, बस हो या कोई अन्य इमारत, वह सब हमारे ही टैक्स के पैसों से आकार लेती है। यह हमारी ही मेहनत की कमाई का रूप है। जब गुस्से में हम इन्हें आग के हवाले कर देते हैं, तो हम दरअसल अपने ही भविष्य को राख में बदल रहे होते हैं। एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि इन चीजों को दोबारा बनाने में भी हमारा ही पैसा खर्च होगा। सरकारी खजाना कोई अलग इकाई नहीं है, वह जनता की जेब से ही आता है, इसलिए यदि हम अपने गुस्से का इजहार इस प्रकार करेंगे, तो यह आत्मघाती ही नहीं, मूर्खता भी है।

युवाओं का आक्रोश समझ में आता है। वे परिवर्तन चाहते हैं, वे साफ-सुथरी राजनीति चाहते हैं और वे अपने भविष्य को संवारना चाहते हैं। यह बिल्कुल जायज है, लेकिन जब यह आंदोलन इमारतों को जलाने और वाहनों को तोड़ने की शक्ल ले लेता है, तब इसका असली उद्देश्य खो जाता है। आंदोलन की शक्ति दिशा में होती है, केवल जोश में नहीं। जब युवा जोश में होश खो बैठते हैं, तो नुकसान तय होता है। यही हाल इन प्रदर्शनों का रहा है।

हमारे समाज में हर बड़े आयोजन चाहे वह शादी हो, तीर्थ यात्रा हो या कोई सामाजिक सभा, वरिष्ठ जनों की उपस्थिति को अनिवार्य माना जाता है। उत्तराखंड से लेकर नेपाल तक की सांस्कृतिक परंपराओं में यह बात रची-बसी है। कारण स्पष्ट है कि युवाओं में जोश होता है, पर अनुभव नहीं। वहीं, बुजुर्गों में वह दृष्टि होती है जो किसी भी उथल-पुथल को समझदारी से संभाल सकती है। इस आंदोलन में भी यही कमी दिखाई दी। युवाओं का समूह, दिशा विहीन, बिना किसी रणनीति के, केवल आक्रोश के सहारे मैदान में उतर गया। यदि इनके साथ कुछ अनुभवी और विचारशील नेतृत्व होता, तो शायद यह आंदोलन इतिहास में केवल और केवल एक सकारात्मक परिवर्तन का प्रतीक बन जाता, न कि विनाश और क्षति का। उनका आक्रोश अगर कथित तौर पर भ्रष्टाचारियों के प्रति था, तो गुस्सा भी उन पर और उनकी अकूत संपत्तियों पर निकलना चाहिए था न कि सरकारी संपत्ति पर।

अब वक्त संभलने का है, युवा अपने आक्रोश को संकल्प में बदलें। नेपाल की जनता ने अपनी ताकत दिखाई है। सरकार गिर गई, मंत्री भाग गए। यह दर्शाता है कि जनता की आवाज में दम है, लेकिन अब समय है कि इस आक्रोश को संकल्प में बदला जाए। सरकारी संपत्तियों को नष्ट करना, अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा है। अब जरूरत है स्थिरता की, विवेक की और निर्माण की। युवा अगर सचमुच बदलाव चाहते हैं, तो उन्हें नेताओं को जवाबदेह बनाने, नीतियों पर सवाल उठाने, और लोकतांत्रिक तरीकों से दबाव बनाने की दिशा में कदम उठाने चाहिए, तभी उनका आंदोलन सफल और सार्थक कहा जाएगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं एलआईजी 23, प्रथम तल, आशियाना फेस-1, कांठ रोड मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- सुनील कुमार सिंह*** 0591-3551286(कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2020/79034 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरादाबाद होगा)।

गांव अब खोते जा रहे हैं अपनी पहचान

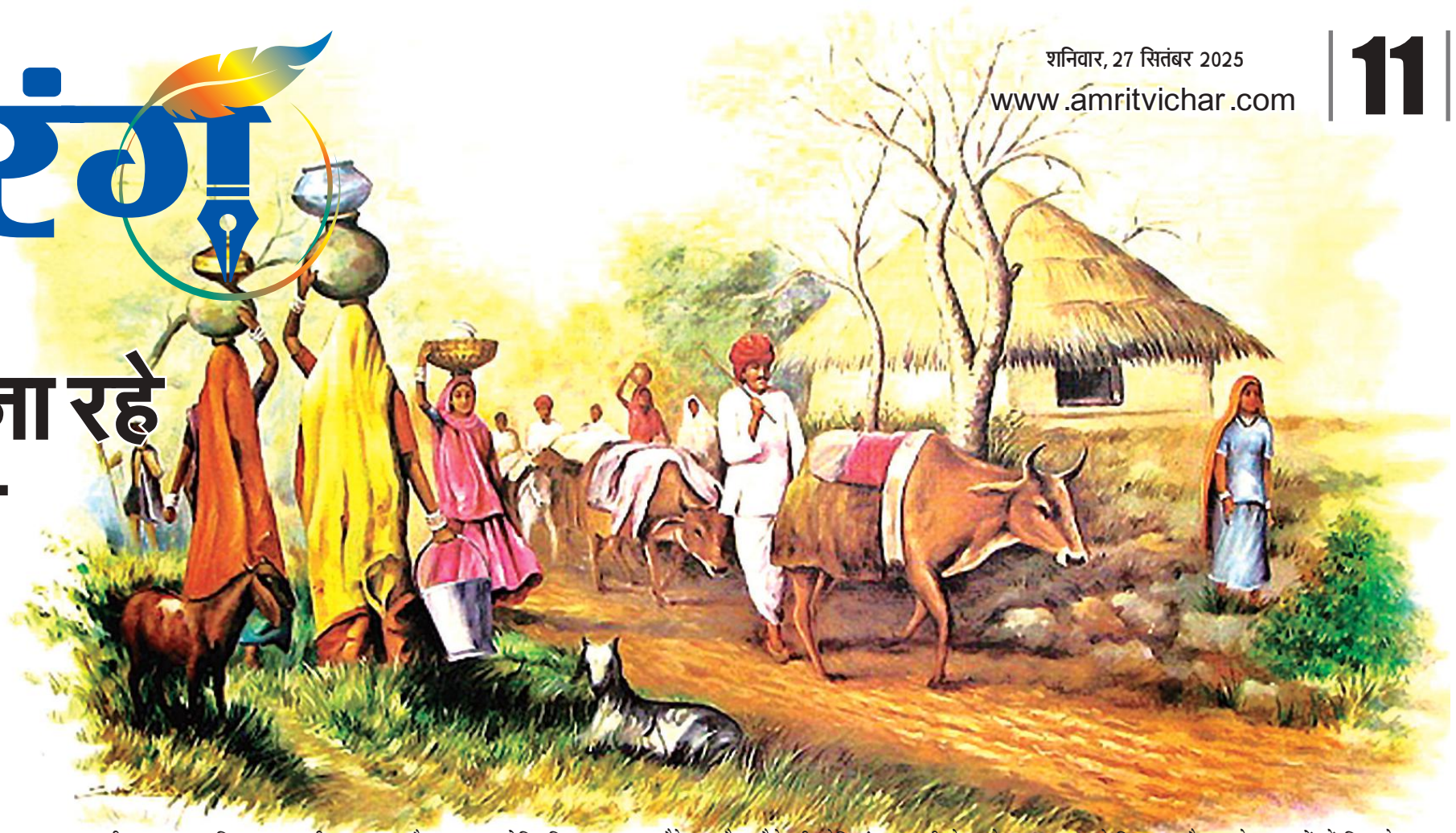

प्राचीन काल से लेकर अंग्रेजों के आगमन तक अपनी सादगी, साफगोई, भोलापन और अपनी भलमनसाहत के लिए साहित्यिक कृतियों में बहुचर्चित और सुविख्यात हमारे गांव हमारे देश की हर शासन व्यवस्था की मौलिक, प्राथमिक तथा आर्थिक दृष्टि से आत्मनिर्भर इकाई रहे हैं। इसका अपवाद पश्चिमोत्तर भारत में सिंधु और रावी नदी के तट पर सुविकसित अबसे साढ़े चार हजार साल पुरानी कांस्ययुगीन सिंधु घाटी सभ्यता रही हैं, जो पूर्णतः नगरीय सभ्यता थी। हालांकि इसकी उत्तरवर्ती वैदिक सभ्यता पूरी तरह से ग्रामीण सभ्यता थी। ध्यातव्य हो कि पूर्णतः ग्रामीण सभ्यता और संस्कृति के रूप विख्यात वैदिक काल में ही भारतीय ज्ञन-विज्ञन और आध्यात्म के महान ग्रंथों वेदों, अरण्यको और भारतीय आध्यात्मिकता, तार्किकता, दार्शनिकता और बौद्धिकता की पराकाष्ठा को स्पर्श करने वाले उपनिषदों की रचना की गई। यह तथ्य उन शहरी और कस्बाई मानसिकता से ग्रसित और बुरी तरह कुंठित लोगों के लिए चिंतनीय और विचारणीय है, जो गांवों में गुजर बसर करने वालों को अनपढ़, असभ्य, गंवार, अशिक्षित और जाहिल समझते हैं। वैदिक काल से लेकर मुगलों के शासनकाल तक लगभग संपूर्ण उत्तर भारतीय शासकों के समय लगभग समस्त भारतीय गांव शासन व्यवस्था की प्राथमिक मौलिक और अक्क्षुण ईकाई रहे हैं।

उत्तर भारत की तरह सुदूर दक्षिण भारत में चोल, चालुक्य, सातवाहन और चेर राजाओं ने अपनी शासन व्यवस्था में आम लोगों को बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने एवं ग्रामीण जन-जीवन में उन्नति और समृद्धि लाने के लिए उत्तम ग्रामीण शासन व्यवस्था का प्रबंधन किया था। वर्तमान दौर के मंत्रिपरिषदों की तर्ज पर ग्रामीण स्तर पर विभिन्न कार्यों को सुव्यवस्थित और सुचारू रूप से संपन्न और संचालित करने के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया था। समितियों के माध्यम से दक्षिण भारतीय शासकों ने सर्वश्रेष्ठ ग्रामीण शासन व्यवस्था सुनिश्चित करने का प्रयास किया था। इतिहासकार मेगस्थनीज की प्रसिद्ध पुस्तक इंडिका में उत्तर भारत के विशेष रूप से मगध साम्राज्य के गांवों में पाई जाने वाली उत्तम ग्रामीण शासन व्यवस्था के साथ-साथ उत्तम उन्नत और समृद्ध ग्रामींण जन-जीवन का उल्लेख मिलता है। इंडिका में मगध साम्राज्य की उन्नति और समृद्धि के साथ-साथ उत्कृष्ट साहित्यिक और सांस्कृतिक हलचलों का भी पता चलता है। इस प्रकार ऐतिहासिक अवलोकन से पता चलता है कि संपूर्ण भारत में हर प्रकार की शासन प्रणालियों में उत्तम ग्रामीण शासन व्यवस्था पाई जाती रही है। हमारी शासन व्यवस्था की मौलिक स्वाभाविक और प्राथमिक ईकाई रहे गांव पहचान खोते जा रहे हैं। आपसी सहयोग, सहकार, समन्वय, साहचर्य, सामंजस्य और सदियों से हमारे चलन का हिस्सा रही है। संयुक्त परिवार प्रणाली के माध्यम जीवन जीने के आदती ग्रामीण लोकजीवन में अब एकाकी परिवार प्रणाली और एकाकी जीवनशैली तेजी से आगे बढ़ने लगी है। गावों में सदियों से प्रचलित समूहगत और सामूहिक जीवन पद्धति विलुप्त होती जा रही है। आधुनिकीकरण, तकनीकीकरण, शहरीकरण और सूचना प्रौद्योगिकी के साधनों के दुरूपयोग ने गांवों की आपसदारी को न केवल तहस-नहस किया हैं, बल्कि आधुनिकता की इस अंधी दौड़-भाग ने गांवों को आर्थिक सामाजिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक रूप से प्रदूषित व कुपोषित किया है। तोता, मैना, कोयल, बुलबुल गौरेय्या और कौवे की बोलियां सुनने के लिए आज हमारे कान तरस जाते हैं। इसके साथ ही साथ गांवों के पर्यावरण और आबो-हवा में स्पष्ट बदलाव देखने को मिल सकता हैं। सूचना प्रौद्योगिकी के साधनों का बुलेट ट्रेन की रफ्तार से बढ़ता प्रयोग और हाईटेक होते जन-जीवन ने गांवों में मोबाइल कंपनियों के टावरों की संख्या बढ़ा दी है। इन टावरों की तरंगों ने तमाम चहचहाती पक्षियों की जान ले ली। अंग्रेजों के आगमन के पूर्व भारतीय गांव अपनी सहज-सरल आवश्यकताओं के लिए पूरी तरह आत्मनिर्भर थे। अंग्रेजों ने अपनी साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षाओं और संपूर्ण भारत को बाजार बनाने की मंशा से गांवों की सदियों पुरानी आत्मनिर्भरता के साथ-साथ गांवों की स्वाभाविक सहजता भोलापन, भलमनसाहत और मौलिकता को तहस-नहस कर दिया। अग्रेंजों ने भारतीय ग्रामीण अर्थतंत्र और अर्थव्यवस्था के आधार स्तंभ रहे भारतीय लोगों की बहुविविध हुनरमंद दस्तकारी, परंपरागत कुशल शिल्पकारी, हुनर और हाथों की जादूगरी से लबरेज हस्तकला को छिन्न-भिन्न कर दिया। स्वाधीनता उपरांत भारतीय गांवों को फिर से आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकारी और गैर-सरकारी स्तर पर अनगिनत प्रयास किए गए, परंतु तमाम प्रयासों और प्रयत्नों के बावजूद आज भी हमारे गांव राजधानियों और चमचमाते शहरों की अनुषंगी पूरक और पराश्रित अर्थव्यवस्था के रूप में जीने के लिए अभिशप्त हैं। शहरों और राजधानियों को चमकाने के लिए सारा संसाधन उपलब्ध कराने वाले गांव आज बदहाली और बदत्तरी के शिकार हैं। गावों में गुजर-बसर करने वाले लोगों की आजीविका का साधन आज भी खेती-किसानी और खेती-किसानी पर आधारित लघु कुटीर उद्योग हैं। इसलिए खेती-किसानी को लाभकारी स्थिति में पहुंचाने के लिए व्यावसायिक स्वरूप प्रदान किया जाए तो आज फिर से गांव आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो सकते हैं।

गांवों को फिर से सुसज्जित करने के लिए गांवों की प्राकृतिक और स्वाभाविक बुनावट व सजावट की तरफ लौटना होगा। गावों में फिर से साक्षात सहकारी और जिंदा संवाद कायम कर गांवों की मौलिक पहचान फिर से वापस लाई जा सकती है। बाजारवादी चकाचौंध और लगातार विज्ञापनों के शोर ने गंवई व्यंजनों की सुगंध और स्वाद को न केवल क्रूरता से कुचल दिया है, बल्कि हमारे खान-पान की पौष्टिक और प्रचलित परंपरा से हमको बहुत दूर कर दिया हैं। गुड़ भेली से तरह-तरह की बनी मिठाइयों खाद्य और पेय पदार्थों का स्थान पेप्सी, कोका-कोला जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के पेय और खाद्य पदार्थों ने ले लिया है। भारतीय गांवों की मौलिक पहचान पर फिर से विचार करने की आवश्यकता है। जनमानस में गंगा को बचाने के लिए जो तड़प और बेचैनी पाई जाती है उसी तरह की तड़प और बेचैनी गांवों को बचाने के लिए जनमानस के हृदय में पैदा करने की आवश्यकता है।

लेखक
मनोज कुमार सिंह

स्वर्ग के करीब की एक जगह : त्रियुंड

दूर किसी मैदानी शहर से किसी पहाड़ी शहर तक आना, आरामदायक होटल में रुकना, कुछ खास जगहों को देखना और फिर वापस लौट जाना। हम में से अधिकतर लोगों का घूमने का प्लान यही होता है, लेकिन कुछ हम जैसे भी होते हैं, जिनके लिए घूमने का मतलब है हर पल को जीना, उस जगह के जर्रे-जर्रे को महसूस करना और एडवेंचर ही जिंदगी है। आप भी एडवेंचर के शौकीन हैं और प्रकृति को करीब से महसूस करना चाहते हैं तो बस बैग पैक करिए और निकल पड़िए त्रियुंड ट्रैकिंग के लिए।

मार्च से जून और सितंबर से नवंबर तक त्रियुंड यात्रा के लिए सबसे उपयुक्त समय है। मैं अपने मित्र के साथ जब हिमाचल के खूबसूरत शहर मैक्लोडगंज पहुंचा तो चारों तरफ मनमोहक नजारे थे। आप इस यात्रा में मैक्लोडगंज को बेस कैंप की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। हमने शाम को वहीं एक ट्रैवल एजेंट से त्रियुंड में रहने के लिए टेंट बुक कर लिया। टेंट का किराया एक हजार रुपये प्रति व्यक्ति था, जिसमें रात का खाना और सुबह का नाश्ता भी शामिल था। मैक्लोडगंज से करीब चार किलोमीटर ऊपर है गोलू मंदिर यानी वो जगह, जहां से कोई वाहन आगे नहीं जा सकता। त्रियुंड की असली यात्रा यहीं से शुरू होती है। यहीं पुलिस का एक पिकेट है, जहां ऊपर चढ़ने से पहले आपको रजिस्ट्रेशन करवाना होता है। यह औपचारिकता पूरी करके हमने त्रियुंड की तरफ कदम बढ़ाए।

घड़ी बता रही थी कि दोपहर के ग्यारह बजने वाले हैं। सामने था पथरीला और जोखिम भरा रास्ता न कोई सड़क, बस दोनों तरफ पेड़ों से ढकी पगडंडी। शुरुआत में भरपूर जोश था इसलिए कदम तेजी से चल रहे थे, लेकिन कुछ ही मिनटों में हकीकत समझ आ गई। तेज धूप, बिना अभ्यास की चढ़ाई और तेज रफ्तार का असर। नतीजा, हमें पांच मिनट में ही पहला स्टॉप लेना पड़ा। फिर तय किया कि अब धीरे-धीरे चलेंगे। करीब एक घंटे बाद लगा जैसे पहाड़ ने हमसे दोस्ती कर ली हो। तेज धूप ठंडी हवा में बदल गई। नीचे मठों से आती घंटियों की आवाज एक प्यारी धुन-सी बन गई। हमारा बदन अब हमारे इरादों का साथ देने लगा। धीरे-धीरे प्रकृति का घूंघट उठने लगा और हम महसूस करने लगे एक नई और अनदेखी दुनिया को।

कहीं रास्ते का नामोनिशान नहीं था तो कहीं चट्टानों के बीच से राह खोजनी पड़ी। कहीं जंगली फूलों की खुशबू हमें अपनी ओर बुला रही थी तो कहीं डरावनी खाई थी। हरे-भरे मैदान मिले तो कुछ सहमी-सफेद भेड़ें हमारा स्वागत करती दिखीं। कभी सहयात्रियों का कोई झुंड दोस्त बन रहा था। इस बीच हम पहुंच गए "मैजिक व्यू कैफे" त्रियुंड ट्रैक का एक अहम पड़ाव।

थोड़ा आगे बढ़ते ही मौसम खुशगवार हो गया, लेकिन कुछ कदमों बाद बारिश ने हमें तरबतर कर दिया। ठंड काफी बढ़ गई थी। अब मुझे अपनी ऊनी टी-शर्ट का महत्व समझ आने लगा। कुछ दूरी पर आसमान से ओले गिरने लगे। हाथ-पांव ठंड से कांप रहे थे। तभी एक छोटी-सी दुकान दिखी और हम वहां जाकर छिप गए। त्रियुंड का अंतिम एक किलोमीटर ट्रैकिंग सबसे थकाने वाला है। इसमें करीब 22 खतरनाक मोड़ हैं। यहां तक पहुंचते-पहुंचते ऑक्सीजन भी कम होने लगती है, जिससे सांसें तेजी से फूलने लगती हैं। मैंने अपनी बोतल में बचे पानी का आखिरी घूंट पिया और साथी का हाथ पकड़कर सामने की चट्टान पार की। हमारे सामने हरा-भरा मैदान था, जो जैसे हमारा स्वागत कर रहा हो। यही तो हमारी मंजिल थी, हम त्रियुंड पहुंच चुके थे।

इस पड़ाव को पार करने के बाद जो दृश्य सामने था, वो बेमिसाल था। हमारे सामने फैला था बड़ा मैदान, जिस पर मानो हरी घास की कालीन बिछी हो। यहां-वहां रंग-बिरंगे टेंट चमक रहे थे। सामने खड़ा था धवल सफेद बर्फ से ढका हिमालय (धौलाधार पर्वत श्रृंखला)। हमारी सारी थकान न जाने कहां गुम हो गई थी। मैं अपनी जिंदगी की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक का दीदार कर रहा था। जल्द ही हमने अपने लिए एक टेंट लगवा लिया। मैदान के अंतिम छोर पर, ताकि हिमालय का दृश्य बिना किसी रुकावट के सामने हो। टेंट छोटा था, लेकिन काम चल सकता था। कभी चारागाह रहा त्रियुंड अब बेहद रौनक से भरा था। सूरज ढलने ही वाला था और मौसम में काफी ठंडक थी। कई एकड़ में फैले मैदान में हर तरफ बस और बस प्रकृति थी।

मैदान के अंतिम सिरे पर पड़ी एक शिला पर बैठकर मैं विराट हिमालय को निहार रहा था। ठंडी घास पर रखे मेरे पैर जैसे हिमालय को छूने को मचल रहे थे। धीरे-धीरे हिमालय सूरज को अपनी गोद में ले रहा था और कुछ देर के लिए सफेद हिमालय के रंग बदलते रहे। सचमुच यह अद्भुत नज़ारा था। इतना कि मुझे तस्वीर लेना भी याद नहीं रहा। यह वो खूबसूरती थी, जिसके बारे में शायद ही आपने कभी कल्पना की हो। हल्की-हल्की ठंडी हवा बालों और चेहरे को जैसे किसी अपने की तरह सहला रही थी। मुझे लग रहा था कुछ जगहें देखने से ज्यादा महसूस करने के लिए होती हैं, जैसे त्रियुंड।

शाम के सात बज चुके थे। त्रियुंड में घिरते अंधेरे ने रात होने की दस्तक दी। दुनियादारी से परे एक खामोश और सुनहरी-सी रात थी। यहां की कुछ दुकानों में लालटेनें जल रही थीं या कहीं-कहीं टेंट में हल्की-सी टॉर्च की रोशनी थी बस। अंधेरा गहरा चुका था। जल्द ही अलग-अलग देशों और कोनों से आए लोग दोस्त बन गए। हमने साथ में ही डिनर किया। भूख इतनी ज्यादा थी कि उस वक्त मिला दाल-चावल-राजमा बेहद स्वादिष्ट लगा। थोड़ी देर बाद हम अपने कैंप की तरफ लौट आए।

मैं सुबह साढ़े चार बजे ही टेंट से बाहर निकल आया। एक मासूम सी सुबह हमारा स्वागत कर रही थी। सूरज धीरे-धीरे ऊपर आ रहा था। चारों तरफ खामोशी थी। बर्फीले बादल पास से गुजर रहे थे। ठंड और बढ़ गई थी। शायद मैं उस मैदान में पहला इंसान था जो उस समय टेंट से बाहर खड़ा था। मैं उस पल के हर लम्हे को अपने अंदर समेट लेना चाहता था। दिल कह रहा था- काश, वक्त थोड़ा और रुक जाए, लेकिन 'काश' हमेशा एक खतरनाक शब्द होता है। वापस लौटते समय मेरे पास थे, उस खूबसूरत जगह पर बिताए गए शानदार पल।

लेखक
मृदुल कपिल

किस्सा रहस्य

कैनवास की मोनालिसा

मनीष को अपनी दुकान में समय से पहुंचना होता था। आज सुबह से बारिश होने के कारण उसे दुकान के लिए निकलने में देर हो गई। वह सोच रहा था कि दुकान अभी तक बंद होगी। रामप्रसाद तो अभी पहुंचा ही नहीं होगा। अतः उसने मोबाइल से रामप्रसाद से संपर्क किया तो पता चला कि वह दुकान में मौजूद है। यह सुनकर उसे घोर ताज्जुब हुआ कि इतनी बरसात में वह समय पर कैसे पहुंच गया? वह काम पर सदा देर से आता था, जिसके लिए वह कई बार झिड़कियां सुन चुका था और मनीष उसे हटाने का भी निर्णय ले चुका था। वह दुकान में पहुंचा तो उसने देखा कि दुकान की अच्छी तरह सफाई हो चुकी थी। दुकान में कोई ग्राहक नहीं था और रामप्रसाद स्टूल पर बैठा ऊंघ रहा था। अपनी कुर्सी पर बैठते हुए मनीष ने उससे पूछा, "रामप्रसाद! मुझे यह बताओ कि पहले तो तुम हमेशा लेट से आते थे, लेकिन आजकल इतनी जल्दी कैसे आ रहे हो? बरसात में प्रायः लोगों को अपने कार्यस्थल पर पहुंचने में देर हो जाती है। तुम्हारे सवेरे पहुंचने का क्या कारण है?" यह सुनकर रामप्रसाद ने कहा , "मालिक! क्या बताऊं? जब बारिश होती है तो मेरी छत टपकने लगती है और मैं रात-भर बैठकर सवेरा करता हूं। कमरे में चारों ओर सीलन भरी हुई है। इसीलिए सवेरे उठकर चल देता हूं। यहां रहता हूं ,तो कम-से-कम भींगता तो नहीं हूं।"

अंजना वर्मा

यूं तो गाहे-बगाहे अपने अगल-बगल मैंने रेल से कई यात्राएं की है, लेकिन उन यात्राओं की दूरी ज्यादा से ज्यादा बीस से तीस किलोमीटर तक ही रही है। कभी कोई लंबी रेलयात्रा नहीं की। इसलिए इन छोटी रेल यात्राओं को मैं अपनी मुकम्मल रेलयात्रा नहीं कह सकता। हां! सन 2018 की गंभीर बीमारी की परिस्थितियों ने मुझे पहली बार एक मुकम्मल और पूर्ण रेलयात्रा कराई। इस रेलयात्रा को ही मैं अपनी सार्वकालिक व पूर्ण रेलयात्रा मानता हूं। मुंबई से लौटते समय ज्योहीं रेल ने पटरियों पे चलना और दौड़ना शुरू किया तो मुझे ऐसा लगा कि जैसे मुझे दुनिया जहान की सारी खुशियां मिल गईं हों। ऐसा नहीं की मुंबई जैसे महानगर और अर्थ की राजधानी में हमारे वृहद उत्तर प्रदेश जैसे राज्य का जौनपुर जैसा जिला अनुपस्थित हो। यह सच है कि मेरे बीमार होने की दशा में इलाज के मामले में मुंबई जौनपुर से कहीं ज्यादा बेहतर और सर्वोत्कृष्ट रहा, लेकिन हम संवेदनशील कलम वाले न जाने क्यों जीवन की मशीनी आपाधापी और इतने बड़े-बड़े कंक्रीट के जंगल से अपनी संवेदना बैठा नहीं पाते। वैसे भी मुंबई प्रवास के समय लगा कि इस महानगर में हमारे जनपद जौनपुर के हर घर से कोई न कोई अपने घर की रोटियां अपने प्रयास से चला पा रहे हैं। इतना ही नहीं, यहां पर हमारे जौनपुर के चंद लोग तो आर्थिक, राजनैतिक व सामाजिक कड़ी के वे मील के पत्थर है, जिसे मुंबई नकार नहीं सकती।

मेरी दवा व इलाज करवाने के बाद की वापसी केवल एक मरीज की वापसी नहीं थी, बल्कि मेरे अंदर के एक साहित्यकार की भी वापसी थी। जिसे मैंने अपने रेल

के डिब्बे में बखूबी महसूस किया, जो रेल का डिब्बा जाते वक्त नीरस व बेजान सा लगा था, वही रेल का डिब्बा घर वापसी के समय महज एक रेल का डिब्बा भर नहीं अपितु वह रेल का डिब्बा हमारे यहां का पूरा गांव सा लग रहा था। रेल के डिब्बे का गांव अपने में सब कुछ समेटे था। इसमें गांव की सरलता के साथ ही वह सोंधापन पन था, जिसके चलते हमारे जौनपुर का हर गांव जाना जाता है। इस रेल के डिब्बे से बातकर कुछ लोगों का खिलखिलाना जीवन की आयुर्वेदिक ऊर्जा का आभास करा रहा था। बीच में ग्रामीण तंज के अंदाज में कुछ राजनैतिक चर्चा-परिचर्चा इस यात्रा को और यादगार बना रहे थे। मैं खुद इस रेलयात्रा को किसी लेखक के यात्रा-वृत्तांत को जी रहा था।

हां इस रेलयात्रा में मेरे अंदर के लेखक को एक बात कचोट जरूर रही थी कि इस रेलयात्रा के कचोटपन की पात्र उस डिब्बे की खुली खिड़की के पास बैठी बिल्कुल शांत सी अपने अपने में खोई हुई सी लड़की, जिसके अंदर इस यात्रा का कहीं दूर-दूर तक कोई उल्लास नहीं दिख रहा था। वह जैसे अपनी किसी असहाय पीड़ा के आकंठ में डुबी बस बाहर देख रही थी। मुझे लगा कि शायद इसने रेलयात्रा नहीं कि, बल्कि इस पूरी रेलयात्रा में वह केवल अपने प्रश्नों का आत्ममंथन कर रही थी या उनके उत्तर को तलाश रही थी। मेरे इस प्रथम पूर्ण रेलयात्रा में वह नीली सलवार पहनी हुई लड़की चुभ रही थी और मुझे लगा कि यह अपने प्रेम के विश्वास की कस्तुरी किसी धोखेबाज को दे बैठी है। सच मैं कवि तो था, लेखक भी था, लेकिन किसी कैनवास का चित्रकार न था, लेकिन फिर भी ये लड़की मेरे रेलयात्रा के कैनवास की एक मोनालिसा बनके रह गई है।

लेखक
रंगनाथ द्विवेदी

बतकही

लेखक
शिवालिक अवस्थी

आज यदि कोई सबसे ज्यादा खुश है तो वह है कुमार साहब का बेटा रोहन। आखिर रोहन के चचेरे भाई की शादी जो है। रोहन को पहले दिन से ही उसके चाचा राजेश ने शादी का सारा तय कार्यक्रम कह सुनाया था ताकि रोहन को किसी भी कार्य में परेशानी न हो। रोहन भी पूरी जिम्मेदारी के साथ हर कार्य को पूरी तरह निभाने में मशगूल था। शाम को बारात जाने का समय हो गया। रोहन जल्दी तैयार हुआ और अपने ताया के लड़के योगेश के साथ अलग गाड़ी पर बारात के साथ चल पड़ा। बीच रास्ते में योगेश ने गाड़ी को कहीं ओर घुमा दिया और थोड़ी देर गाड़ी रोकने के बाद वह दुकान से शराब की बोतल ले आया। रोहन ने शराब पीने से इनकार किया और बोला कि चाचा जी ने मुझे बहुत काम सौंपे हैं मुझे उन्हें पूरा करना है, यह काम नहीं करना है, लेकिन योगेश ने रोहन को भी शराब पिलाई और खुद भी शराब का खूब सेवन किया। उन दोनों ने इतनी शराब पी कि कुछ भी होश न रहा। वे दोनों शादी की रस्में तक नहीं देख सके। उधर रोहन के पिता समझ चुके थे कि असली माजरा क्या है? लेकिन शादी के बीच में उन्होंने माहौल को संभाले रखा। रोहन को सुझाए गए सारे काम, उन्होंने ही किए। अगले दिन रोहन घर आ पहुंचा। उसके बाल बिखरे थे और कपड़े भी गंदे हो चुके थे। यह देखकर रोहन के पिता ने सबके सामने उसकी पिटाई की। रोहन, जो पहले पूरी जिम्मेदारी के साथ हर कार्य करने में मशगूल था, एक शराब ने उसका खूब मजाक बनाया। रोहन की तरह ऐसे कई लोग हैं, जो किसी भी समारोह का आनंद तो उठाना चाहते हैं, लेकिन शराब पीने की लत उन्हें सब कुछ भुला देती है। उन्हें यह ज्ञात नहीं रहता कि समारोह की स्मृतियां कितनी महत्वपूर्ण होती हैं, जो असल आनंद देती हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	80,426.46	24,654.70
गिरावट	733.22	236.15
प्रतिशत में	0.90	0.95

सोना : 1,17,700 प्रति 10 ग्राम

चांदी : 1,41,900 प्रति किलो

अमृत विचार
मुरादाबाद, शनिवार, 27 सितंबर 2025
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 702.57 अरब डॉलर पर पहुंचा

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 19 सितंबर को समाप्त सप्ताह में 39.6 करोड़ डॉलर घटकर 702.57 अरब डॉलर रहा। एक सप्ताह पहले कुल भंडार 4.69 अरब डॉलर बढ़कर 702.97 अरब डॉलर हो गया था। रिजर्व बैंक के अनुसार, 19 सितंबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 86.4 अरब डॉलर घटकर 586.15 अरब डॉलर रहीं। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है।

व्हाट्सएप की याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली। अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी ने मेटा प्लेटफॉर्म्स और व्हाट्सऐप की अपीलों पर सुनवाई पूरी कर ली है और अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। इन अपीलों में 2021 अद्यतन व्हाट्सएप गोपनीयता नीति के लिए सोशल मीडिया दिग्गज पर सीसीआई के जुर्माने को चुनौती दी गई थी। चेयरपर्सन न्यायमूर्ति अशोक भूषण और सदस्य (तकनीकी) अरुण बरोका की एनसीएलएटी पीठ ने सभी पक्षों को छह अक्टूबर तक लिखित दलीलें दाखिल करने का निर्देश दिया है। पीठ ने अपना फैसला सुरक्षित रखते हुए कहा, सभी पक्ष छह अक्टूबर, 2025 तक अधिकतम दस पेज की संक्षिप्त दलीलें दाखिल करें।

अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया चार पैसे मजबूत

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में शुक्रवार को रुपया अपने अबतक के सबसे निचले स्तर से उबरता हुआ डॉलर के मुकाबले चार पैसे की बढ़त के साथ 88.72 पर बंद हुआ। विश्व की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के कमजोर होने तथा वैश्विक कच्चेतेल के मूल्य में आई गिरावट के कारण रुपये में यह सुधार आया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और घरेलू शेयर बाजार में जोखिम से बचने की धारणा ने स्थानीय मुद्रा में तेज वृद्धि पर अंकुश लगाया।

भारत-रूस के कारोबारी रिश्तों को उड़ान, यूपी अहम किरदार

ग्रेटर नोएडा में चल रहे यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के दूसरे दिन हुआ भारत-रूस बिजनेस डायलॉग

- 30 अरब डॉलर के व्यापार लक्ष्य में उत्तर प्रदेश निभाएगा अहम भूमिका : राकेश सचान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ग्रेटर नोएडा

अमृत विचार। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 के दूसरे दिन शुक्रवार को आयोजित भारत-रूस बिजनेस डायलॉग में प्रदेश के एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने कहा कि दोनों देशों के कारोबारी रिश्ते नई ऊंचाई पर पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि भारत ने वर्ष 2025 तक रूस के साथ व्यापार को 30 अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य तय किया है, और इसमें उत्तर प्रदेश अहम भूमिका निभाएगा।

मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश लगातार विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। सचान ने कहा कि यूपी में 90 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां हैं, जो 15 प्रतिशत आबादी को रोजगार देती हैं।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में रूस के साथ बिजनेस डॉयलॉग बैठक में विदेशी निवेशकों का स्वागत करते मंत्री राकेश सचान।

'वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट' योजना ने प्रदेश को वैश्विक पहचान दिलाई है।

सचान ने कहा कि भारत-रूस संबंध दशकों पुराने हैं। कभी भारत के औद्योगिकीकरण में मदद करने वाले रूस के साथ आज हमारी साझेदारी रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष सहित अनेक क्षेत्रों में रणनीतिक स्तर तक पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि भारत ने 2025 तक रूस के साथ द्विपक्षीय व्यापार को 30 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य तय किया है और यह लक्ष्य अवश्य हासिल होगा।

निवेशकों के लिए सुनहरा अवसर : सचान ने कहा कि 25 करोड़ से अधिक आबादी वाला उत्तर प्रदेश विशाल बाजार है। यहां निवेशकों को उत्पादन और उपभोग दोनों स्तर पर मजबूत अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने रूस से आग्रह किया कि वह अपनी उन्नत तकनीक से प्रदेश की औद्योगिक प्रगति में सहयोग करे। इसके पहले कार्यक्रम की शुरूआत अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार ने किया। इस मौके पर इनवेस्ट यूपी पर आधारित एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गई। संचालन रूस की उपप्रमुख (आर्थिक विभाग) ज्लाटा अंटुशेवा ने किया और स्वागत भाषण उप व्यापार आयुक्त डॉ. इवगेनी जेंचेंको ने दिया।

कारोबारी रिश्तों को नया आयाम : रूस

रूस की प्रतिनिधि ज्लाटा अंटुशेवा ने कहा कि भविष्य में दोनों देशों के कारोबारी रिश्ते और प्रगाढ़ होंगे। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन के महानिदेशक डॉ. अजय सहाय ने कहा कि व्यापार के साथ-साथ शिपिंग रूट और बीमा जैसे क्षेत्रों में भी दोनों देशों के सहयोग की संभावनाएं हैं। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारी विवेक अग्रवाल ने कहा कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो भारत-रूस रिश्तों के लिहाज से एक महत्वपूर्ण आयोजन है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब 'उत्तम प्रदेश' बन चुका है और यहां निवेश की अपार संभावनाएं हैं। पैरामाउंट कम्युनिकेशन के प्रबंध निदेशक संदीप अग्रवाल ने कहा कि भारत और रूस एक-दूसरे के भरोसेमंद साथी हैं। ऊर्जा, रक्षा, दूरसंचार और औषधि क्षेत्र में दोनों देशों की साझेदारी और आगे बढ़ेगी। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स के विशाल ढींगरा ने एमएसएमई क्षेत्र में सहयोग की उम्मीद जताई।

युवाओं में दिखा जोश, उद्यमिता से जुड़े विचारों को जाना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ग्रेटर नोएडा

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी (यूपीआईटीएस-2025) का दूसरा दिन युवाओं की उमंग और नए अवसरों की तलाश का गवाह बना। मुख्यमंत्री युवा संवाद के तहत हजारों छात्र-छात्राओं ने प्रदर्शनी में पहुंचकर न केवल नवीन उद्योगों और उद्यमिता से जुड़े विचारों को जाना, बल्कि बड़ी संख्या में व्यापारिक पूछताछ भी दर्ज कराई। मुख्यमंत्री युवा संवाद का दूसरा दिन इस बात का प्रतीक बना कि प्रदेश का युवा अब अवसरों को पहचानकर उन्हें साधने के लिए तैयार है। उत्साह, जिज्ञासा और नवाचार से भरी यह भीड़ आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की दिशा में एक ठोस कदम है। आयोजन ने साबित कर दिया है कि योगी सरकार की पहल युवाओं के आत्मविश्वास को नई दिशा दे रही है। लखनऊ, बरेली, कानपुर, फिरोजाबाद, गाजियाबाद, मेरठ, आगरा, गौतमबुद्ध नगर, मैनपुरी और मथुरा से आए करीब 700 और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से 1500 युवा प्रदर्शनी में आए। सभी स्टॉलों पर मिलाकर युवाओं ने दो हजार से अधिक व्यापारिक पूछताछ की। खासकर ओसियान इंटरप्राइजेज के उपहार सामग्री वाले स्टॉल पर 125 से अधिक छात्रों ने गहरी रुचि दिखाई। वहीं क्यूटीएम, ग्रिप इंटरनेशनल, प्रॉस्पर समूह और कोशिश सस्टेनेबल समाधान जैसे मशीनरी आपूर्तिकर्ता स्टॉलों पर भी जबरदस्त भीड़ रही। कॉनक्लेव के दौरान 20 से अधिक बी-टू-बी मीटिंग्स आयोजित हुईं। इसके साथ ही डॉ. गैराज, मिस्टर सैंडविच, धोबीलाइट, अर्द्धसैनिक कैंटीन और अमूल इंडिया जैसे स्टार्टअप्स व ब्रांड्स ने छात्रों को अपने बिजनेस मॉडल प्रस्तुत किए।

INTERNATIONAL TRADE SHOW 3 Edition

- युवाओं की संख्या : 1500
- व्यापारिक पूछताछ : 2000 से अधिक
- आकर्षण : ओसियान इंटरप्राइजेज (125 से अधिक युवाओं की रुचि)
- मेन स्टॉल : क्यूटीएम, ग्रिप इंटरनेशनल, प्रॉस्पर समूह, कोशिश समाधान
- नव उद्यम : डॉ. गैराज, मिस्टर सैंडविच, धोबीलाइट, अर्द्धसैनिक कैंटीन

भारत-ईयू के बीच एफटीए को अंतिम रूप देने के लिए प्रतिबद्ध है इटली

न्यूयॉर्क, एजेंसी

इटली के उप प्रधानमंत्री एंतोनियो तजानी ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की और भारत तथा यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देने के प्रति उनके देश की प्रतिबद्धता दोहराई। तजानी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इस बैठक को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि वह आने वाले महीनों में भारत की यात्रा करेंगे।

उन्होंने लिखा, न्यूयॉर्क में मैंने भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के साथ महत्वपूर्ण बैठकें कीं। इटली व भारत के बीच रणनीतिक, राजनीतिक एवं आर्थिक साझेदारी है। हम आगामी महीनों में मेरी भारत यात्रा के साथ इसे और मजबूत करना चाहते हैं। कहा, मैंने मुक्त व्यापार समझौते को शीघ्र अंतिम रूप देने के लिए इटली के समर्थन की पुष्टि भी की। ईयू भारत का दूसरा सबसे बड़ा साझेदार है।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के साथ इटली के उपप्रधानमंत्री एंतोनियो तजानी।

आरबीआई ने मृत ग्राहकों से संबंधित दावों के निपटान को बनाया सरल

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को बैंकों के मृत ग्राहकों के खातों और लॉकर से संबंधित दावों का 15 दिनों के भीतर निपटान करने के लिए संशोधित मानदंड जारी किए। रिजर्व बैंक ने कहा कि निपटान में देरी होने पर नॉमिनी यानी नामित व्यक्तियों को मुआवजा देने का प्रावधान किया गया है। संशोधित निर्देशों का उद्देश्य मृत ग्राहकों से संबंधित दावों के निपटान में बैंकों की गतिविधियों को सरल बनाना है। इसमें ग्राहक सेवा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए दस्तावेजीकरण को भी मानकीकृत किया गया है।

दवाओं पर अमेरिकी शुल्क लगने से सहमा बाजार

मुंबई, एजेंसी

अगले महीने से दवाओं पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा के बाद शुक्रवार को फार्मा एवं आईटी शेयरों में भारी बिकवाली होने से स्थानीय शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स में 733 अंक व निफ्टी में 236 अंक का नुकसान रहा।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 733.22 अंक यानी 0.90 प्रतिशत टूटकर तीन सप्ताह के निचले स्तर 80,426.46 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 827.27 अंक गिरकर 80,332.41 पर आ गया था। एनएसई का 50 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक निफ्टी भी 236.15 अंक यानी 0.95 प्रतिशत की गिरावट के साथ तीन सप्ताह के निचले स्तर 24,654.70 अंक पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट का यह लगातार छठा कारोबारी सत्र रहा। इस दौरान सेंसेक्स में कुल 2,587.50 अंक यानी 3.16 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है।

समझौते को जल्द पूरा करने के लिए वार्ता जारी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई है। इस दौरान दोनों पक्षों ने पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते को जल्द ही अंतिम रूप देने के लिए वार्ता जारी रखने का फैसला किया। वाणिज्य मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में अमेरिका गया भारतीय प्रतिनिधिमंडल तीन दिनों के दौरे के बाद 24 सितंबर को स्वदेश लौट आया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिकी सरकार के अधिकारियों के साथ समझौते के संभावित स्वरूप को लेकर रचनात्मक बातचीत की। मंत्रालय ने कहा, "दोनों पक्षों ने समझौते की संभावित रूपरेखा पर विचारों का आदान-प्रदान किया और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते को शीघ्र पूरा करने के लिए बातचीत जारी रखने का निर्णय लिया गया। बयान के मुताबिक, अपनी यात्रा में गोयल ने अमेरिका की व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जेमीसन ग्रीयर और भारत के लिए अमेरिका के नामित राजदूत सर्जियो गोर से भी मुलाकात की। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका के प्रमुख उद्योगपतियों एवं निवेशकों से भी दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश बढ़ाने के मुद्दे पर चर्चा की।

राष्ट्रीय

महिलाएं तय करें कि राजद व उसके सहयोगी सत्ता में न लौटें

प्रधानमंत्री ने बिहार की महिलाओं को किया संबोधित, कहा- इनके शासनकाल में भारी तकलीफें झेलनी पड़ीं

पटना, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उसके शासनकाल में बिहार की महिलाओं को भारी तकलीफें झेलनी पड़ीं। साथ ही उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे यह सुनिश्चित करें कि लालू प्रसाद यादव के नेतृत्व वाली पार्टी और उसके सहयोगी दल राज्य में दोबारा सत्ता में न लौट सकें।

प्रधानमंत्री मोदी दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' की शुरुआत के अवसर पर बिहार की महिलाओं को संबोधित कर रहे थे। इस योजना के तहत राज्य की 75 लाख महिलाओं को आजीविका गतिविधियों के लिए 10-10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। प्रधानमंत्री ने कहा, नवरात्रि के पावन अवसर पर महिलाओं का आशीर्वाद मेरे लिए बड़ी शक्ति है। आज से मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की शुरुआत हुई है। अब तक 75 लाख बहनें इस योजना से जुड़ चुकी हैं और सभी के खातों में 10-10 हजार रुपये भेजे गए हैं। उन्होंने कहा, जब कोई बहन या बेटी रोजगार या स्वरोजगार से जुड़ती है, तो उसके सपनों को पंख लगते हैं और समाज में उसका सम्मान भी बढ़ता है। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर जनधन योजना का भी उल्लेख किया और कहा कि यदि महिलाओं के बैंक खाते न खोले गए होते, तो यह राशि सीधे उनके खातों में नहीं पहुंच पाती। पूर्ववर्ती सरकारों पर कटाक्ष करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, पहले एक प्रधानमंत्री कहा करते थे कि दिल्ली से एक रुपया भेजा जाता है, तो जमीन पर सिर्फ 15 पैसे पहुंचते हैं और 85 पैसे कोई पंजा मार लेता है। लेकिन आज जो 10-10 हजार रुपये भेजे गए हैं, उन्हें कोई लूट नहीं सकता। उन्होंने कहा, इस योजना से केंद्र सरकार के 'लखपति दीदी अभियान' को भी नई ताकत मिली है। अब तक दो करोड़ से अधिक महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं और हमारा लक्ष्य तीन करोड़ तक पहुंचने का है। मुझे उम्मीद है कि सबसे अधिक 'लखपति दीदी' बिहार से बनेंगी। महिला सशक्तीकरण पर प्रधानमंत्री ने कहा, आज हमारी बेटियां बड़ी संख्या में सेना और पुलिस बलों में शामिल हो रही हैं। वे लड़ाकू विमान भी उड़ा रही हैं- यह हर महिला के लिए गर्व की बात है।

दो लाख तक की अतिरिक्त सहायता और उद्यमिता कौशल का प्रशिक्षण देंगे

प्रधानमंत्री ने राजद सरकार के कार्यकाल की आलोचना करते हुए कहा, लेकिन हमें वे दिन भी नहीं भूलने हैं, जब बिहार में राजद का शासन था। लाल टेन (राजद का चुनाव चिह्न) का राज था, उस दौरान अराजकता और भ्रष्टाचार की सबसे ज्यादा मार मेरी बिहार की माताओं-बहनों ने झेली। वो दिन जब बिहार की बड़ी-बड़ी सड़कें टूटी-फूटी होती थीं, पुल-पुलिया का नाम नहीं था। इन हालातों में सबसे अधिक तकलीफ हमारी माताओं-बहनों को ही उठानी पड़ी। मोदी ने महिलाओं से आग्रह किया, ये प्रण भी करना है कि माताएं-बहने अब बिहार को फिर कभी, उस अंधेरे में नहीं जाने देंगी, अपने बच्चों को बर्बाद होने से बचाने का यही रास्ता है। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि उनकी सरकार ने महिलाओं को कठिन परिस्थितियों से निकालने के लिए दिन-रात मेहनत की है। उन्होंने यह भी बताया कि योजना के तहत लाभार्थियों को भविष्य में दो लाख रुपये तक की अतिरिक्त सहायता और उद्यमिता कौशल का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। उन्होंने कहा, आज आपके दो भाई, नीतीश और मोदी मिलकर आपकी समृद्धि और स्वाभिमान के लिए लगातार काम कर रहे हैं। आज का यह कार्यक्रम भी इसी का उदाहरण है।

हिंदी दिवस कार्यक्रम के विरोध में होटल में घुसे कन्नड़ समर्थक संगठन के 41 सदस्य गिरफ्तार

- गृह मंत्रालय की राजभाषा समिति ने हिंदी प्रचार सभा की थी आयोजित

बेंगलुरु, एजेंसी

बेंगलुरु में हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम के विरोध में एक पांच-सितारा होटल में जबरन घुसने और हंगामा करने के आरोप में एक कन्नड़ समर्थक संगठन के 41 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इसके बाद कर्नाटक रक्षण वेदिके (केआरवी) ने शनिवार से राज्य के सभी 31 जिलों में विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है, जिसमें मांग की गई है कि उनके कार्यकर्ताओं के खिलाफ झूठे मामले वापस लिए जाएं और उन्हें रिहा किया जाए।

सूत्रों के अनुसार, गृह मंत्रालय की राजभाषा समिति ने होटल में एक हिंदी प्रचार सभा आयोजित की थी, जिसमें छह संसद सदस्यों ने भाग लिया था, तभी बृहस्पतिवार को कन्नड़ समर्थक संगठन के सदस्य होटल में घुस आए। कार्यक्रम के खिलाफ नारे लगाते हुए कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि यह बैठक गैर-हिंदी भाषी राज्यों पर हिंदी थोपने का प्रयास है। पुलिस के एक बयान के अनुसार, संसदीय राजभाषा समिति ने 23 से 25 सितंबर तक यहां रेसकोर्स रोड स्थित होटल में एक कार्यक्रम आयोजित किया था। इसके अंतिम दिन कार्यक्रम सुबह साढ़े नौ बजे शुरू हुआ। बैठक के अंतिम दिन सत्र सुबह 9.30 बजे शुरू हुआ। इसमें कहा गया है, सुबह लगभग 10:45 से 11 बजे के बीच एक संगठन के लगभग 30 से 40 सदस्य बैठक के एजेंडे के विरोध में अवैध रूप से आयोजन स्थल में घुस आए और उन्होंने उपस्थित सरकारी अधिकारियों के काम में बाधा डाली तथा हंगामा किया।

हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का विरोध करते कन्नड़ समर्थक।

आर्यन के खिलाफ समीर वानखेड़े की याचिका पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली हाईकोर्ट ने आईआरएस अधिकारी एवं एनसीबी के पूर्व जोनल निदेशक समीर वानखेड़े से शुक्रवार को सवाल किया कि अभिनेता शाहरुख खान व उनकी पत्नी गौरी खान के स्वामित्व वाली 'रेड चिलीज एंटरटेनमेंट' और 'नेटफ्लिक्स' के खिलाफ मानहानि याचिका कैसे विचारणीय है। हाईकोर्ट ने उनकी याचिका पर सवाल भी खड़े किए।

- दिल्ली हाईकोर्ट ने आईआरएस अधिकारी से पूछे सवाल

वानखेड़े ने इन कंपनियों पर वेब सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के जरिये उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल करने का आरोप लगाया है। न्यायमूर्ति पुरुषेन्द्र कुमार कौरव नेवानखेड़े के वकील से पूछा कि दिल्ली में यह याचिका कैसे विचारणीय है। अदालत ने कहा, 'आपकी याचिका दिल्ली में विचारणीय नहीं है। यदि आपका मामला यह होता कि दिल्ली समेत विभिन्न स्थानों पर आपकी मानहानि हुई है और सबसे अधिक नुकसान दिल्ली में हुआ है, तो भी हम इस मामले पर दिल्ली में ही विचार करते। वानखेड़े का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता संदीप सेठी ने कहा कि वेब सीरीज दिल्ली समेत विभिन्न शहरों में प्रसारित की जा रही है और इसमें अधिकारी को बदनाम किया गया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि वह याचिका में तदनुसार संशोधन करेंगे।

चेक बाउंस के लंबित मामलों में कमी लाने को बदले नियम

नई दिल्ली, एजेंसी

- उच्चतम न्यायालय ने लंबित मामलों पर व्यक्त की चिंता

प्रमुख शहरों की जिला अदालतों में बहुत अधिक संख्या में चेक बाउंस के मामलों के लंबित रहने पर चिंता व्यक्त करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें कम करने के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिनमें स्वैच्छिक समझौता और आरोपियों की परिवीक्षा (प्रोबेशन) पर रिहाई शामिल है।

न्यायमूर्ति मनमोहन और एनवी अंजारिया की पीठ ने, चेक बाउंस मामलों की सुनवाई करते हुए जहां मुंबई हाईकोर्ट ने जिला अदालतों के समान निष्कर्ष को पलटते हुए आरोपियों को रिहा कर दिया था परक्राम्य लिखत (एनआई) अधिनियम के तहत अपराधों के शमन/समझौते से संबंधित 15 साल पुराने दिशा-निर्देशों में बदलाव किया। खंडपीठ ने कहा कि यह न्यायालय इस तथ्य का न्यायिक संज्ञान लेता है कि विभिन्न निर्णयों में इस अदालत द्वारा बार-बार दिए गए निर्देशों के बावजूद भारत के प्रमुख महानगरों के जिला न्यायालयों में एनआई अधिनियम के तहत चेक बाउंस के लंबित मामलों की संख्या अब भी बहुत अधिक बनी हुई है। राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड के आंकड़ों का हवाला देते हुए खंडपीठ ने कहा कि एक सितंबर तक दिल्ली की जिला अदालतों में एनआई अधिनियम की धारा 138 के तहत लंबित मामले 6,50,283 थे, मुंबई जिला अदालतों में 1,17,190 और कलकत्ता जिला अदालतों में 2,65,985 थे।

तिरुपति लड्डू विवादः हाईकोर्ट के आदेश पर लगाई रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें सीबीआई के निदेशक द्वारा शीर्ष अदालत द्वारा गठित एसआईटी से बाहर के एक अधिकारी को प्रसिद्ध तिरुमला तिरुपति मंदिर के 'लड्डू प्रसादम' में इस्तेमाल होने वाले घी में मिलावट की जांच करने की अनुमति देने को न्यायालय के आदेशों का उल्लंघन बताया गया था। आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने कहा था कि प्रसादम तैयार करने में इस्तेमाल किये जा रहे 'मिलावटी घी' की जांच करते समय सीबीआई निदेशक ने शीर्ष अदालत के निर्देशों का उल्लंघन किया। निदेशक की याचिका पर राहत प्रदान करते हुए सीजेआई गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि इस जांच की निगरानी जांच एजेंसी के प्रमुख स्वयं कर रहे हैं, ऐसे में अगर विशेष अधिकारी को जांच में सहयोग को कहा जाता है, तो उसमें कुछ गलत नहीं है।

रुश्दी की किताब पर प्रतिबंध के लिए दायर याचिका खारिज

नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट ने सलमान रुश्दी के विवादास्पद उपन्यास द सैटेनिक वर्सेज पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध करने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। यह याचिका न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आई। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने दिल्ली उच्च न्यायालय के पिछले साल नवंबर के आदेश का हवाला दिया। उच्च न्यायालय ने 1988 में तत्कालीन राजीव गांधी सरकार द्वारा 'द सैटेनिक वर्सेज' के आयात पर प्रतिबंध लगाने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई बंद कर दी थी और कहा था कि चूंकि अधिकारी संबंधित अधिसूचना पेश करने में विफल रहे हैं, इसलिए यह मान लेना चाहिए कि वह (अधिसूचना) है ही नहीं।

बाढ़ प्रभावित राज्यों के 27 लाख किसानों को 540 करोड़ रुपये दिए

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को तीन बाढ़ प्रभावित राज्यों - हिमाचल प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड के 27 लाख किसानों को पीएम-किसान योजना के तहत 540 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी की। पीएम-किसान योजना एक केंद्रीय योजना है, जिसे प्रधानमंत्री ने फरवरी 2019 में भूमिधारक किसानों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए शुरू किया था। इस योजना के तहत, डीबीटी से किसानों के आधार से जुड़े बैंक खातों में तीन समान किस्तों में हर साल 6,000 रुपये दिए जाते हैं।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 21वीं किस्त जारी करने की घोषणा की। यह किस्त विशेष रूप से हिमाचल प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड के किसानों के लिए प्राथमिकता पर जारी की गई, जो हाल में आई बाढ़ और भूस्खलन से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। तीनों राज्यों के लगभग 2.7 लाख महिला किसानों सहित 27 लाख से ज्यादा किसानों के बैंक खातों में कुल 540 करोड़ से ज्यादा की राशि सीधे हस्तांतरित की गई है। केंद्र ने हिमाचल के 8,01,045 किसानों को 160.21 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए। पंजाब के 11,09,895 किसानों को 221.98 करोड़ रुपये मिले, जबकि उत्तराखंड के 7,89,128 किसानों को 157.83 करोड़ रुपये मिले।

वर्ल्ड ब्रीफ

नेपाल में आया मध्यम तीव्रता का भूकंप

काठमांडू। पूर्वी नेपाल के रामेछाप जिले में शुक्रवार को रिक्टर पैमाने पर चार तीव्रता वाला भूकंप महसूस आया। भूकंप से हालांकि किसी भी तरह के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, अपराह्न दो बजकर 14 मिनट पर आए भूकंप का केंद्र काठमांडू से लगभग 150 किलोमीटर पूर्व में रामेछाप जिले के वटैली क्षेत्र में स्थित था। इससे पहले 17 अगस्त को भी इसी जिले में रिक्टर पैमाने पर चार की तीव्रता वाला भूकंप आया था।

पाकिस्तान : हादसे में एक ही परिवार के 11 की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में देर रात हुए सड़क हादसे में एक ही परिवार के 11 सदस्यों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। बचाव अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, यह हादसा बृहस्पतिवार देर रात डेरा इस्माइल खान जिले में उस समय हुआ, जब वाहन ब्रेक फेल हो जाने के कारण खाई में गिर गया। वाहन झोब जिले से डेरा इस्माइल खान को ओर जा रहा था। बचाव अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल से पांच महिला, एक पुरुष और एक बच्चे के शव समेत सात शव बरामद किए गए। तीन घायलों को तत्काल प्राथमिक उपचार दिया गया।

टिकटॉक को अमेरिकी स्वामित्व की मंजूरी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक शासकीय आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं जिसके अनुसार सोशल मीडिया मंच 'टिकटॉक' को अमेरिका में, यहां के कानूनों द्वारा तय की गई राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को पूरा करते हुए संचालन जारी रखने की अनुमति होगी। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने पिछले साल एक कानून पारित किया था, जिसमें चीनी कंपनी 'बाइटडांस' को निर्देश दिया गया था कि वह 'टिकटॉक' की संपत्तियां अमेरिकी कंपनी को बेच दे नहीं तो ऐप पर पूरे देश में प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने इसे मंजूरी दे दी है।

मिस्र में आग लगने से आठ लोगों की मौत

काहिरा। मिस्र के नील डेल्टा क्षेत्र में शुक्रवार तड़के आग लगने से एक इमारत आंशिक रूप से ढह गई, जिससे आठ लोगों की मौत हो गई और 29 अन्य घायल हो गए। गवर्नर के मीडिया कार्यालय ने एक बयान में कहा कि गरबिया प्रांत के कपड़ा निर्माण के लिए प्रसिद्ध एल-महल्ला शहर में एक रंगाई इकाई की दूसरी मंजिल पर बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण बॉयलर फट गया और आग लग गई। इस वजह से इमारत आंशिक रूप से ढह गई।

ब्रिटेन में काम पाने के लिए लोगों को दिखाना होगा डिजिटल पहचान पत्र

लंदन, एजेंसी

- अवैध आव्रजन रोकने के लिए नई व्यवस्था लागू करेगी सरकार

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने देश में अवैध रूप से काम करने वाले लोगों पर नकेल कसने के उद्देश्य से डिजिटल पहचान पत्र को अनिवार्य बनाने की अपनी योजना से शुक्रवार को पर्दा उठाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि डिजिटल पहचान पत्र के बिना कोई भी व्यक्ति ब्रिटेन में रोजगार हासिल नहीं कर सकेगा।

ब्रिटिश सरकार ने कहा कि यह पहचान पत्र ब्रिटेन के सभी नागरिकों और वैध निवासियों के लिए उपलब्ध होगा। उसने दावा किया कि इससे पहचान की पुष्टि के लिए दस्तावेजों के सत्यापन की जटिल प्रक्रिया से मुक्ति मिलेगी, समय की बचत होगी और कल्याणकारी योजनाओं का अधिक प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

दस डाउनिंग स्ट्रीट (ब्रिटिश प्रधानमंत्री का आधिकारिक निवास और कार्यालय) ने दुनिया के अन्य देशों में लागू इसी तरह की योजनाओं का जिक्र करते हुए भारत का उदाहरण दिया। उसने बताया कि भारत में किस तरह आधार कार्ड ने कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में धोखाधड़ी और विसंगतियों को कम करके हर साल लगभग 10 अरब अमेरिकी डॉलर की बचत करने में सरकार की मदद की है।

भारतीय कंपनियों पर होगा सर्वाधिक असर

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अक्टूबर से सभी ब्रांडेड और पेटेंट प्राप्त दवाओं पर 100 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की घोषणा की है जिससे सबसे अधिक भारतीय कंपनियों के प्रभावित होने की आशंका है। ट्रंप ने गुरुवार को एक पोस्ट में लिखा कि 1 अक्टूबर से सभी ब्रांडेड और पेटेंटेड दवाओं पर 100 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया जाएगा। इससे सिर्फ उन्हीं कंपनियों को छूट मिलेगी जो अमेरिका में अपनी फैक्टरी लगा रही हैं। ट्रंप ने यह भी साफ किया है कि फैक्टरी लगाने से उनका आशय यह है कि यह है कि उन्होंने अमेरिका में अपनी फैक्टरी का शिलान्यास कर दिया है या फैक्टरी निर्माणाधीन है। ट्रंप के इस नए फैसले का सबसे ज्यादा असर भारतीय फार्मास्यूटिकल्स कंपनियों पर पड़ने की उम्मीद है, इससे बड़े पैमाने पर नौकरियां जाने की भी आशंका जताई जा रही है। भारत से फिलहाल अमेरिका को करीब एक हजार करोड़ डॉलर की दवाओं का निर्यात होता है।

दवाओं पर ट्रंप का टैरिफ

भारत से दवाओं का निर्यात

- भारतीय कंपनियां अमेरिका को जेनरिक दवाओं का बड़े पैमाने पर निर्यात करती हैं जो वहां सस्ती दवाओं का प्रमुख स्रोत है।
- वित्त वर्ष 2024-25 में भारत से अमेरिका को निर्यात 21.09 प्रतिशत वृद्धि के साथ 978.39 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया था।
- पिछले साल फिक्की की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका की जेनरिक दवाओं की 40 प्रतिशत आपूर्ति भारतीय कंपनियां करती हैं।
- भारत ने पिछले वित्त वर्ष में 30.47 अरब डॉलर की दवाओं का निर्यात किया था। इसमें 31% अमेरिका को किया गया था।
- अमेरिका के अलावा ब्रिटेन की कुल दवाओं की मांग में से 25 प्रतिशत की आपूर्ति भारत कंपनियों की ओर से की जाती है।

क्या होगा भारतीय कंपनियों पर असर

- भारत में करीब 3,000 दवा निर्माता और 10,000 से अधिक छोटी-बड़ी फार्मा इकाई हैं।
- इनमें लगभग 600-650 कंपनियों के पास अमेरिका को निर्यात करने का लाइसेंस है।
- इन कंपनियों की कॉस्ट प्रतिस्पर्धा खत्म हो जाएगी क्योंकि उनकी काफी दवाएं सस्ती हैं।
- सन फार्मा, डॉ. रेड्डीज, सिप्ला जैसी कपनियों की 35% तक अमेरिका से आय होती है।
- इसके अलावा छोटी और मझोली कंपनियों के दौड़ से पूरी तरह बाहर होने की आशंका है।

भारत में नौकरियों पर प्रभाव

- भारतीय फार्मा इंडस्ट्री में 3 लाख लोग सीधे और 27 लाख अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं। 50 से 75 हजार सीधे और डेढ़ लाख तक अन्य रोजगार पर असर पड़ने का अनुमान।

अमेरिका पर असर

- अमेरिका में हेल्थ केयर का खर्च काफी ज्यादा है और दवाओं की कीमतें पहले से विवादित हैं।
- भारतीय दवाओं पर 100 प्रतिशत टैरिफ से जेनेरिक दवाओं की कीमतें दोगुनी तक हो जाएंगी।
- इससे मध्यमवर्गीय अमेरिकियों का खर्च असहनीय हो जाएगा, बीमा कंपनियों पर बोझ बढ़ेगा।
- राजनीतिक रूप से ट्रंप को आलोचना झेलनी पड़ेगी क्योंकि वहां जनता सस्ती दवाएं चाहती है।

यहां भी हमला

- भारी ट्रकों पर 25, किचन कैबिनेट, बाथरूम वैनिटी पर भी 50-50% टैरिफ लगाया है।
- अपहोल्सटर फर्नीचरों पर भी 30% आयात शुल्क लगाने की घोषणा की गई है।
- पहले भारतीय उत्पादों पर 25% टैरिफ लगाया था जिसे बाद में 50% कर दिया गया।

टैरिफ वार के कारण

- ट्रंप ने शुरू में भारत पर अमेरिकी उत्पादों पर भारी टैरिफ लगाने का आरोप लगाया था।
- रूस से कच्चा तेल खरीदने के कारण भारत पर अतिरिक्त 25% टैरिफ लगाया गया।

यूएन में नेतन्याहू ने दिखाए तेवर, बोले- गाजा में हमास के खिलाफ काम खत्म करके रहेंगे

हल्के शोर-शराबे के बीच दिया भाषण, कई देशों के प्रतिनिधियों ने किया सामूहिक रूप से बायकॉट

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा कि इजराइल को गाजा में हमास के खिलाफ काम खत्म करना ही होगा। उन्होंने गाजा में विनाशकारी युद्ध को समाप्त करने से इन्कार पर बढ़ते अंतरराष्ट्रीय अलगाव के बावजूद संयुक्त राष्ट्र में एक मुखर भाषण दिया। शुक्रवार को जब वह भाषण देने ही वाले थे, तब कई देशों के प्रतिनिधि संयुक्त राष्ट्र महासभा हॉल से सामूहिक रूप से बाहर चले गए।

जैसे ही इजराइली नेता ने बोलना शुरू किया, हॉल में हल्का शोर सुनाई दे रहा था। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल वहीं रुका रहा, जिसने हमास के खिलाफ नेतन्याहू के अभियान में उनका समर्थन किया था। जैसे ही उन्होंने अपना भाषण शुरू किया, कुछ लोगों ने तालियां भी बजाईं। जैसा कि नेतन्याहू अक्सर अतीत में करते आए हैं, उन्होंने एक दृश्य दिखाया जिसमें क्षेत्र का एक नक्शा था जिसका शीर्षक था 'द कर्स' यानी अभिशाप। उन्होंने उस पर एक बड़े मार्कर से निशान लगा रखे थे। वह मंच पर चढ़ते समय विशेष पिन पहने हुए थे जिस पर क्यूआर कोड लगा था। प्रधानमंत्री के प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों, मंत्रियों और उनके साथ आए लोगों ने भी वही पिन लगाए हुए थे।

नेतन्याहू ने क्षेत्र में अपने राजनीतिक और सैन्य दृष्टिकोण में अपने प्रमुख सहयोगी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भी बार-बार प्रशंसा की। नेतन्याहू को अंतरराष्ट्रीय अलगाव, युद्ध अपराधों के आरोपों और उस संघर्ष को समाप्त करने के बढ़ते दबाव का सामना करना पड़ रहा है जिसे उन्होंने लगातार बढ़ाया है। शुक्रवार का भाषण उनके लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सबसे बड़े मंच पर अपनी प्रतिक्रिया देने का एक मौका था।

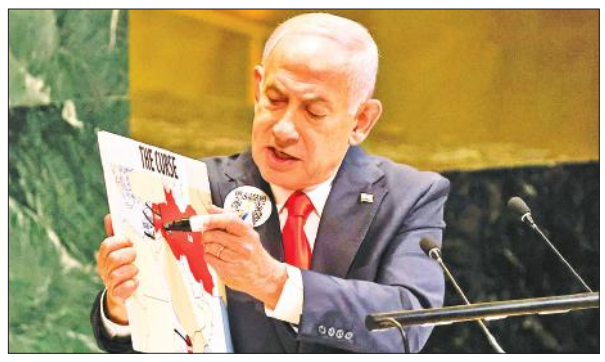

संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू।

सीमा पर लगा दिए लाउडस्पीकर ताकि गाजा के लोग भी सुन सकें नेतन्याहू का भाषण

पश्चिम एशिया में इजराइली सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रही है कि गाजा वासी और अन्य लोग नेतन्याहू की बात सुनें। सेना ने इजराइल-गाजा सीमा पर लाउडस्पीकर लगा दिए थे ताकि नेतन्याहू का भाषण सुनाई दे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने यह भी कहा था कि एक अभूतपूर्व अभियान में इजराइली सेना गाजा के निवासियों और हमास सदस्यों के मोबाइल फोन अपने कब्जे में लेगी और उनके भाषण का इन मोबाइल के माध्यम से सीधा प्रसारण किया जाएगा। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि क्या ऐसा हो पाया और किस हद तक हो पाया।

ट्रंप का एलान- इजराइल को वेस्ट बैंक पर कब्जा करने की अनुमति नहीं देंगे

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह इजराइल को वेस्ट बैंक पर कब्जा नहीं करने देंगे। उन्होंने बृहस्पतिवार को ओवल ऑफिस में पत्रकारों से कहा, मैं इजराइल को वेस्ट बैंक पर कब्जा करने की इजाजत नहीं दूंगा। ऐसा नहीं होगा। हाल के वक्त में इजराइल का वेस्ट बैंक पर कब्जे की संभावना की बात सामने आई है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने बेंजामिन नेतन्याहू से बात की है और वह कब्जे की इजाजत नहीं देंगे। उन्होंने कहा, बस बहुत हो गया। गाजा पर समझौता जल्द होगा। गाजा की तरह वेस्ट बैंक पर भी फिलिस्तीनी प्राधिकारियों का शासन है। ट्रंप को गाजा में लंबे युद्ध के कारण अरब देशों के नेताओं के दबाव का सामना करना पड़ा है। संयुक्त अरब अमीरात ने चेतावनी दी है कि कब्जे संबंधी इजराइल का कोई भी कदम लक्ष्मण रेखा लांघने जैसा होगा। इजराइल का 1967 से वेस्ट बैंक, पूर्वी यरुशलम और गाजा पट्टी पर दखल है। फिलिस्तीनी चाहते हैं कि इन क्षेत्रों को मिलकर उनके देश का निर्माण हो।

- अरब नेताओं से वार्ता के बाद बदला रुख, बोले- गाजा पर समझौता जल्द

संयुक्त राष्ट्र ने इजराइल की सहयोगी 68 कंपनियों को काली सूची में डाला

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र ने इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में इजराइली बस्तियों के साथ व्यापारिक संबंधों के जरिये फिलिस्तीनियों के मानवाधिकारों के उल्लंघन में संलिप्तता को लेकर 68 और कंपनियों को शुक्रवार को काली सूची में डाल दिया। काली सूची में उन कंपनियों को शामिल किया गया है, जो वेस्ट बैंक में ज्यादातर लोगों की ओर से अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अवैध मानी जानी वाली इजराइली बस्तियों को सहयोग एवं सहायता प्रदान करती हैं। इनमें निर्माण सामग्री और खुदाई मशीनों की आपूर्ति करने वाली कंपनियों से लेकर सुरक्षा, यात्रा और वित्तीय सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनियां शामिल हैं। 'डेटाबेस ऑफ कंपनी' नाम की इस सूची में अब कुल 158 कंपनियां हैं, जिनमें से ज्यादातर इजराइल की हैं।

आतंकवाद के खिलाफ पूरी दुनिया हो एकजुट : भारत

संयुक्त राष्ट्र/नई दिल्ली, एजेंसी

- संयुक्त राष्ट्र मंत्रिस्तरीय बैठक में शून्य सहिष्णुता का दृष्टिकोण दोहराया

भारत ने आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ लड़ाई में दुनिया के एकजुट होने की आवश्यकता पर जोर दिया है। भारत ने आतंकवाद पीड़ितों के मित्र समूह की छठी मंत्रिस्तरीय बैठक में सीमा पार आतंकवाद के संकट का उल्लेख किया और आतंकवाद के प्रति अपने शून्य सहिष्णुता वाले दृष्टिकोण को दोहराया है।

सचिव 'पश्चिम राजदूत' सिबी जॉर्ज ने इस बैठक में भारत का पक्ष रखा। उन्होंने सार्वजनिक सेवा वितरण में जवाबदेही, पारदर्शिता और प्रभावशीलता बढ़ाने, नागरिकों के बीच विश्वास, सामाजिक सामंजस्य एवं स्थायी शांति को बढ़ावा देने के लिए जन-केंद्रित तकनीकी प्रगति का लाभ उठाने पर जोर देते हुए कहा कि समूचा विश्व एक परिवार की तरह है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि शांति निर्माण कार्य मांग-आधारित और राष्ट्रीय स्तर पर होना चाहिए। उन्होंने फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी की मंत्रिस्तरीय बैठक में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया। राजदूत जॉर्ज ने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत इस एजेंसी का एक विश्वसनीय साझेदार है, और वह इस क्षेत्र में सक्रिय रूप से जुड़ा रहेगा।

इसके अलावा, उन्होंने यूरोपीय संघ की 'बाह्य कार्रवाई सेवा' की महासचिव सुश्री बेलेन मार्टिनेज़ कार्बोनेल से भी मुलाकात की। उन्होंने भारत-यूरोपीय संघ साझेदारी को मजबूत करने और वैश्विक एवं क्षेत्रीय विकास पर विचारों के आदान-प्रदान पर व्यापक चर्चा की।

एफबीआई के पूर्व निदेशक कॉमी पर संसद में झूठ बोलने और कार्यवाही बाधित करने के आरोप में मामला दर्ज

वाशिंगटन। एफबीआई के पूर्व निदेशक जेम्स कॉमी पर झूठा बयान देने और कांग्रेस की कार्यवाही में बाधा डालने के आरोप में आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अटॉर्नी जनरल से कॉमी और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों पर अभियोजन कार्रवाई शुरू करने का आग्रह के कुछ दिनों बाद यह मामला दर्ज किया गया है। एफबीआई के पूर्व निदेशक के खिलाफ मामला दर्ज होने के कुछ ही मिनटों बाद उनके दामाद ट्रॉय एडवर्ड्स ने संघीय अभियोजक के पद से इस्तीफा दे दिया। एडवर्ड्स ने इस्तीफे में लिखा कि उन्होंने संविधान और देश के प्रति अपनी शपथ निभाने के लिए नौकरी छोड़ी है। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को इस कार्रवाई का स्वागत करते हुए इसे अमेरिका के लिए न्याय बताया।

ट्रंप की करीबी मानी जाने वाली अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी और एफबीआई निदेशक काश पटेल ने भी इस कार्रवाई का समर्थन किया। कॉमी ने आरोप लगने के बाद एक वीडियो में कहा, मुझे अदालतों पर पूरा भरोसा है, मैं बेगुनाह हूं। अब अदालत में ही बात करेंगे।

परमाणु क्षमता बढ़ाने की दिशा में भारत के काम की सराहना

मास्को, एजेंसी

विश्व परमाणु संघ की महानिदेशक समा बिलबाओ लियोन ने विश्व परमाणु सप्ताह समारोह में कहा कि भारत स्वदेशी कार्यक्रम के साथ परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में शानदार काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि चीन, भारत और एशियाई देशों में परमाणु ऊर्जा का अच्छा विकास हुआ है।

यह समारोह रूसी परमाणु उद्योग की 80वीं वर्षगांठ को समर्पित है। लियोन ने कहा कि कई देश आपूर्ति श्रृंखला के लिए भारत की ओर देख रहे हैं। उन्होंने 2047 तक भारत के 100 गीगावाट के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा कि देश के पास बहुत बड़ा काम है और सभी का ध्यान इसी पर है कि इसे कैसे पूरा किया जाएगा। उन्होंने नीतिगत विकास पर कहा कि भारत को परमाणु ऊर्जा अधिनियम और परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम में संशोधन करने की जरूरत है। लियोन ने परमाणु क्षेत्र में भारत-रूस संबंधों पर बातचीत करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक सहयोग हैं।

- विश्व परमाणु संघ की महानिदेशक ने कहा- दुनिया भारत को देख रही

यमन की राजधानी पर इजराइली हमला नौ लोगों की मौत

अदन। यमन के हूती विद्रोहियों ने शुक्रवार को कहा कि उनके कब्जे वाली देश की राजधानी सना पर एक दिन पहले हुए इजराइली हमले में कम से कम नौ लोग मारे गए और कई लोग घायल हुए हैं।

इससे पहले, बुधवार को दक्षिणी इजराइली शहर ऐलात में हूती विद्रोहियों द्वारा किए गए ड्रोन हमले में 22 लोग घायल हो गए थे, जिसके बाद इजराइल ने जवाबी हमला किया। यमन के हूती-नियंत्रित उत्तरी हिस्से के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि मृतकों में चार बच्चे, दो महिलाएं और तीन वृद्ध शामिल हैं। अधिकारियों ने यह भी बताया कि घायलों में 59 बच्चे, 35 महिलाएं और 80 वृद्ध शामिल हैं।

व्हाइट हाउस में शहबाज और मुनीर से मिले ट्रंप

शहबाज ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने का श्रेय देकर ट्रंप को शांति पुरुष बताया

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से मुलाकात की, जहां उन्होंने क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद के खिलाफ सहयोग और अन्य मुद्दों पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री कार्यालय के एक बयान के अनुसार, छह साल में व्हाइट हाउस का दौरा करने वाले पहले पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज ने ट्रंप को दुनिया भर में संघर्षों को समाप्त करने के उनके ईमानदार प्रयासों के लिए शांति पुरुष बताया और पाकिस्तान और भारत के बीच संघर्ष विराम कराने में उनके साहसी और निर्णायक नेतृत्व की सराहना की। जुलाई 2019 में, तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान ने वाशिंगटन की यात्रा की थी और राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात की थी, जिन्होंने पाकिस्तान पर अरबों डॉलर की सहायता प्राप्त करते हुए अमेरिका से झूठ बोलने, धोखा देने आतंकवादियों को पनाह देने का आरोप लगाया था। ट्रंप के उत्तराधिकारी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने कार्यकाल के दौरान पाकिस्तान को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया था और व्हाइट हाउस में आमंत्रित करना तो दूर, किसी पाकिस्तानी प्रधानमंत्री से फोन पर बात तक नहीं की थी।

व्हाइट हाउस में शहबाज शरीफ और आसिम मुनीर के साथ ट्रंप।

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा करते हुए, शहबाज ने विशेष रूप से गाजा और पश्चिमी तट में शांति बहाली के लिए विचारों के आदान-प्रदान के वास्ते मुस्लिम नेताओं को आमंत्रित करने की ट्रंप की पहल की सराहना की। विश्वास जताया कि ट्रंप के नेतृत्व में पाकिस्तान-अमेरिका साझेदारी पारस्परिक लाभ के लिए और मजबूत होगी।

आतंक पर समर्थन के लिए ट्रंप को धन्यवाद

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने आतंकवाद-रोधी कार्रवाई में पाकिस्तान की भूमिका का सार्वजनिक समर्थन करने के लिए ट्रंप का आभार जताया और सुरक्षा एवं खुफिया क्षेत्र में सहयोग को और बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप को उनकी सुविधानुसार पाकिस्तान की आधिकारिक यात्रा करने का निमंत्रण भी दिया।

ट्रंप ने शहबाज शरीफ को बताया महान नेता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बैठक से पहले मीडिया को बताया कि व्हाइट हाउस में एक महान नेता आने वाले हैं। ट्रंप ने कहा, असल में हमारे पास एक महान नेता आ रहे हैं, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और पाकिस्तान के फील्ड मार्शल। फील्ड मार्शल एक शानदार इंसान हैं और प्रधानमंत्री भी। यह बैठक लगभग एक घंटे 20 मिनट तक चली।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 27 सितंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पंचमी 12.03 तक तत्पश्चात षष्ठी।

आज का पंचांग

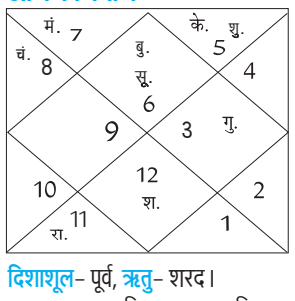

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- अनुराधा 28 सितंबर 01.08 तक तत्पश्चात ज्येष्ठा।

मेष — आज अति-आत्मविश्वास से आपको बचना चाहिए। व्यवसाय में अधिक बड़ा प्रयोग न करें। जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। अनावश्यक यात्रा पर जाना पड़ सकता है। पुरानी गलतियों को दोहराने से बचना चाहिए।

वृष — आज राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद मिल सकता है। आपको अचानक धन-लाभ हो सकता है। बौद्धिक कार्यों में आप भाग लेंगे। शोध कार्य में आप अत्यधिक रुचि लेंगे। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहने वाला है।

मिथुन — आज विरोधी आपके कार्यों की प्रशंसा करेंगे। धर्म-कर्म के प्रति आस्था कम हो सकती है। कार्यक्षेत्र में लक्ष्य सरलता से प्राप्त कर लेंगे। आपको कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। धन संबंधी समस्याओं से मुक्ति मिलेगी।

कर्क — आज तनाव का असर आपके काम पर भी पड़ सकता है, इसीलिए तनाव से बचें। यदि कोई स्वास्थ्य समस्या है तो चिकित्सीय परामर्श अवश्य लें। नए अनुबंध हो सकते हैं। वैवाहिक संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। अपनी क्षमता पर अविश्वास न करें।

सिंह — आज व्यापार में आपकी लापरवाही अत्यधिक नुकसानदेह सिद्ध होगी। तकनीकी क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन शुभ है। रुका हुआ धन आपको वापस मिल सकता है। पारिवारिक वातावरण बहुत ही अच्छा रहने वाला है।

कन्या — आज व्यापार में अचानक धन-लाभ हो सकता है। नौकरी में उच्च पद प्राप्त होने की संभावना है। आपकी आय बहुत ही अच्छी रहेगी। आपकी कोई इच्छा पूरी हो सकती है। करियर को लेकर शुभ-सूचना मिल सकती है।

तुला — आज लंबी दूरी की यात्रा से आपको धन लाभ होगा। धार्मिक कार्यों में आप व्यस्त रहेंगे। दांपत्य संबंध बहुत ही अच्छा रहेगा। आप अध्ययन के प्रति रुचि लेंगे। छोटे बच्चों की परवरिश पर ध्यान दें। व्यापार में आप बड़ा निवेश कर सकते हैं।

वृश्चिक — आज आपको अपनी योग्यता दिखाने का अवसर मिलेगा। आपकी दिनचर्या बहुत ही अच्छी रहेगी। महिलाएं शॉपिंग के लिए जा सकती हैं। जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। पैतृक संपदा मिलने के योग बन रहे हैं।

धनु — आज अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। नकारात्मक शब्दों का प्रयोग न करें। कानूनी मामलों में आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है। उच्च अधिकारियों के साथ आपको परेशानी हो सकती है। परिवार में कलह का वातावरण रहेगा।

मकर — आज नौकरी में उच्च पद मिलने की संभावना है। व्यवसाय में बड़ी साझेदारी करने से आपको बचना चाहिए। जीवनसाथी की सलाह आपके लिए अत्यधिक सहायक सिद्ध होगी। बीमार लोगों को स्वास्थ्य लाभ हो सकता है।

कुंभ — आज आप लोगों की सहायता करना चाहेंगे। संतान की उन्नति से आप प्रसन्न रहेंगे। बच्चे पढ़ाई में विशेष रुचि लेंगे। आप नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। उच्च अधिकारियों से आपके संबंध सुधरेंगे। पुराने अनुभवों का आपको लाभ मिलेगा।

मीन — आज आपकी योग्यता की लोग प्रशंसा करेंगे। परिजनों के साथ धार्मिक स्थल की यात्रा कर सकते हैं। व्यापार कर रहे लोगों को नए निवेशक मिल सकते हैं। सहकर्मी आपकी अत्यधिक सहायता करेंगे। माता की सेहत का ध्यान रखें।

सुडोकू -112

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	7	8						9
	1			6				4
9				8				
	4						6	
		1				4		
	9			5			1	
1				9		3		7
7				4	8		2	
						5		

सुडोकू - 111 का हल

8	3	9	1	7	6	4	2	5
7	5	4	9	2	8	1	3	6
2	1	6	4	5	3	7	9	8
6	2	1	3	4	7	5	8	9
4	8	5	6	9	1	3	7	2
3	9	7	2	8	5	6	4	1
9	7	2	5	6	4	8	1	3
5	4	3	8	1	2	9	6	7
1	6	8	7	3	9	2	5	4

इस बार, महिला क्रिकेट टीम विश्व कप जीतकर इतिहास रचने के लिए तैयार हैं। मेरे लिए, चाहे पुरुष टीम हो या महिला टीम, कोई फर्क नहीं है, हमेशा भारत खेलता है और हमेशा भारत जीतता है। मैं हमेशा टीम इंडिया के साथ खड़ा रहूंगा।
-टाइगर श्रॉफ

स्टेडियम

मुरादाबाद, शनिवार 27 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

भारत ए ने ऑस्ट्रेलिया ए को हराया

लखनऊ : केएल राहुल (नाबाद 176) और साई सुदर्शन (100) की शतकीय पारियों की बदौलत भारत ए ने शुक्रवार को दूसरे अनाधिकृत टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ए को पांच विकेट से हरा दिया। आज यहां मैच के चौथे दिन भारत ए ने कल के दो विकेट पर 169 से आगे खेलना शुरु किया। भारत ए ने 93 .3 ओवरों में पांच विकेट पर 413 रन बनाकर मुकाबला पांच विकेट से जीत लिया। केएल राहुल ने 210 गेंदों में 16 चौके और चार छक्के लगाते हुए नाबाद 176 रनों की मैच विजयी पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया ए ने पहली पारी में 420 रन का स्कोर बनाया जिसके जवाब में भारत ए टीम पहली पारी में 194 रनों पर सिमट गई थी। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 185 के स्कोर पर सिमट गई और भारत को जीत के लिए 412 रनों का लक्ष्य दिया था।

जमाल ने गोलकोंडा मास्टर्स खिताब जीता

हैदराबाद : बांग्लादेश के जमाल हुसैन को शुक्रवार को यहां भारी बारिश के कारण अंतिम दौर रद्द किए जाने के बाद एक करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि वाले तेलंगाना गोलकोंडा मास्टर्स का विजेता घोषित किया गया। चंडीगढ़ के अक्षय शर्मा उपविजेता रहे। टूर्नामेंट का नतीजा 54 होल के बाद कुल स्कोर के आधार पर घोषित किया गया। हुसैन (61-62-64) तीसरे दौर के बाद 54 होल में 23 अंडर 187 के स्कोर की बदौलत चार शॉट से आगे चल रहे थे। इस तरह उन्होंने अपना छठा और पिछले साल नवंबर के बाद पहला खिताब जीता।

पैसिफिक बैडमिंटन में चार पदकों पर कब्जा

नई दिल्ली : भारत ने कुआलालंपुर में विशेष ओलंपिक एशिया पैसिफिक बैडमिंटन टूर्नामेंट में विभिन्न स्पर्धाओं में एक स्वर्ण और तीन रजत पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। विशेष ओलंपिक भारत की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार चनवी शर्मा ने 16 से 20 सितंबर तक आयोजित की गई चैंपियनशिप में महिला एकल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता और अपनी जोड़ीदार सुजीता सुकुमारन के साथ मिलकर महिला युगल में रजत पदक हासिल किया। अंकित दलाल ने पुरुष एकल में रजत पदक और अमल बिजू के साथ मिलकर पुरुष युगल में एक और रजत पदक जीतकर अपने पदकों की संख्या दोगुनी कर दी।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम हारी

कैनबरा : भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम को शुक्रवार को यहां नेशनल हॉकी सेंटर में ऑस्ट्रेलिया की अंडर-21 टीम से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। भारत के लिए लालथंतलुआंगी (47वें मिनट) और सोनम (54वें मिनट) ने गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया के लिए बियांका जुरर (36वें मिनट), एवी स्रांसबी (45वें मिनट) और सैमी लव (59वें मिनट) ने गोल दागे। मैच के शुरुआती हाफ में दोनों टीम गोल करने में नाकाम रही। जुरर ने मध्यांतर के बाद पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर ऑस्टेलिया का खाता खोला जबकि इसके नौ मिनट के बाद स्रांसबी के गोल से टीम ने 2-0 की बढ़त कायम कर ली।

दबाव लिए बिना खेल का लुत्फ उठाना चाहती हूं : हरमनप्रीत

बेंगलुरु, एजेंसी

आईसीसी के कप्तानों के संवाददाता सम्मेलन में भाग लेतीं भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर, ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली, इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट और न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन। एजेंसी

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर को आगामी आईसीसी महिला वनडे विश्व कप से पहले प्रशंसकों की उम्मीदों के बारे में पता है लेकिन वह पहली बार खिताब जीतने के दबाव में आए बिना इस पल का लुत्फ उठाना चाहती हैं। भारत टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत 30 अक्टूबर को गुवाहाटी में श्रीलंका के खिलाफ मैच से करेगा।

हरमनप्रीत ने आईसीसी द्वारा आयोजित कप्तानों की संवाददाता सम्मेलन में कहा मुझे लगता है कि अपने देश की कप्तानी करना किसी भी खिलाड़ी के लिए हमेशा एक खास पल होता है। वनडे विश्व कप में अपने देश की कप्तानी करना और भी खास होता है और उससे भी बढ़कर यह घरेलू विश्व कप है इसलिए यह और भी विशेष है। उन्होंने कहा मेरा मतलब है, यह अविश्वसनीय है। जब मैंने खेलना शुरू किया था तो मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मुझे अपने देश की कप्तानी करने का मौका मिलेगा, यह बस एक सपना ही था।

उन्होंने कहा वनडे विश्व कप 12 साल बाद भारत में हो रहा है और मुझे लगता है कि यह हम सभी के लिए बेहद शानदार होने वाला है। हम दबाव लिए बिना इस पल का लुत्फ उठाना चाहते है। भारत पांच अक्टूबर को कोलंबो में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगा, लेकिन हरमनप्रीत इस मैच से जुड़ी राजनीतिक बातों की चिंता करने के बजाय क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करना चाहती है।

भारत को हराना मुश्किल होगा : हीली

गत विजेता ऑस्ट्रेलिया की टीम सात बार चैंपियन रही है। कप्तान एलिसा हीली से जब पूछा गया कि क्या यह रिकॉर्ड उनके लिए एक बड़ी मुसीबत है? तो उन्होंने कहा मुझे नहीं लगता कि किसी भी समय चीजों को लेकर बहुत ज्यादा आत्ममुग्ध होना ऑस्ट्रेलिया की संस्कृति में है। मुझे नहीं लगता कि यह इससे आसान हो सकता है। मुझे लगता है कि भारत को उसके घरेलू मैदान पर हराना वाकई बहुत मुश्किल होगा। ऑस्ट्रेलिया ने हाल ही में भारत को उसके घरेलू मैदान पर एकदिवसीय सीरीज में 2-1 से हराकर अपनी तैयारियों को मजबूत किया।

- कप्तानों के संवाददाता सम्मेलन में हरमनप्रीत ने कहा देश के लिए खेलना हमेशा होता है खास

इन कप्तानों ने लिया ऑनलाइन भाग

पाकिस्तान (फातिमा सना), श्रीलंका (चामरी अटापट्टू), दक्षिण अफ्रीका (लौरा वोल्वार्ड्ट) और बांग्लादेश (निगार सुल्ताना जोती) की कप्तानों ने ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लिया।

भारत के खिलाफ श्रीलंका दबाव में नहीं : अटापट्टू

अटापट्टू ने कहा कि गुवाहाटी में टूर्नामेंट के पहले मैच में प्रबल दावेदार भारत से भिड़ने से पहले श्रीलंका की टीम किसी दबाव में नहीं है।

बेखौफ खेलने का मौका मिलेगा : सोफी

न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने कहा कि उनकी टीम के लिए यह अच्छा है कि सब का ध्यान भारत और ऑस्ट्रेलिया पर है। ऐसे में उनकी टीम को बेखौफ क्रिकेट खेलने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा मुझे नहीं लगता कि बहुत ज्यादा उम्मीदें हैं। मुझे लगता है कि लोगों ने इसका जिक्र किया है और आप इस बारे में बात करते रह सकते हैं कि हमने पिछले साल (टी20) विश्व कप कैसे जीता था, लेकिन यह बिल्कुल अलग प्रारूप है। हमें पिछले साल दुबई से मिली सीख को अपनाना होगा। नैट-साइवर ब्रंट को इंग्लैंड की कप्तान और उनकी मुख्य बल्लेबाज होने की दोहरी ज़िम्मेदारी निभानी होगी। दायें हाथ की यह बल्लेबाज इस जिम्मेदारी को निभाने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

एशिया कप के आखिरी सुपर 4 में भारत ने श्रीलंका को दिया 203 रनों का लक्ष्य

बल्लेबाज अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और तिलक वर्मा ने खेली ताबड़तोड़ पारियां

दुबई, एजेंसी

भारत के अभिषेक शर्मा श्रीलंका के खिलाफ शॉट लगाते हुए। एजेंसी

अभिषेक शर्मा ने अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए अर्धशतक लगाया जबकि संजू सैमसन ने 39 रन की उपयोगी पारी खेलकर श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप के आखिरी सुपर 4 मैच में शुक्रवार को भारत को पांच विकेट पर 202 रन तक पहुंचाया।

यह इस टूर्नामेंट में किसी भी टीम का सर्वोच्च स्कोर है। इससे पहले भारत ने ओमान के खिलाफ और अफगानिस्तान ने हांगकांग के खिलाफ 188 रन बनाये थे। अभिषेक ने 31 गेंद में 61 रन बनाये जबकि पांचवें नंबर पर सैमसन ने 22 गेंद में 39 रन की पारी खेली। तिलक वर्मा ने 34 गेंद में नाबाद 49 रन बनाये। पूरे टूर्नामेंट की तरह अभिषेक ने पावरप्ले में गेंदबाजों को खासी नसीहत दी और अर्धशतकों की हैट्रिक लगाई। उन्होंने इस पारी में आठ चौके और दो छक्के लगाये जबकि शुभमन गिल और कप्तान सूर्यकुमार यादव सस्ते में आउट हो गए। अभिषेक हालांकि तीसरी बार शतक से चूक गए और श्रीलंका के कप्तान चरित असलंका की गेंद पर डीप मिडविकेट सीमा पर कैच दे बैठे। गिल चार रन बनाकर महीष तीक्षणा का शिकार हुए। कप्तान सूर्यकुमार (12) को वानिंदु हसरंगा ने पगबाधा आउट किया। नये बल्लेबाजी क्रम में अपनी लय तलाश रहे सैमसन टूर्नामेंट में पहली बार शानदार फॉर्म में दिखे। उन्होंने तीन छक्के लगाये जिनमें हसरंगा को लगाया गया छक्का शानदार था। उन्होंने जगह बनाने के लिए अपने फ्रंटफुट को लेग स्टंप के बाहर रखा और साइट स्क्रीन पर तूफानी छक्का लगाया। अगले ओवर में उन्होंने दासुन शनाका को छक्का लगाया। उन्होंने तिलक के साथ 66 रन की साझेदारी की। अक्षर पटेल ने पारी का अंत छक्के से किया।

यॉर्कशायर के लिए मयंक अग्रवाल ने जड़ा बड़ा शतक

हेडिंग्ले : भारतीय बल्लेबाज मयंक अग्रवाल (175) ने डरहम के ख़िलाफ यॉर्कशायर के लिए हेडिंग्ले में एक बेहतरीन शतक लगाया। इस शतक की मदद से उनकी टीम पहली पारी की बढ़त लेने की कगार पर है, ताकि वे रेलिगेशन से बचने की उम्मीद कर सके। यह यॉर्कशायर का इस काउंटी सीजन आख़िरी मैच है। धूप भरे लीड्स के मैदान में यह बल्लेबाजों का दिन था, जहां दो खिलाड़ियों ने शतक लगाए।

भारत-पाक झड़पों पर आईसीसी ने की कार्रवाई

- सूर्यकुमार यादव पर मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया
- सजा के खिलाफ बीसीसीआई ने की अपील
- हारिस रऊफ पर भी मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना
- साहिबजादा फरहान को चेतावनी देकर छोड़ दिया गया

दुबई,एजेंसी : एशिया कप में भारत और पाकिस्तान की टीमों में बढ़ते तनाव के बीच आईसीसी ने अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए पहलगाम आतंकवादी हमले पर टिप्पणी के लिए भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव पर मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया है जिसके खिलाफ बीसीसीआई ने अपील की है। जबकि भड़काऊ इशारे करने वाले पाकिस्तान के हारिस रऊफ को भी समान सजा सुनाई गई है। वहीं रविवार को भारत के खिलाफ मैच के दौरान बंदूक चलाने के अंदाज में जश्न मनाने वाले पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान को चेतावनी देकर छोड़ दिया गया है। मैच रैफरी रिची रिचर्डसन ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई की।

टूर्नामेंट के एक सूत्र ने कहा आईसीसी मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए टूर्नामेंट खत्म होने तक कोई आधिकारिक विज्ञप्ति जारी नहीं करेगी। यह विज्ञप्ति सोमवार को आ सकती है चूंकि भारत और पाकिस्तान के बीच फाइनल रविवार को खेला जाना है। दोनों टीमों के बीच अभी तक दो मैच हुए और दोनों भारत ने जीते हैं। आईसीसी को सजा के बारे में प्रेस विज्ञप्ति जारी करनी थी लेकिन बाद में तय किया गया कि टूर्नामेंट खत्म होने के बाद ऐसा किया जाएगा।

बीसीसीआई फैसले से सहमत नहीं

समझा जाता है कि बीसीसीआई रिचर्डसन की इस राय से सहमत नहीं है कि सूर्यकुमार ने आतंकवादी हमले के पीड़ितों और अपने देश की सेना के प्रति एकजुटता दिखाकर आचार संहिता का उल्लंघन किया है। जानकार सूत्र ने कहा अगर भारतीय सेना के लिए खड़े होने वाले अपने कप्तान को बीसीसीआई सजा से बचा नहीं पाती तो इसका बुरा प्रभाव पड़ेगा। बीसीसीआई को कप्तान के लिए फटकार भी स्वीकार नहीं करनी चाहिए क्योंकि इसके भी मायने होंगे कि कप्तान सूर्यकुमार यादव दोषी है।

सिर्फ फाइनल का नतीजा रखेगा मायने : हेसन

दुबई, एजेंसी

एशिया कप में भारत के हाथों दो शर्मनाक पराजय झेलने के बावजूद पाकिस्तान के मुख्य कोच माइक हेसन का मानना है कि अब सब सिर्फ फाइनल का नतीजा मायने रखता है। जिसमें टूर्नामेंट में 41 साल में पहली बार चिर प्रतिद्वंद्वी आमने-सामने होंगे।

भारत ने ग्रुप लीग मैच में पाकिस्तान को सात विकेट से और सुपर 4 में छह विकेट से हराया। बांग्लादेश को 11 रन से हराने के बाद हेसन से जब पूछा गया कि रविवार के फाइनल के लिए उन्होंने खिलाड़ियों को क्या संदेश दिया है तो उन्होंने कहा हमें पता है कि हम 14 सितंबर को और 21 सितंबर को खेले थे। लेकिन अब सिर्फ एक ही मैच मायने रखता है और वह है फाइनल।

हमारा फोकस उसी पर है। हम सही समय पर अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाने की कोशिश करेंगे। भारत और पाकिस्तान 1984 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट में कभी भी फाइनल में नहीं भिड़े हैं।

चाइना ओपन में गॉफ का विजयी आगाज

बीजिंग (चीनी), एजेंसी

अमेरिका की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने शुक्रवार को रूस की कामिला राखिमोवा को सीधे सेटों में हराकर चाइना ओपन में अपने खिताब के बचाव के अभियान की शुरुआत की। आज यहां खेले गए मुकाबले में गॉफ ने राखिमोवा को 6-4, 6-0 से हराया।

21 वर्षीय अमेरिकी टेनिस स्टार के लिए पहले सेट में युवा खिलाड़ी के खिलाफ शुरुआत थोड़ी मुश्किल रही, क्योंकि उन्हें चार ब्रेक पॉइंट का सामना करना पड़ा। दूसरे सेट की शुरुआत में कुछ और ब्रेक पॉइंट बचाने के बाद, उन्होंने पहले दौर का मुकाबला मात्र 44 मिनट में जीत लिया।

मैच के बाद गॉफ ने कहा मुझे उम्मीद थी कि मुकाबला कांटे का होगा। वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और पिछले कुछ टूर्नामेंटों में उन्होंने शीर्ष खिलाड़ियों के साथ कड़ी टक्कर दी है। मैंने अपनी लय पकड़ ली और लय में आ गई। कोई भी पहला राउंड हारना नहीं चाहता, इसलिए मुझे लगता है कि मैं थोड़ी तनाव में थी, लेकिन मैं खुद को संभालने में कामयाब रही और मुझे लगता है कि इसका असर मेरे स्कोर पर दिखा।

सिनर ने सिलिच को आसानी से हराया

शीर्ष वरीयता प्राप्त जैनिक सिनर ने पूर्व यूएस ओपन चैंपियन मारिन सिलिच को 6-2, 6-2 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया। सिनर ने शुरुआत में ही नियंत्रण बना लिया और पहले सेट में तेज रिटर्न और प्रभावशाली बेसलाइन खेल से दो बार विपक्षी की सर्विस तोड़ी। दूसरे सेट में, उन्होंने 5-1 की बढ़त बना ली और बिना किसी कठिनाई के मैच जीत लिया। इससे पहले चीन के झांग झिझेन पहले दौर में फ्रांस के टेरेंस एटमाने से 2-0 से हार गए।

चीन में चाइना ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल मैच में अमेरिका की कोको गॉफ कामिला राखिमोवा के खिलाफ शॉट लगाती हुई। एजेंसी

क्रिकेटरों के तरीके ने प्रेरित किया : बोल्ट

मुंबई, एजेंसी

मुंबई के एक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जमैका के पूर्व धावक उसेन बोल्ट।

महान धावक उसेन बोल्ट का कहना है कि प्रतिभाशाली क्रिकेटरों को मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए देखने के बाद क्रिकेट उनके लिए ट्रैक पर बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा बना था। बोल्ट का नाम रफ्तार और विश्व रिकॉर्ड का पर्याय है, उन्होंने अपने करियर का अंत आठ ओलंपिक स्वर्ण पदक और 11 विश्व चैंपियनशिप में शीर्ष पोडियम स्थान के साथ किया जो कभी भी किसी भी ट्रैक एवं फील्ड एथलीट ने हासिल नहीं किया।

जमैका के इस खिलाड़ी ने शुक्रवार को जमनाबाई नरसी परिसर में फायरसाइड चैट में कहा मैं बचपन से ही क्रिकेट का बहुत बड़ा मुरीद रहा हूं। मैंने बचपन से ही क्रिकेट देखा है। क्रिकेटरों की प्रतिभा को बढ़ते हुए देखना, वे जिस तरह से काम करते, वे जिस तरह खुद को आगे बढ़ाते और खुद को पेश करते थे, उसने मुझे कम उम्र में कड़ी मेहनत करने और सर्वश्रेष्ठ बनने के लिए प्रेरित किया। जमैका ने माइकल होल्डिंग, कर्टनी वॉल्श, क्रिस गेल और जेफ डुजॉन जैसे कई दिग्गज क्रिकेटर दिए हैं तो हो सकता है कि बोल्ट पर उनका प्रभाव पड़ा हो। बोल्ट के नाम 100 मीटर में 9.58 सेकेंड का विश्व रिकॉर्ड है।

> खेल के लिए कड़ी मेहनत और समर्पण की जरूरत होती है। मुझे ट्रैक एंव फील्ड बहुत पसंद है इसलिए यह एक ऐसी चीज है जिसे मैं बचपन से पसंद करता रहा हूं और मैंने इस पर बहुत मेहनत की है।
> -उसेन बोल्ट

जमैका के 39 वर्षीय एथलीट ने कहा यह कठिन सफर था क्योंकि शीर्ष पर पहुंचना कभी आसान नहीं होता, लेकिन मैं सचमुच दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनना चाहता था इसलिए मैंने चोटों, शंकाओं और कठिन समय के बावजूद खुद को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक बनने के लिए प्रेरित किया, इसलिए यह सिर्फ समर्पण है।

फीफा ने विश्व कप के लिए तीन शुभंकर घोषित किए

ज्यूरिख : फीफा ने गुरुवार को 2026 विश्व कप के लिए तीन आधिकारिक शुभंकर घोषित किए। कनाडा का मूस मेपल, मेक्सिको का जगुआर जायु और संयुक्त राज्य अमेरिका का बाल्ड ईगल क्लच, जो तीन देशों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट के पहले संस्करण का प्रतिनिधित्व करेंगे। मेपल, जायु और क्लच को एकता, विविधता और फुटबॉल के प्रति साझा जुनून के प्रतीक के रूप में पेश किया गया।

प्रत्येक शुभंकर को अपने देश की संस्कृति और भावना को प्रतिबिंबित करते हुए दुनिया भर के प्रशंसकों को प्रेरित करने के लिए डिजाइन किया गया था। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा मेपल, जायु और क्लच फीफा विश्व कप की तरह ही खुशी, ऊर्जा और एकजुटता की भावना से भरपूर हैं।

इंतजार खत्म | विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के मुकाबले आज से होंगे शुरू

घरेलू सरजमीं पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को भारत तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी

शुभंकर विराज।

ब्लेड रनर, कृत्रिम अंगों और व्हीलचेयर की मदद से प्रतिस्पर्धा करने वाले दुनिया के कुछ बेहतरीन पैरा खिलाड़ी शारीरिक चुनौतियों के बावजूद शनिवार से यहां शुरू हो रही अब तक की सबसे बड़ी विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपने अद्भुत साहस, संकल्प और संघर्ष क्षमता का प्रदर्शन करेंगे।

भारत विश्व पैरा खेलों का उभरती हुई ताकत बन चुका है और पहली बार इन खेलों की मेजबानी कर रहा है। पांच अक्टूबर तक चलने वाले इस प्रतियोगिता के 12वें सत्र का उद्घाटन बृहस्पतिवार को यहां के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में हुआ। यह अब तक की सबसे बड़ी पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप है जिसमें 104 देशों के लगभग 2200 खिलाड़ी और अधिकारी मौजूद है। भारत, कतर (2015), यूएई (2019) और जापान (2024) के बाद इस टूर्नामेंट की मेजबानी करने वाला चौथा देश बना है। इस दौरान 1500 से अधिक पैरा एथलीट 186 पदक स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे जो 2024 के जापान (कोबे) सत्र से 15 अधिक हैं।

पेरिस पैरालंपिक में 308 (112 स्वर्ण, 96 रजत और 100 कांस्य) पदक जीतने वाले से 100 से अधिक पदक विजेता यहां अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इस बार कुल 101 पुरुष, 84 महिला और मिश्रित स्पर्धा होंगी। यह पहली बार है जब भारत इस चैंपियनशिप की मेजबानी कर रहा है। विश्व पैरा एथलेटिक्स के अध्यक्ष पॉल फिट्जगेराल्ड ने कहा कि इसमें कई विश्व रिकॉर्ड बनेंगे और नए चैंपियन सामने आएंगे। उन्होंने विश्व स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए भारत की सराहना की। उन्होंने कहा अब तक की सबसे बड़ी पैरा विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी का श्रेय भारत को जाता है। यह पहली बार है जब पैरा एथलेटिक्स के लिए प्रतियोगिता और अभ्यास स्थल दोनों जगहों पर मोंडो ट्रैक बिछाई गई है। यह ट्रैक खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बेहतर करने के साथ चोट के खतरे को कम करती है। अभ्यास क्षेत्र में फ्लड लाइट्स भी लगाई गई हैं ताकि खिलाड़ी सुबह या सूर्यास्त के बाद भी अभ्यास कर सकें। इसके पास एक अत्याधुनिक फिटनेस सेंटर भी बनाया गया है।

शीर्ष पांच में जगह बनाने का लक्ष्य

भारत अपने अब तक के सबसे बड़े 74 एथलीटों के दल को मैदान में उतारते हुए पदक तालिका में शीर्ष पांच में जगह बनाने का लक्ष्य बना रहा है। भारत ने 2019 में दुबई सत्र में नौ पदक (दो स्वर्ण, दो रजत, पांच कांस्य), 2023 में पेरिस में 10 (तीन स्वर्ण, चार रजत, तीन कांस्य) और 2024 में जापान के कोबे में 17 पदक (छह स्वर्ण, पांच रजत, छह कांस्य) जीतकर छठा स्थान हासिल किया था। दीप्ति जीवनजी (महिला 400 मीटर टी20), सचिन खिलारी (पुरुष गोला फेंक एफ46), अंतिल (पुरुष भाला फेंक एफ64), एकता भ्यान (महिला क्लब थ्रो एफ51) और सिमरन शर्मा (महिला 200 मीटर टी12) 2024 में जीते गए अपने स्वर्ण पदकों का बचाव करने की उम्मीद करेंगी।